■ आज शब्द साथ नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद- 12

■ ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम : हरदीप पुरी- 12

■ ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार- 13

■ टी-20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित - 14

आज का मौसम | 21.0⁰ अधिकतम तापमान | 9.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.02 | सूर्यास्त 05.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष एकादशी 01:55 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 29 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 65, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

डिप्टी सीएम अजित पवार की विमान हादसे में मौत

पुणे के बारामती में लैंडिंग के दौरान रनवे से टकराया विमान, 4 अन्य की गई जान, महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक

- विजिबिलिटी कम होने पर पहली बार में पायलट नहीं करा सके थे लैंडिंग, पुन: प्रयास में हुआ हादसा, दिवंगत पवार का अंतिम संस्कार आज
- हादसे में पायलट सुमित कपूर, सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, पीएसओ विधिप जाधव व विमान परिचारिका पिंकी माली की भी गई जान

पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट हुई विमान दुर्घटना के बाद लगी आग।

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) समेत पांच लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में मौत हो गई। पवार 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे में चार रैलियों को संबोधित करने के वास्ते सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वालीं सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विधिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी दुर्घटना में मौत हो गई। पवार के सम्मान में महाराष्ट्र ने 30 जनवरी तक राजकीय शोक रहेगा।

सरकार ने बताया कि विमान एटीसी ने बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद लियरजेट विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। लेकिन अंततः अनुमति मिलने के बाद भी विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (जिसमें यह दुर्घटनाग्रस्त विमान भी शामिल है), पांच एम्बरर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं। उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह 8:10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार से गायब हो गया। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) से गठबंधन में चुनाव लड़ा था। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और कई अन्य नेताओं ने अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, विमान हवा में थोड़ा अस्थिर दिख रहा था और जैसे ही जमीन से टकराया, विस्फोट हो गया और विमान में भीषण आग लग गई।

(संबंधित राष्ट्रीय पेज पर)

इनकी गई हादसे में जान

अजित पवार उप मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

सुमित कपूर पायलट

शांभवी पाठक सह-पायलट

विदीप जाधव पीएसओ

पिंकी माली फ्लाइट अटेंडेंट

एएआईबी जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची

हैदराबाद। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) बुधवार को बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच के लिए दोपहर बाद बारामति पहुंच गई। एएआईबी के अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, अधिकारी ने और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिन में, एएआईबी को हादसे की जांच का जिम्मा सौंपा गया। बुधवार सुबह, 16 साल पुराना और मध्यम आकार का विमान दूसरी बार लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच करता है और सुरक्षा में सुधार के उपाय भी सुझाता है।

अजित पवार की मृत्यु से स्तब्ध हूं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। मोदी ने कहा, अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। मोदी पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

एक अच्छा मित्र खो दिया : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार की मृत्यु से एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। उनके साथ बेहद करीब से काम करने के बाद यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह का नेतृत्व उभरने में कई साल लग जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को इस त्रासदी की जानकारी दी।

...वो आखिरी 26 मिनट

- बारामती विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) के अनुसार, विमान से पहली बार सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर संपर्क हुआ।
- इसके बाद, जब विमान बारामती से 30 नॉटिकल मील दूर था तब उसने संपर्क किया। पायलट को अपने विवेक से ''दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों'' में नीचे उतरने की सलाह दी गई।
- चालक दल ने हवाओं और दृश्यता के बारे में पूछा। तब उसे बताया गया कि हवाएं शांत हैं और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है।
- इसके बाद विमान ने आखिरी तौर पर रनवे 11 के करीब आने की सूचना दी, लेकिन कहा कि रनवे उसे दिखाई नहीं दे रहा है। उसने पहले प्रयास में हवा में चक्कर लगाना शुरू किया।
- चक्कर लगाने के बाद, चालक दल से फिर पूछा गया कि क्या उन्हें रनवे दिखाई दे रहा है। जवाब था- फिलहाल रनवे नजर नहीं आ रहा है। जब रनवे नजर आएगा, हम संपर्क करेंगे। कुछ सेकंड बाद, चालक दल ने बताया कि उसे रनवे दिखाई दे रहा है।
- विमान को सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर रनवे 11 पर उतरने की अनुमति दी गई। हालांकि, उसने (चालक दल ने) लैंडिंग की अनुमति के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया (एटीसी को जवाब नहीं दिया)। इसके बाद, सुबह आठ बजकर 44 मिनट पर एटीसी ने रनवे 11 के किनारे के आसपास आग की लपटें देखीं।
- आपातकालीन सेवाएं तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ब्रीफ न्यूज

सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

(विस्तृत कारोबार पेज पर)

ट्रंप ने ईरान पर हमले की दी धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान पर हमले की धमकी दी। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, उम्मीद है कि ईरान जल्द बातचीत के लिए आगे आएगा। ईरान पर जून में हुए हमलों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने लिखा, अगला हमला इससे कहीं ज्यादा खतरनाक होगा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति ने पढ़ा अभिभाषण
- कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने हमारी सेना का पराक्रम देखा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके साथ ही कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। संसद के बजट सत्र की शुरुआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है। उन्होंने कहा सिंधु जल समझौते को स्थगित किया जाना भी आतंकवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई का हिस्सा है।

जी राम जी पर विपक्ष का विरोध

राष्ट्रपति ने मनरेगा की जगह सरकार द्वारा लाए गए कानून का जिक्र करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत - जी राम जी कानून बनाया गया है। नए सुधार से गांव में एक सौ पच्चीस दिन के रोजगार की गारंटी होगी। इस दौरान विपक्ष ने इस कानून का विरोध करते हुए नारेबाजी की और इसे वापस लेने की मांग की।

अनिल अंबानी की कंपनियों की 1,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपये हो गया है।

ईडी ने कहा कि धन शोधन के तहत 4 अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में बैंक जमा, गैर-सूचीबद्ध निवेशों में शेयरधारिता और कुछ अचल संपत्तियां शामिल हैं। आरएचएफएल, आरसीएफएल, यस बैंक धोखाधड़ी के साथ-साथ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में कुर्की की गई है। नए अधिरोपित शेयरों में बीएसईएस यमुना पावर, बीएसईएस राजधनी पावर व मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की शेयरधारिता शामिल है।

एनसीसी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाने का आंदोलन : मोदी

- राष्ट्रीय कैडेट कोर की रैली को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्यों से बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ऐसा आंदोलन है जो देश के युवाओं को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश में कैडेटों की संख्या में निरंतर बढ़ रही है और हाल के वर्षों में यह 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है जिसमें देश के सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मोदी ने बुधवार को यहां दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, यह ऐसा मंच है जहां युवा अपनी विरासत को गर्व के साथ जीते हैं। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए उत्सवों का उल्लेख किया। 'परमवीर सागर यात्रा' को एक उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया था, और कैडेटों ने अपनी नौकायन यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय नायकों के सम्मान की इस भावना को आगे बढ़ाया।

लखनऊ भेजे गए अलंकार समर्थकों का जबरदस्त हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अफसरों ने बाहर भेजने के मसले पर चुप्पी साधी, धक्का-मुक्की में इंस्पेक्टर गिरे, नारेबाजी

अमृत विचार : निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार की दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ भेज दिया गया। बाहर भेजे जाने की सूचना पर उनके समर्थक आक्रोशित हो उठे और गाड़ी रोकने की कोशिश करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस अलंकार अग्निहोत्री को गाड़ी में बैठाकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बाहर भेजने में सफल रही। उनके साथ कुछ करीबी मित्र भी गए हैं।

निलंबित अफसर को कहां भेजा गया है, इस पर अफसर मौन रहे, अलबत्ता अलंकार ने स्वयं मैसेज कर बताया कि वह सुरक्षित हैं, लखनऊ जा रहे हैं। इससे पूर्व अलंकार को बाहर भेजने की जानकारी मिलते ही समर्थकों में आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर दी। धक्का-मुक्की में एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया।

यूजीसी बिल को चुनौती वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने यूजीसी के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई, जिसमें यह दलील दी गई है कि नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। वकील ने कहा, सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है।

कार्यक्रम | मुख्यमंत्री ने किया सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ, 1052 करोड़ की 229 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

उपद्रव की जगह अब होते हैं उत्सव, 25 करोड़ आबादी परिवार : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को परिवार मानकर सरकार ने विकास का अभियान आगे बढ़ाया है। बीमार मानसिकता के लोगों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को लंबे समय तक बीमार बनाए रखा, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ इस बीमारी को जड़ से खत्म किया। अब उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ चुका है।

सीएम बुधवार को पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने 1052 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। योगी ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के विकास के लिए धन उपलब्ध करा रही है। जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों से योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की उपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार भी व्यक्त किया। योगी ने कहा कि एक समय सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद इसलिए था क्योंकि यहां विकास नहीं, बल्कि बीमारी और पलायन था। इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौतें होती थीं। पीएम मोदी की प्रेरणा से 2017 में संकल्प लिया गया कि एक भी बच्चा इस बीमारी से नहीं मरेगा। आज यह बीमारी इतिहास बन चुकी है।

बांटकर नहीं, जोड़कर होता है विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति, मत-मजहब, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटकर विकास नहीं किया जा सकता। सतत और समग्र विकास ही रामराज्य की अवधारणा का साकार रूप है। गरीबों को राशन, आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं बिना भेदभाव दी जा रही हैं। सरकार की योजनाओं का केंद्र गरीब, महिला, युवा और किसान हैं।

गोरखपुर-शामली बनेगा इकोनॉमिक कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर की कनेक्टिविटी को फोरलेन से जोड़ा जा रहा है। खलीलाबाद-बहराइच रेल लाइन जिले से होकर गुजर रही है, जिससे निवेश बढ़ेगा। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर जनपद की तीन विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकास का नया मार्ग बनेगा।

न्यूज ब्रीफ

बच्चूलाल वर्मा निर्विरोध निर्वाचित

बरखेड़ा, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड बरखेड़ा के शाखा प्रतिनिधि के पद के लिए भाजपा प्रत्याशी बच्चू लाल वर्मा को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार ने उन्हें प्रमाण पत्र सौपा। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व शाखा प्रतिनिधि लाखन सिंह वर्मा आदि मौजूद रहे। पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत समेत कई भाजपा नेताओं ने उन्हें बधाई दी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला हबीबुल्लाह खां जनूबी निवासी महनाज का पुत्र फिरोज अपनी बहन जूही के साथ शाहजहांपुर की ओर से मंगलवार रात बीसलपुर आ रहा था। ग्राम रोहनिया के नजदीक पहुंचते ही ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार भाई-बहन घायल घायल हो गए। दोनों को सीएचसी में इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया।

किशोरी ने खाया जहर हालत बिगड़ी, रेफर

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के बालाजी कॉलोनी निवासी सर्वेश कुमार की पुत्री सुनैना को परिवार वाले सीएचसी लेकर आए। चिकित्सकों ने जहरीला पदार्थ खाए होने की आशंका जताते हुए इलाज किया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

खाना बनाते वक्त चिंगारी से जला छप्पर

बीसलपुर : क्षेत्र के ग्राम मलकपुर निवासी प्रेमराज की पत्नी हीरा कली बुधवार दोपहर छप्पर में खाना बना रही थी। इसी दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी से छप्पर में आग लग गई। इसके बाद वहां रखा सामान भी आग की चपेट में आ गया। शोर पर आसपास के लोग जमा हो गए। फिर बमुश्किल आगपर काबू किया गया। राजस्व कर्मियों ने मौका मुआयना कर जानकारी की। नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट एसडीएम को भेज दी है।

ग्राम पंचायतों में गोबर बनेगा आय का जरिया, तैयार होगी जैविक खाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- गांवों में बनी सभी वर्मी कंपोस्ट पिटों को क्रियाशील करने को शुरू की कवायद
- ग्राम पंचायतों की बढ़ेगी आय पहले चरण में 100 ग्राम पंचायतों में शुरू कराया जाएगा काम

अमृत विचार : गांवों में पशुओं को गोबर अब ग्राम पंचायतों की आय का जरिया बनेगा। ग्राम पंचायतों में पूर्व से बनी वर्मी कंपोस्ट पिटों के माध्यम से अब जैविक खाद बनाई जाएगी। इसको लेकर पंचायत विभाग ने मुहिम तेज कर दी है। विभागीय अफसरों की मानें तो पहले चरण में करीब 100 ग्राम पंचायतों यह मुहिम चलाई जाएगी।

गांवों को कचरा मुक्त बनाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के तहत आरआरसी सेंटर (एकीकृत ठोस प्रबंधन केंद्र) बनाए गए हैं। वर्तमान में करीब 650 से अधिक ग्राम पंचायतों में आरआरसी सेंटर बन चुके हैं।

जनपद की एक ग्राम पंचायत में खाली पड़ी वर्मी कंपोस्ट पिट। ● अमृत विचार

इसमें 550 से अधिक आरआरसी सेंटर क्रियाशील होना बताया जा रहा है। उस दौरान ग्राम पंचायतों में वर्मी कंपोस्ट पिट भी बनवाए गए थे, ताकि केंचुए और गोबर डालकर खाद बनाई जा सके। सभी आरआरसी सेंटरों को क्रियाशील बनाने को लेकर पंचायत विभाग पूर्व से ही लगातार प्रयासरत है। इधर, अब पंचायत विभाग ग्राम पंचायतों में बनी वर्मी कंपोस्ट पिटों को भी क्रियाशील करने की मुहिम शुरू करने का जा रहा है। इसको लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने संबंधितों को दिशा निर्देश जारी किए हैं। लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

1507 वर्मी कंपोस्ट होंगी क्रियाशील, बढ़ेगा ओएसआर

जनपद की 720 ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 1507 वर्मी कंपोस्ट पिट का निर्माण कराया गया है। विभागीय अफसरों द्वारा वर्मी कंपोस्ट पिट के माध्यम से वर्मी कंपोस्ट तैयार को लेकर संबंधित ग्राम प्रधान एवं सचिवों को निर्देश जारी किए गए। मगर, अधिकांश वर्मी कंपोस्ट पिट खाली ही दिख रहे हैं। इसमें अभी तक न तो गोबर डाला जा रहा है और न ही केंचुए छोड़े गए हैं। ऐसे में अब पंचायत विभाग ने ग्राम पंचायतों में बनी इन सभी वर्मी कंपोस्ट पिटों को क्रियाशील बनाने की कवायद शुरू कर दी है। विभाग के मुताबिक पहले चरण में करीब 100 ग्राम पंचायतों की वर्मी कंपोस्ट पिटों को क्रियाशील किया जाएगा। वर्मी कंपोस्ट पिटों के माध्यम से जो जैविक खाद तैयार होगी, उसकी बिक्री से मिलने वाली धनराशि को पंचायतों के ओएसआर खाते में जमा किया जाएगा। इससे जैविक खेती को तो बढ़ावा मिलेगा ही, साथ ही ग्राम पंचायतों की आय में भी बढ़ोत्तरी हो सकेगी।

> ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत वर्मी कंपोस्ट पिट बनाई गई है, लेकिन अधिकांश वर्मी कंपोस्ट पिट क्रियाशील नहीं है। अब इन सभी वर्मी कंपोस्ट पिटों को क्रियाशील किया जा रहा है। इस बाबत संबंधितों को दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान यदि कहीं वर्मी कंपोस्ट पिट क्रियाशील नहीं पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। – **रोहित भारती**, डीपीआरओ

नियम उल्लंघन में 140 वाहनों के किए चालान

पीलीभीत, अमृत विचार: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस ने बुधवार को टनकपुर हाईवे पर डिग्री कॉलेज चौराहा, गौहनिया चौराहा समेत अन्य मार्गों पर वाहन चेकिंग की। इस दौरान नियम उल्लंघन कर दौड़ रहे वाहनों के चालान किए गए। अवैध रूप से संचालित व नियतन से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 140 वाहनों का चालान कर 1.61 लाख रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया।

चार दिनों के बाद खुलीं बैंक, 100 करोड़ से अधिक का हुआ लेनदेन

बैंकों में सुबह से लगी रही उपभोक्ताओं की कतार, व्यापारिक गतिविधियों को मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : साप्ताहिक बंदी, गणतंत्र दिवस और बैंक कर्मचारियों की एक दिवसीय हड़ताल के चलते जिले की बैंक लगातार चार दिन तक बंद रहीं। बुधवार को जैसे ही बैंक शाखाएं खुली, सुबह से ही ग्राहकों की कतारें लग गईं। लंबित लेनदेन, नकद निकासी, जमा और क्लीयरिंग के लिए लोग बैंकों में पहुंचे। दिनभर चले कामकाज में जिले भर में 100 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन दर्ज किया गया। इससे व्यापारिक गतिविधियों को बड़ी राहत मिली।

बता दें कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस समेत विभिन्न बैंक संगठनों ने पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह यानी 5-डे वर्क वीक की मांग को लेकर 27 जनवरी को हड़ताल का ऐलान किया था। इस हड़ताल से सरकारी बैंकों समेत अन्य बैंकें बंद रखने का आह्वान किया था, लेकिन इससे पहले शनिवार को साप्ताहिक अवकाश और फिर रविवार पड़ गया। इतना

बैंक में काम करते कर्मचारी व कार्य से पहुंचे उपभोक्ता। ● अमृत विचार

ही नहीं सोमवार को गणतंत्र दिवस रहा। इसके चलते बैंक बंद रही। मंगलवार को देशव्यापी आह्वान पर हड़ताल रखी गई। कर्मचारी बैनर लेकर सड़कों पर उतरे और अपनी मांगें रखी। हड़ताल के चलते आमजन के साथ-साथ व्यापारियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। नकद लेनदेन रुकने से बाजार में कारोबार सुस्त पड़ गया। साथ ही चेक क्लीयरिंग ठप होने से भुगतान अटक गए थे। इससे कई व्यापारिक सौदे प्रभावित हुए थे। हड़ताल वाले दिन जिले भर में चेक क्लीयरिंग के करीब 12 करोड़ और 90 लाख का नकद लेनदेन ठप हुआ था। इसका असर न केवल व्यापार पर पड़ा, बल्कि आम लोगों को भी नकदी की कमी से जूझना पड़ा। शादी-विवाह, दवा खरीद और अन्य जरूरी खर्चों के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। बुधवार को जब बैंक खुलने के साथ ही शाखाओं में सबसे पहले क्लीयरिंग के लंबित मामलों को निपटाया गया। आरटीजीएस, एनईएफटी और चेक क्लीयरिंग के जरिए बड़ी राशि का समायोजन किया गया। बैंकों के एटीएम में भी नकदी डलवाई गई। इससे लोगों को राहत मिली। हालांकि भीड़ अधिक होने के कारण कई शाखाओं में देर शाम तक काम चलता रहा। बैंक अधिकारियों के अनुसार, चार दिन का काम एक साथ आने से दबाव बढ़ा, लेकिन अतिरिक्त काउंटर खोलकर और कर्मचारियों की तैनाती बढ़ाकर व्यवस्था को संभाला गया।

- हड़ताल के चलते आमजन के साथ व्यापारियों को करना पड़ा दिक्कतों का सामना

मांगों को लेकर जारी रहेगा आंदोलन : सौरभ

बैंक यूनियन के पदाधिकारी सौरभ गंगवार के अनुसार चार दिन बैंके खुली है, तो जिले भर की बैंकों में करीब 100 करोड़ से अधिक का लेनदेन हुआ है। जिसमें करीब 25 करोड़ का क्लीयरिंग एमाउंट शामिल रहा। फिलहाल मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा।

सड़क सुरक्षा जागरुकता की दिलाई शपथ

बिलसंडा में शपथ लेते लोग।

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक परिसर स्थित अटल सभागार में सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पीटीओ बर्डिश चतुर्वेदी ने ग्राम प्रधान समेत अन्य क्षेत्रीय लोगों को वाहन दुर्घटना को कम करने के उपाय, यातायात के नियम के महत्व के बारे में बताया। सड़क सुरक्षा जागरुकता की शपथ दिलाई। लोगों को जगरूक किया कि दो पहिया वाहन सवार हेलमेट जरूर लगाकर चले। चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्व करें। ताकि सड़क हादसे से बचा जा सके। इस मौके पर एडीओ पंचायत कृष्णा देवी, ग्राम प्रधान महेश कुमार, पप्पू, जगजीत सिंह, ब्रजनंदन, कल्लू, हीरा सिंह आदि मौजूद रहे।

क्षय रोग मुक्त जिला बनाने के लिए उठाएं कदम

गांधी सभागार में बैठक में मौजूद डीएम समेत अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने दिया निर्देश

अमृत विचार : गांधी सभागार में बुधवार को जिला स्वास्थ्य समिति व 100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान की बैठक हुई। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जननी सुरक्षा योजना में डिलीवरी एवं भुगतान, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब सेंटर पर डिलीवरी की स्थिति, आशा भुगतान, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रति सप्ताह दी जाने वाली आयरन, फोलिक एसिड सप्लिमेंट, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की क्रियाशीलता, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा की।

डीएम ने कहा कि जनपद में 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि जनपद में पूरनपुर, अमरिया, बिलसण्डा, बरखेडा, बीसलपुर, न्यूरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पताल में आयुष्मान मित्र तैनात है। उनके द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जाता है। अन्त्योदय राशनकार्डधारक और 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी जिलेवासी आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र है। जिला अस्पताल के कमरा नंबर चार में पुरूष और कमरा नम्बर 19 में महिला लाभार्थी आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए आधार कार्ड एवं अन्त्योदय राशनकार्डधारकों के लिए अन्त्योदय राशनकार्ड लाना अनिवार्य है। डीएम ने क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जनपद को क्षय रोग से पूरी तरह मुक्त कराये जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

स्थापित होगी स्टरलाइजेशन यूनिट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मेडिकल कॉलेज में संक्रमण से मिलेगी मुक्ति, 1 फरवरी से शुरू होगी व्यवस्था

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। मरीजों व चिकित्सकों को संक्रमण से बचाने के लिए मेडिकल कॉलेज परिसर में अत्याधुनिक स्टरलाइजेशन विभाग की स्थापना की जा रही है। इसकी शुरुआत 1 फरवरी से होगी। शासन स्तर से इसके संचालन के लिए संस्था भी नामित कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के लागू होने से ऑपरेशन थिएटर से लेकर वार्डों में उपयोग होने वाले सर्जिकल उपकरण पूरी तरह कीटाणुमुक्त रहेंगे और अस्पताल में संक्रमण का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में अभी तक जितने भी ओटी में उपकरण होते हैं, उन्हें मैन्युअल तरीके से साफ किया जाता है। ऐसे में अगर थोड़ी सी भी लापरवाही हो जाए तो संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसको देखते हुए प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने कॉलेज में सेंट्रल स्टेरलाइज्ड सप्लाई डिपार्टमेंट (सीएसएसडी) की स्थापना करने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा था। इसको अब स्वीकृति मिल गई। इस विभाग के लिए शासन की ओर से एक संस्था नामित की गई है, जोकि 1 फरवरी से अपनी सेवाएं कॉलेज में देंगी। इस विभाग में आधुनिक आटोक्लेव मशीनें, ईटीओ गैस आधारित स्टरलाइजेशन सिस्टम और अन्य उन्नत तकनीक के उपकरण लगाए जाएंगे। ओटी में प्रयोग होने वाले उपकरणों के साथ-साथ विभिन्न विभागों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों का वैज्ञानिक तरीके से संशोधन और नसबंदी की जाएगी। सीएसएसडी का मुख्य उद्देश्य सर्जरी और उपचार के दौरान संक्रमण (हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन) को रोकना है। इसके तहत सबसे पहले उपयोग किए गए उपकरणों की पूरी तरह सफाई और कीटाणुशोधन किया जाएगा। खून, और अन्य जैविक गंदगी को हटाने के बाद उपकरणों की कार्यक्षमता की जांच होगी। इसके पश्चात उन्हें मानक पैकिंग में सील कर नसबंदी प्रक्रिया से गुजारा जाएगा। स्टरलाइजेशन के बाद गुणवत्ता नियंत्रण के तहत हर बैच का रिकॉर्ड रखा जाएगा, जिससे मरीजों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता न हो। इस विभाग की स्थापना से मेडिकल कॉलेज में इलाज की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमणों में कमी आएगी, मरीजों की रिकवरी तेजी से होगी और अस्पताल में भर्ती अवधि भी घटेगी।

प्रतियोगिता में छवि और अनमता ने मारी बाजी

पीलीभीत, अमृत विचार : समाधान आईएपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में कंपोजिट विद्यालय अशरफ खां में बुधवार को वैज्ञानिक राजा रामन्ना जयंती के

उपलक्ष में जागरुकता कार्यक्रम हुआ। प्रतियोगिता में छवि और अनमता ने बाजी मारी।

प्रधानाध्यापिका यामिनी मिश्रा ने बताया किसी राष्ट्र के विकास में परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष में परमाणु कार्यक्रम डॉ. होमी जहांगीर भाभा द्वारा आरंभ किया गया। राजा रामन्ना भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो गए। वह भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक रहे। समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने भी विस्तार से जानकारी दी।

होली से पहले और बेहतर होगी प्रकाश व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में बुधवार को शहर की बुनियादी समस्याओं को लेकर चर्चा हुई। जलभराव, सफाई व्यवस्था और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। वहीं, होली से पूर्व ही शहर की प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

नगर पालिका की बोर्ड बैठक बुधवार को आयोजित की गई। अध्यक्षता नगर पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने की। अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार, पालिका के सभी पटल प्रभारी और सभासद मौजूद रहे। बैठक में शहर में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या पर मंथन किया गया। तय किया गया कि जलभराव के स्थायी समाधान के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजकर नाला निर्माण समिति गठित करने का

बोर्ड बैठक में पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल व सभासद। ● अमृत विचार

- बोर्ड बैठक में नगर पालिकाध्यक्ष ने जलभराव, सफाई और प्रकाश व्यवस्था पर लिए निर्णय

आग्रह किया जाएगा। यह समिति शहर में नालों के निर्माण की रूपरेखा तैयार करेगी। पुरानी डॉट वाली पुलिया को समाप्त कर नई पुलिया निर्माण पर भी विचार किया गया। सभासदों की मांग पर होली पर्व से पूर्व शहर की प्रकाश व्यवस्था और दुरुस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत खराब लाइटों को ठीक कराया जाएगा और नई लाइटें लगाने के लिए आवश्यक तार उपलब्ध कराए जाएंगे। पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में सात दिन के भीतर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी भेजी जाए। शहर के डंपिंग प्वाइंट्स से प्रतिदिन कूड़ा उठाने, नियमित झाड़ू लगवाने और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए। तय किया गया जिन इलाकों में जल निगम द्वारा पाइपलाइन डाली जा रही है, वहां जलकल विभाग की देखरेख में समतलीकरण कराएगा। इसके अलावा गैस पाइपलाइन बिछाने वाले ठेकेदारों से समन्वय कर टूटी सड़कों की मरम्मत और गड्ढे भरवाने के निर्देश दिए।

उपलब्धि | जीरो पावर्टी अभियान के तहत बेसिक शिक्षा विभाग ने व्यापक सर्वे कराकर की बच्चों की पहचान

शिक्षा से दूर 6801 बच्चों को विद्यालय से जोड़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। शिक्षा से कोसों दूर रहे 6801 बच्चों को औपचारिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर जिले ने यह साबित कर दिया कि सही योजना और सशक्त निगरानी से हर बच्चे तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाई जा सकती है। जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कराए गए विशेष सर्वे के आधार पर इन बच्चों की पहचान कर उन्हें परिषदीय विद्यालयों में नामांकित कराया गया।

जिले में परिषदीय विद्यालयों की संख्या 1508 हैं। इसमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित होते हैं। इसके अलावा 9 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इनमें 18 स्कूलों का संचालन नगरीय क्षेत्र में किया जा

प्रदेश में प्रथम आया पीलीभीत

बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का भवन।

- एडमिशन के साथ ही अभिभावकों के खातों में भेजी 838 रुपये की पठन सामग्री राशि
- जिले में परिषदीय विद्यालयों की संख्या हैं 1508, 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 हैं उच्च प्राथमिक

> प्रदेश स्तर पर पीलीभीत को प्रथम स्थान मिलना हर्ष का विषय है। यह उपलब्धि टीमवर्क, निरंतर मॉनिटरिंग और जमीनी स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम है। विभाग का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और सभी बच्चे नियमित रूप से स्कूल आकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें। – **रोशनी सिंह**, बीएसए

रहा है। इन सभी स्कूलों में कक्षा चार से आठ में 1.15 लाख और कक्षा एक से तीन में 60864 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इसके बाद भी कई बच्चे ऐसे थे, जो शिक्षा से कोसो दूर रहे। इसके पीछे कारण ये भी माना गया कि कई परिवार बाहर काम करने चले जाते हैं। इसको लेकर शासन के निर्देश पर जीरो पावर्टी अभियान की शुरुआत की गई थी। यह सर्वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर किया गया। इसमें ऐसे बच्चों को चिह्नित किया गया, जो गरीबी, पलायन, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कारणों से स्कूल से दूर थे। सर्वे के दौरान सामने आया कि जिले भर में 6801 बच्चे ऐसे मिले, जो शिक्षा से दूर थे।

इनमें कई ऐसे थे जिन्होंने एडमिशन कराया, मगर स्कूल नहीं गए। ऐसे समस्त बच्चों को चिन्हित करते हुए उन्हें संबधित स्कूलों में एडमिशन कराया गया। इस कार्य में शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और विभागीय अधिकारियों की अहम भूमिका रही। प्रति छात्र 838 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई, जिससे अभिभावक बच्चों के लिए किताबें, कापियां और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री खरीद सकें। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी बड़ी राहत मिली है। साथ ही ड्रेस आदि का पैसा भी भेजा गया है। पूरे प्रदेश में चल रहे इस अभियान के तहत जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है।

पति समेत दस के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : करेली थाने में दी गई तहरीर में ग्राम ढकिया जलालपुर के निवासी संदीप कौर पुत्री जसपाल सिंह ने बताया कि उनकी शादी तीन दिसंबर 2021 को पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेरपुर मकरंदपुर निवासी गुरुपिंदर सिंह पुत्र कुलदीप सिंह से हुई थी। कुछ समय बाद दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट की गई। इसके बाद पिता ने पढ़ाई के लिए कनाडा भेज दिया और वर्तमान में वहीं पढ़ रही है। वहीं से वह पिता के घर आई तो पता चला कि पति ने दूसरी शादी कर ली है। इसके अलावा भी कई आरोप लगाए। पुलिस ने मामले में शेरपुर मकरंदपुर गांव निवासी गुरपिंदर सिंह, कुलदीप सिंह, अमरजीत कौर, गुरुप्रीत सिंह, कुलविंदर कौर, भगवंतापुर गांव निवासी सुखदेव सिंह, अवतार सिंह, जसविंदर कौर, माधोपुर इटौरिया गांव निवासी जर्मनजीत सिंह, बलजीत कौर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बच्चों संग डीएम-बीएसए ने किया तिथि भोज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मरौरी ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल टाह पौटा में बुधवार को तिथि भोज का आयोजन किया। अतिथि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और बीएसए रोशनी सिंह शामिल हुए। दोनों अधिकारियों ने स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान स्कूली बच्चों से संवाद कर शैक्षिक गुणवत्ता को परखा।

बच्चे डीएम और बीएसए से संवाद के दौरान उत्साहित दिखे। बच्चों को गरिमा और सम्मान के साथ पंक्तिबद्ध बैठाया गया। तिथि भोज के मौके पर खीर, पूड़ी सब्जी सलाद के साथ पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन बनवाए गए। बच्चों के साथ डीएम व बीएसए ने बैठकर भोजन किया। डीएम ने स्कूली बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों से कहा कि सरकार सभी सुविधाएं स्कूलों में मुहैया करा रही है। अभिभावक से अपील की गई कि बच्चों को प्रतिदिन

बच्चों के साथ तिथि भोज करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह व बीएसए रोशनी सिंह।

- मरौरी ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल टाहपौटा में हुआ आयोजन
- संवाद कर परखीं शैक्षिक गुणवत्ता, रसोइया सम्मानित

स्कूल भेजें। बच्चों को शासन स्तर से जूता, मोजा, स्वेटर, निशुल्क पाठ्य पुस्तक, स्कूल बैग, बैठने के लिए फर्नीचर, स्मार्ट क्लास, जैसी तमाम सुविधाएं दी जा रही है। स्कूली बच्चे मेहनत से पढ़ें, जिससे अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सकें। स्कूल की रसोइयों ने बेहतर पौष्टिक, स्वादिष्ट भोजन बनाया। इस पर डीएम ने सभी रसोइयों को शाल और नकद पुरस्कार के बतौर 500-500 रुपये देकर सम्मानित किया। तिथि भोज से पहले बीएसए ने भोजन की गुणवत्ता भी परखी। इस मौके पर जिला समन्वयक राकेश पटेल, प्रधानाध्यापक अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

भाई से कहासुनी के बाद युवक ने खाया जहर

पीलीभीत, अमृत विचार : छोटे भाई से हुए विवाद के बाद बड़े भाई ने घर पर रखा जहरीला पदार्थ पी लिया। उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। मामला न्यूरिया क्षेत्र की भरतपुर कॉलोनी का है। यहां के रहने वाले देवदास बैरागी के बड़े पुत्र शिवम का टीवी देखने के दौरान किसी बात पर छोटे भाई अनूप से कहासुनी हो गई। इसी में गुस्से में शिवम ने जहरीला पदार्थ पी लिया। उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन ने जिला अस्पताल भर्ती कराया।

घर से निकला दिव्यांग लापता, गुमशुदगी दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नरायनपुर के रहने वाले सुभाष चंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका सगा भाई लोकेश कुमार मानसिक रूप से अस्वस्थ और दिव्यांग है। 26 जनवरी को दोपहर दो बजे बिना बताए घर से कहीं चला गया। काफी तलाशने के बाद भी उसका पता नहीं चल सका है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है।

ई-रिक्शा पलटा, दो लोग गंभीर घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव पतरासा कुवरपुर निवासी हरिशंकर मंगलवार शाम ई-रिक्शा लेकर गांव टिकरी माफी से लौट रहे थे। ई रिक्शा पर उनके साले थाना करेली क्षेत्र के गांव मरैना निवासी कुलदीप भी सवार थे। बीसलपुर मार्ग पर गांव पतरसिया में पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में दोनों घायल हो गए।

दंपती पर हमला करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा : थाना क्षेत्र के गांव करनापुर की निवासी पूजा पत्नी सुरेश चंद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 27 जनवरी की रात जेठ देवदत्त डंडा लेकर आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर दंपती की पिटाई कर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश में किया हमला, एफआईआर

दियोरियाकलां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव मानपुर टेहरी निवासी सौरभ पुत्र गोपाल दास ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता खेत से घर लौट रहे थे। इय बीच गांव के नेतराम, अशोक प्रधान ने पिता को रोक पुरानी रंजिश में गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बिजनौर के बढ़ेपुरा वन रेंज में 2 दिसंबर को जन्मी थी नवजात हथिनी, जन्म होने के समय पैर में लगी चोट भी लगभग हो चुकी ठीक

स्वस्थ होने के साथ रोहिणी की बढ़ी डायट, लगातार हो रही रिमोट मॉनिटरिंग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

हथिनी रोहिणी तो दूध पिलाता महावत। ● अमृत विचार

- सर्दी से बचाने को किए इंतजाम, तीन महावत दिन-रात कर रहे देखभाल
- कमरे समेत बाड़े में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हो रही निगरानी

अमृत विचार : बिजनौर के जंगल से आई नवजात हथिनी रोहिणी अब दो माह की हो चुकी है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पल-बढ़ रही रोहिणी की सीसीटीवी के जरिए मुख्यालय स्तर से रिमोट मॉनीटरिंग की जा रही है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक नन्हीं हथिनी अब पूरी तरह स्वस्थ है। पैर में लगी चोट भी अब लगभग सही हो चुकी है। बता दें कि नन्हीं रोहिणी को उसकी मां (हथिनी) जन्म देने के बाद ही छोड़कर चली गई थी।

बिजनौर के बढ़ेपुरा वन रेंज में बीते 2 दिसंबर को जन्मी नन्ही हथिनी को शासन के निर्देशानुसार 18 दिन बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व लाया गया था। सीजेडए की गाइलाइन के मुताबिक लाई गई मादा नवजात हथिनी को टाइगर रिजर्व की माला रेंज में उस स्थान पर सुरक्षित बाड़े रखा गया है, जहां पहले से ही टाइगर रिजर्व के चार हाथी रखे गए हैं। हालांकि अभी नवजात हाथिनी को एक कमरे में रखा गया है। जहां सर्दी से बचाव के लिए हीटर, हैलोजन, अंगीठी और अन्य इंतजाम किए गए हैं। शासन द्वारा पहली बार पीलीभीत टाइगर रिजर्व को किसी नवजात वन्यजीव को रखने को जिम्मेदारी दी गई है। ऐसे में टाइगर रिजर्व प्रशासन भी नन्हीं हथिनी की देखभाल पर पूरा फोकस रखे गए हुए हैं। कमरे समेत बाड़े में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मुख्यालय स्तर पर लगातार 24 घंटे निगरानी की जा रही है। हालांकि टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से इस नन्हीं हथिनी को अभी तक कोई नाम नहीं दिया गया है,

जन्म देते ही छोड़ गई मां, वन अफसर-कर्मचारी बने परिवार

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पल बढ़ रही नन्हीं रोहिणी ने जब बीते 2 दिसंबर को बिजनौर के जंगल में पहली बार पूरी तरह से आंखें खोली थी, तब तक उसकी मां (हथिनी) उसे छोड़कर जा चुकी थी। दरअसल बिजनौर के रामजीवाला बीट के जंगल में हथिनी ने एक मादा बच्चे को जन्म दिया था। वन गुर्जरों की सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने हथिनी के नवजात बच्चे को रेस्क्यू किया था। उस दौरान रोहिणी की मां उसे छोड़कर जा चुकी थी। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर टीमें गठित कर कर हथिनी की तलाश की गई। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार की मौजूदगी में स्थानीय रेंज की टीम ने बच्चे को हथिनी से मिलाने के कई बार प्रयास किए, मगर टीम को सफलता नहीं मिल सकी थी। हालांकि इस मातृ अस्वीकृति के पीछे चर्चा यह रही थी कि कि जन्म देने वाली हथिनी काफी अधिक उम्र के साथ काफी कमजोर थी। पालने में असमर्थ होने की वजह से ही वह बच्चे को छोड़ कर चली गई। इसके बाद शासन के निर्देश पर बीते 20 दिसंबर को नवजात हथिनी को पीलीभीत लाया गया था।

> शासन के निर्देशानुसार हथिनी के बच्चे की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अब वह पूरी तरह स्वस्थ है और पैर में लगी चोट भी ठीक हो चुकी है। ठंड से बचाव के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उसकी प्रत्येक गतिविधि को दर्ज भी किया जा रहा है। पीटीआर के लिए यह गौरव की बात है कि उसे एक नवजात वन्यजीव के देखभाल की जिम्मेदारी दी गई है। - **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

मगर क्षेत्रीय वनकर्मी उसे रोहिणी के नाम से बुलाते हैं। अब नन्हीं रोहिणी लगभग दो माह की होने जा रही है। शांत सी दिखने वाली रोहिणी की शैतानियां भी उम्र के साथ बढ़ने लगी हैं। रोहिणी की देखभाल की जिम्मेदारी महावत सुरेश समेत दो अन्य महावतों को दी गई है। वहीं टाइगर रिजर्व प्रशासन नन्हीं रोहिणी के सोने-जागने के लेकर उसके फीडिंग और यूरिनेशन तक पर लगातार नजर रखे हुए कि उसके 24 घंटे में कितनी बार यूरिनेशन किया और कितने घंटे सोने में बिताए। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार द्वारा नन्हीं रोहिणी का लगातार स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक पूर्व में रोहिणी 14 लीटर दूध पी रही थी। अब 14 के बजाय रोहिणी करीब 19-20 लीटर दूध पी रही है। जन्म के समय पैर में लगी चोट भी लगभग ठीक हो चुकी है। पशु चिकित्साधिकारी के मुताबिक हथिनी पूरी तरह स्वस्थ है और अब कुछ समय बाद उसे गाय का दूध दिया जाएगा। करीब एक माह बाद खाने में दलिया देने की शुरूआत की जाएगी।

सवर्ण समाज ने नारेबाजी कर निकाला जुलूस

यूजीसी का विरोध : नकटादाना चौराहा पर जमा हुए लोग व अधिवक्ता, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा, बुद्धि-शुद्धि यज्ञ आज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिलेभर में सवर्ण समाज ने यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन) का विरोध किया। इसे काला कानून बताते हुए वापस लेने की मांग की गई। जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर प्रदर्शन किया। डीएम कार्यालय के बाहर भी नारेबाजी की गई। इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा गया। खास बात रही कि इसमें सवर्ण समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भी विरोध प्रदर्शन में सहभागिता की। इस दौरान शंख ध्वनि की गूंज रही।

जिले में यूजीसी के विरोध में सवर्ण समाज की ओर से बीते दिनों ही बुधवार का दिन तय कर दिया गया था। इसके तहत सुबह बारिश के बीच टनकपुर हाईवे पर नकटादाना चौराहा पर लोग जमा होना शुरू हो गए। इसमें किसी संगठन का कोई बैनर न लगाकर सिर्फ सवर्ण समाज की एकजुटता का संदेश देने का काम किया गया। एकत्र होने के बाद पहले चौराहा पर ही नारेबाजी की गई। चूंकि प्रदर्शन का एलान पहले ही

यूजीसी के विरोध में जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट जाते लोग। ● अमृत विचार

कर दिया गया था इसलिए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। यहां एकजुट होने के बाद सवर्ण समाज के लोग नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां डीएम कार्यालय के बाहर भी जमकर नारेबाजी की गई। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद थे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को डीएम कार्यालय के कुछ पहले रोक लिया लेकिन, प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। इसके बाद डीएम कार्यालय के बाहर ही नारेबाजी की जाती रही। फिर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह कार्यालय से बाहर निकलकर आए और प्रदर्शनकारियों की मांगों को सुना। इसके बाद सभी ने अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। इसमें कहा गया कि यूजीसी 2026 एकतरफा दृष्टिकोण अपनाते हुए समान अवसर के सिद्धांत को कमजोर करती है। इसे सामान्य वर्ग के अधिकारों और संवैधानिक संरक्षण का हनन करार दिया। मांग की गई कि यूजीसी अधिसूचना को तत्काल वापस लिया जाए। सभी वर्गों के छात्रों के अधिकारों को समान रूप से ध्यान में रखते हुए एक निष्पक्ष, संतुलित और संविधान सम्मत नीति का निर्माण किया जाए। इस प्रदर्शन में सामान्य वर्ग के बड़ी संख्या में अधिवक्ता भी शामिल हुए। इस मौके पर एडवोकेट राजीव अवस्थी, सरोज कुमार बाजपेयी, अशोक बाजपेयी, विवेक पांडेय, बीडी पांडेय, आशीष अवस्थी, बाबूराम शर्मा, वीरेंद्र कुमार सक्सेना, विवेक अवस्थी, अमित पाठक, शरद जायसवाल, संजीव मिश्रा, रविंद्र सिंह पवन शुक्ला, पंकज शर्मा, गौरव शर्मा, आयुष सक्सेना, यशवंत सिंह, सौरभ सिंह बंटू, सुखवीर सिंह भदौरिया, हरिओम बाजपेयी, निर्मलकांत शुक्ला, संजय पांडेय, मुकुल शर्मा, प्रदीप मिश्रा, रिंकू पांडेय, अमित अवस्थी, केशव दीक्षित, अभिनव मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा, राहुल तिवारी, दीपक शुक्ला, अश्विनी शुक्ला, आदि मौजूद रहे।

विरोध प्रदर्शन के दौरान शंख ध्वनि करता चल रहा युवक।

कुछ लोगों ने विरोध स्वरूप कराया मुंडन

शहर में हुए विरोध प्रदर्शन की शुरुआत नकटादाना चौराहा से की जा रही थी। इसी बीच निर्मल कांत शुक्ला, हरिओम बाजपेयी समेत कुछ लोग न सिर्फ यूजीसी के विरोध में हुए इस प्रदर्शन में शामिल हुए बल्कि उन्होंने चौराहा पर ही विरोध स्वरुप मुंडन भी कराया। प्रदर्शन में शामिल संजीव मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को निरंजन कुंज कॉलोनी में विरोध स्वरुप बुद्धि शुद्धि यज्ञ कराया जाएगा।

भीड़ को डीएम कार्यालय के गेट पर रोकती पुलिस। ● अमृत विचार

ताले तोड़कर चोर समेट ले गए सामान

मौके पर जानकारी करते सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी।

पीलीभीत, अमृत विचार: शिक्षा के मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय दहगला में मंगलवार रात चोर घुसे। चोरों ने स्कूल के कक्षों के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के ताले तोड़े और भीतर रखा सामान समेट ले गए। बुधवार सुबह सहायक अध्यापिका नाजीश परवीन स्कूल पहुंची तो घटना का पता चला। इसकी सूचना प्रधानाध्यापक सुरेंद्र राठौर को दी गई। बताते हैं कि चोर दो गैस सिलेंडर, टीएफटी मॉनिटर, कुर्सियां, बर्तन आदि ले गए। परिसर में ही आयुष्मान आरोग्य सेंटर से मोटर, इन्वर्टर-बैटरी, बर्नर और आंगनबाड़ी केंद्र से कुर्सियां, खेलकूद का सामान, बर्तन आदि चोरी किया गया। पुलिस ने फारेंसिक टीम के साथ पहुंचकर मौका मुआयना कर जानकारी की। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने भी मौका मुआयना किया।

मांस मुंह में दबाए जिला अस्पताल में घुसा कुत्ता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नवजात का अधखाया शव या मांस के टुकड़े को लेकर असमंजस बरकरार
- अस्पताल प्रशासन ने वार्डों में भर्ती नवजातों की जानकारी जुटाई सब कुछ मिला ठीक

अमृत विचार : जिला अस्पताल परिसर में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक आवारा कुत्ता मुंह में कुछ दबाए इमरजेंसी के नजदीक पहुंच गया। कुत्ते के मुंह में नवजात का अधखाया शव था या फिर मांस का टुकड़ा इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने कुत्ते को दौड़ा दिया। मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदारों का कहना है कि फिलहाल नवजात के शव से जुड़ा कोई मामला नहीं था।

बता दें कि बुधवार सुबह एक आवारा कुत्ता मुंह में कुछ दबाए अस्पताल परिसर में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि कुत्ता मुख्य गेट से भीतर आया। उसे इमरजेंसी की तरफ बढ़ता देख सुरक्षाकर्मी दौड़े। कुछ लोगों का कहना था कि कुत्ते के मुंह में नवजात का क्षत-विक्षत अवस्था में शव था। वहीं, कुछ अन्य लोग मांस का टुकड़ा होने का अनुमान लगाते रहे। सुरक्षाकर्मियों ने कुत्ते को घेरने और तस्वीर स्पष्ट करने का प्रयास किया। कुत्ता पहले हमलावर हुआ और फिर बाहर की तरफ भाग गया। काफी देर तक अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल रहा। कुत्ता पकड़ में नहीं आ सका। मामले की सूचना मिलने पर अस्पताल प्रशासन में भी खलबली मच गई। प्रशासन की ओर से वार्डों में भर्ती नवजातों की जानकारी जुटाई गई, लेकिन वार्ड में सब ठीक मिला। सत्यता जानने के लिए परिसर में लगे सीसीटीवी की फुटेज चेक की जाती रही। दरअसल, पूर्व में भी अस्पताल परिसर में एक मृत नवजात के शव को आवारा कुत्ता उठाकर भाग गया था। उस वक्त मामला तूल पकड़ गया और सुरक्षा बंदोबस्त पर भी सवाल उठ गए थे। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि कुत्ता नवजात का शव लाया था या किसी जानवर के मांस का टुकड़ा। फिलहाल अस्पताल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। नवजात के शव से जुड़ी कोई घटना नहीं हुई है। कैमरे भी चेक करवाए जा रहे हैं।

रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की समीक्षा

पुलिस लाइन में समीक्षा करते डीआईजी/एसपी अभिषेक यादव। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : पुलिस लाइन में रिक्रूट आरक्षियों का प्रशिक्षण चल रहा है। बुधवार को डीआईजी/एसपी अभिषेक यादव ने प्रशिक्षण की समीक्षा की। सभी को पुलिस लाइन ग्राउंड पर बुलाया गया। इसके बाद समीक्षा करते हुए प्रशिक्षण व्यवस्था, अनुशासन, शारीरिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ ही रिक्रूट आरक्षियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई और इसके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

हत्या मामले में दो सगे भाइयों को उम्रकैद

विधि संवाददाता, पीलीभीत

- सत्र न्यायाधीश रविंद्र कुमार ने सुनाया फैसला, 25-25 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया
- 2014 में बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के सोरहा गांव में हुई थी वारदात

अमृत विचार : बच्चों में हुए झगड़े की शिकायत करने गए ग्रामीण की हत्या के करीब 12 साल पुराने मामले में सत्र न्यायाधीश रविंद्र कुमार ने दो आरोपियों को दोषी पाते हुए उम्रकैद और जुर्माने से दंडित किया है। दोनों आरोपी आपस में सगे भाई हैं। बता दें कि इस मुकदमें के तीसरे आरोपी दोषी पाए गए दोनों आरोपियों के पिता की विचारण के दौरान मौत हो चुकी है।

अभियोजन कथानक के अनुसार बीसलपुर कोतवाली में क्षेत्र के ग्राम सोरहा निवासी राकेश कुमार पुत्र श्रीराम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि भतीजे प्रवीन कुमार का गांव के ही पूरनलाल के पुत्र शिवओम से स्कूल में झगड़ा हो गया था। घर आकर भतीजे ने इसकी जानकारी दी। इस पर उनके पिता श्रीराम 22 फरवरी 2014 को आरोपी पूरनलाल के घर गए। इस दौरान पूरनलाल, उसका भाई हरिशंकर, उसका पिता बुद्धसेन पुत्र मोहनलाल ने वादी के पिता श्रीराम से गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हमला कर दिया। लाठी डंडे और भाले से वार किए। हरिशंकर ने भाले से वादी के पिता के पेट और सीने पर वार किया। पूरनलाल और बुद्धसेन ने लाठी डंडे से पिटाई की। पिता के चीखने चिल्लाने पर कई ग्रामीण पहुंच गए। इस पर हमलावर धमकी देकर भाग गए। पिता श्रीराम की हालत नाजुक होने पर बरेली इलाज के लिए ले गए। वहां उनकी मौत हो गई। विवेचना के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई सत्र न्यायाधीश रविंद्र कुमार की अदालत में हुई। विचारण के दौरान आरोपी बुद्धसेन की मौत हो गई। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद आरोपी सगे भाई पूरनलाल पुत्र बुद्धसेन और हरिशंकर पुत्र बुद्धसेन को हत्या का दोषी पाते हुए उम्रकैद और प्रत्येक को 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

दंपती पर हमले के तीन दोषियों को पांच साल कैद, जुर्माना

विधि संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : दंपती पर हमला करने के पांच साल पुराने मामले में न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी पाते हुए पांच साल की कैद और प्रत्येक को छह-छह हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता अपराध रेखा देवी शर्मा ने की।

कोतवाली दियोरियाकलां में ग्राम दियोरियाकलां की रहने वाली कुसुमा देवी पत्नी फूलचंद की ओर से मौखिक एनसीआर 30 जून 2020 को दर्ज कराई गई थी। जिसमें गावं के ही नन्हेगिरी पुत्र शंकर गिरी, विशाल गिरी पत्र शंकर गिरी और महेंद्रपाल पुत्र बाबूराम को आरोपी बनाया गया था। इसमें बताया था कि उसके पति को ननिहाल में पुश्तैनी जगह व जमीन विरासत में मिली है। इस वजह से आरोपी आए दिन उसके परिवार से रंजिश रखकर परेशान करते हैं। इसी बात को लेकर आरोपियों ने उसके व पति के साथ मारपीट की। शोर पर जमा हुए ग्रामीणों ने बचाया। इस मामले में पूर्व में दर्ज की गई एनसीआर को 18 अगस्त 2020 को एफआईआर में तरमीम किया गया। इसके बाद विवेचना के दौरान धाराएं बढ़ाई गई। विवेचना के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश /त्वरित न्यायालय आतिफ शमीम की अदालत में हुई। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद न्यायालय ने आरोपी महेंद्रपाल, नन्हेगिरी और विशाल गिरी को दोषी पाते हुए पांच साल कैद और प्रत्येक को छह हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया है।

100 मीटर दौड़ में आर्यराज और पूर्णिमा प्रथम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिला खेल कार्यालय की ओर से एथलेटिक्स, खो -खो, बैडमिंटन प्रतियोगिता कराई गई। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह व नायब तहसीलदार सदर प्रखर सिंह ने संयुक्त रूप से की।

पांच किमी क्रॉस कंट्री बालक वर्ग में गौरव, अमित राजपूत, नितिन भास्कर, बालिका वर्ग में सविता देवी, सीतू देवी, बबीता क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में आर्य राज, फजल, फुआद, बालिका वर्ग में पूर्णिमा गंगवार, शगुन पाल, सायमा अंसारी, 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग आर्य राज, इस्लाम अहमद, विकास वर्मा, बालिका वर्ग में शगुन पाल,

दौड़ प्रतियोगिता की शुरुआत कराते भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह और एसडीएम श्रद्धा सिंह। ● अमृत विचार

साधना, प्रगति वर्मा, 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग में अर्पित त्रिवेदी, फजल, शिवम पाल, बालिका वर्ग में पूर्णिमा गंगवार, रुचि, वैष्णवी, 800 मीटर दौड़ बालक वर्ग में नितिन भास्कर, मोहम्मद कामरान, फुआद, बालिका वर्ग में सविता, आलिया, बबीता क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय रहे। गोला फेंक बालक वर्ग में अनुज कुमार प्रथम

- जिला खेल कार्यालय की ओर से एथलेटिक्स, खो -खो और बैडमिंटन प्रतियोगिता कराई

बालिका वर्ग में पायल प्रथम रही। लंबी कूद बालक वर्ग में प्रत्यक्ष मिश्रा, बालिका वर्ग में आलिया प्रथम रहे। बैडमिंटन बालक वर्ग में प्रज्जवल, बालिका वर्ग में गौरी प्रथम रही। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने पुरस्कार वितरण किया। इस मौके पर वेटलिफ्टिंग कोच महेश कुमार, फुटबॉल कोच अविनाश शर्मा, हॉकी कोच प्रगति सिंह, तैराकी कोच दीपक बिष्ट, जिला व्यायाम शिक्षिका विभा मिश्रा, बीनू गंगवार, जयप्रकाश बघेल, आदित्य गंगवार आदि मौजूद रहे।

भाजपा के बूथ प्रवासी पद से कार्यकर्ता ने दिया इस्तीफा

संवाददाता, बिलसंडा

गौरव शुक्ला।

- यूजीसी का किया विरोध, वायरल हो रहा कार्यकर्ता का इस्तीफा

अमृत विचार : यूजीसी को लेकर चल रहा सवर्ण समाज का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा के बूथ स्तर के एक और पदाधिकारी ने इसे काला कानून बताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तीन दिन के भीतर भाजपा के बूथ स्तरीय दूसरे पदाधिकारी का इस्तीफा भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बता दें कि यूजीसी के विरोध में 25 जनवरी को बिलसंडा क्षेत्र के भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब बिलसंडा क्षेत्र के ही बमरौली ग्राम पंचायत के रहने वाले गौरव शुक्ला (बूथ प्रवासी संख्या 260) ने भाजपा जिलाध्यक्ष को अपना पद से दिया गया इस्तीफा भेजा है। इसमें बताया है कि वह भाजपा के सक्रिय सदस्य है। पार्टी की नीतियों एवं पार्टी के कार्यक्रम, चुनाव आदि के समय पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकासर द्वारा जो काला कानून यूजीसी लाया जा रहा है। इससे सवर्ण समाज की आने वाली पीढ़ी को बहुत खतरा है। इस कानून की वह पूर्ण निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने बूथ प्रवासी पद से इस्तीफा दे रहे हैं।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर से पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस से कटकर ग्रामीण की जान गई

आंखों की कमजोर रोशनी के चलते ट्रेन का अंदाजा न लगा पाने का जताया अंदेशा

हादसे के बाद रेलवे लाइन किनारे जुटी भीड़। ● अमृत विचार

हादसे की सूचना पर पहुंची न्यूरिया पुलिस। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● न्यूरिया कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के पास हुआ रेल हादसा

अमृत विचार : न्यूरिया कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के पास अधेड़ की टनकपुर से दिल्ली जा रही पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आकर मौत हो गई। बताते हैं कि आंखों की रोशनी कमजोर होने की वजह से वह ट्रेन के नजदीक होने का अंदाजा नहीं लगा सके थे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के चलते मौके पर भीड़ जमा रही।

हादसा न्यूरिया थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर करीब 12 के आसपास हुआ। बताते हैं कि न्यूरिया कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के पास 50 वर्षीय ग्रामीण खड़ा था। इसी दौरान पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस गुजर रही थी। ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। कुछ ही देर में लोग जमा हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। न्यूरिया एसओ सुभाष मावी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हादसे को लेकर जानकारी की गई। मृतक की शिनाख्त न्यूरिया कॉलोनी निवासी परफुल सरकार (50) पुत्र पंचानंद सरकार के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिवार वाले भी आ गए। उनसे पुलिस ने जानकारी की। इस दौरान सामने आया कि परफुल सरकार की आंखों की रोशनी कमजोर थी। वह घर से सुबह ही निकले थे। माना जा रहा है कि आंखों की रोशनी कमजोर होने की वजह से वह ट्रेन की गति और दूरी का अंदाजा नहीं लगा सके होंगे। इसके चलते वह ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के चलते ट्रेन भी काफी देर तक मौके पर रुकी रही। एसओ न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कमजोर नजर होने के चलते ग्रामीण ट्रेन को समय रहते नहीं देख सका होगा और हादसा हो गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, ग्रामीण की मौत के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही। परिजन का रोकर बुरा हाल रहा।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव, कई पुरस्कृत

मेधावी बच्चे को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: राजकीय हाईस्कूल ईटगांव में बुधवार को वार्षिकोत्सव मनाया गया। प्रधानाचार्य एवं जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके शुरुआत कराई। मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य दरवेश कुमार ने मेधावियों को पुरस्कृत किया। विशिष्ट अतिथि क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देवस्वरुप पटेल ने छात्राओं को व्यावसायिक और आत्मनिर्भर परक शिक्षा के लिए मार्गदर्शन दिया। राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य भूपेंद्र ने भी विचार रखे। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संचालन शिक्षक उमाकांत ने किया। इस मौके पर धर्मपाल, संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार की जान गई

बीसलपुर, अमृत विचार : काम निपटाकर घर जा रहे स्कूटी सवार ग्रामीण की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सनगवां के रहने वाले 55 वर्षीय बृजपाल उर्फ छोटे पुत्र लाखनलाल बुधवार को काम के सिलसिले में बीसलपुर आए थे। देर शाम स्कूटी से वापस घर जा रहे थे। बिलसंडा -बीसलपुर मार्ग पर एक निजी स्कूल के पास पहुंचते ही उन्हें किसी वाहन ने टक्कर मार दी। आनन-फानन में उन्हें सीएचसी बीसलपुर लाया गया, वहां मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की।

कोमा में गए युवक की सुधरी हालत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● टीबी से पीड़ित था युवक, किडनी में आ गई थी सूजन

● बेडसाइड पर्क्यूटेनियस नेफ्रोस्टॉमी करने का लिया निर्णय

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कोमा में गए युवक की जान बचाने के लिए पहली बार मरीज के बेड पर ही जटिल किडनी प्रक्रिया बेडसाइड पर्क्यूटेनियस नेफ्रोस्टॉमी सफलतापूर्वक की गई। इस प्रक्रिया से न केवल युवक की किडनी ने दोबारा काम करना शुरू किया, बल्कि उसकी चेतना में भी सुधार देखने को मिला।

बता दें कि शहर के रहने वाले 30 वर्षीय युवक टीबी से पीड़ित था। उसे मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने चेकअप के बाद उसे आईसीयू में भर्ती किया था। संक्रमण मस्तिष्क तक पहुंचने से उसके दिमाग में पानी भर गया था, जिससे वह कोमा में चला गया। साथ ही टीबी के कारण उसकी बाईं किडनी पूरी तरह अवरुद्ध हो गई थी। इससे मूत्र निकास बंद हो गया और किडनी अत्यधिक सूज गई थी। मस्तिष्क में बढ़े दबाव को कम करने के लिए दवा देना जरूरी था, लेकिन किडनी के अवरुद्ध होने से यह जोखिम भरा था। मरीज की गंभीर हालत के कारण उसे ऑपरेशन थियेटर ले जाना संभव नहीं था। ऐसे में डॉक्टरों की टीम ने आईसीयू में ही बेडसाइड पर्क्यूटेनियस नेफ्रोस्टॉमी करने का निर्णय लिया। पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड की मदद से कैथेटर डालकर किडनी से जमा द्रव बाहर निकाला गया। इसके बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। आईसीयू प्रभारी डॉ. अरविंद एम के अनुसार समय पर लिए गए निर्णय से मस्तिष्क और किडनी दोनों का सुरक्षित उपचार संभव हो सका। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि यह उपलब्धि मेडिकल कॉलेज की क्रिटिकल केयर क्षमताओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमवर्क को दर्शाती है।

सोलर पंप दिलाने के नाम पर ठगी, तहरीर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● उप कृषि निदेशक ने तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

अमृत विचार : कृषि विभाग की पीएम कुसुम (सोलर पंप) योजना से लाभान्वित कराने के नाम पर साइबर ठग किसानों की मेहनत की कमाई उड़ा रहे हैं। पूर्व में दो किसानों को निशाना बनाया जा चुका है। अब तीन और किसानों से ठगी की गई। जिसमें विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित सूची देख किसानों को झांसे में लेकर रकम उड़ाई गई। कृषि विभाग के अधिकारियों ने मामले में तहरीर दी गई।

बता दें कि जिले में पीएम कुसुम (सोलर पंप) योजना के तहत सोलर पंप की टोकन व्यवस्था की गई है। इसमें किसानों द्वारा सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग कृषि विभाग की विभागीय वेबसाइट पर की जाती है। इसकी सूची भी विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित होती है। इसे आमजन भी देख सकते हैं। इस योजना के बीच साइबर ठग भी सक्रिय हो गए हैं। इसके बाद किसानों को निशाना बना रहे हैं। जालसाज वेबसाइट पर प्रदर्शित विवरण को देख किसानों को झांसा देकर ऑनलाइन व्यक्तिगत खाते का चालान बनाकर व्हाट्सएप पर भेज रहे हैं और फिर रकम ठगी जा रही है। तीन और किसानों को निशाना बनाया गया। अमरिया की सर्वजीत कौर से सोलर पंप दिलाने के नाम पर 165008 रुपये, ग्राम टोंडरपुर की रजविंदर कौर से 120378 और ग्राम खासपुर के रामऔतार से 61631 रुपये ठग लिए गए। आरोपियों ने खुद को विभागीय अधिकारी बताकर फर्जी अलॉटमेंट लेटर और बैंक खाते साझा किए थे।

इसके बाद रकम ठग ली गई। बता दें कि इससे पूर्व ग्राम अकबरपुर के इजहार अली से 165008 और शाही गांव के 120378 रुपये की ठगी की जा चुकी है। उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार ने इस मामले में कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। इसके आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटर्स) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
• CARE FOR SURE •
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

बिजली बिल माफ करने की गुहार लिख बुजुर्ग ने दी जान

पुवायां, अमृत विचार : नाहिल गांव निवासी कामेंद्र विक्रम सिंह (65) के थे। परिजनों के अनुसार बुधवार सुबह कामेंद्र विक्रम सिंह का व्यवहार सामान्य था। उन्होंने रोज की तरह पशुओं को चारा डाला, दूध दुहा और चाय पीने के बाद घर से बाहर चले गए। कुछ देर बाद आसपास के लोगों ने घर के पास पाकड़ के पेड़ से उनका शव लटकता देखा, जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के दौरान मृतक की जेब से मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र मिला। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल और सीओ पुवायां प्रवीण मलिक भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली। परिजन भी आत्महत्या के पीछे के कारणों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यूजीसी के विरोध में बीसलपुर में किया प्रदर्शन

बीसलपुर में यूजीसी के विरोध में एसडीएम नागेंद्र पांडे को ज्ञापन देते लोग।

संवाददाता, बीसलपुर

● जुलूस निकालकर की नारेबाजी एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : यूजीसी के विरोध में युवा विकास संगठन के कार्यकर्ताओं ने नगर में जुलूस निकालकर तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। वहीं व्यापारियों ने भी जुलूस निकालकर यूजीसी का पुतला फूंका।

युवा विकास संगठन के कार्यकर्ता बुधवार को गजरौला मार्ग स्थित कार्यालय पर एकत्र हुए। अध्यक्ष नितिन पाठक के नेतृत्व में जुलूस निकालकर तहसील पहुंचे। यूजीसी को वापस लेने की मांग की गई। एसडीएम नागेंद्र पांडे को राष्ट्रपति और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें यूजीसी को सवर्ण समाज का विरोधी बताया। इस मौके पर शिवतीर्थ उपाध्याय, नितिन शुक्ला, प्रियांशु शर्मा, विवेक मिश्रा, रूपलाल, अनीस खान, अचल मिश्रा आदि मौजूद रहे। इस दौरान हुई सभा में कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यूजीसी लागू कर सवर्ण समाज की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। इसे किसी भी हालत में सवर्ण समाज स्वीकार नहीं करेगा।

साहब ! बेटे के हत्यारोपियों की नहीं हुई गिरफ्तारी

पीलीभीत, अमृत विचार: गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस की ओर से अब तक नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर पीड़ित परिवार ने आरोपियों को बचाने का आरोप थाना पुलिस पर लगाया है। उनका कहना है कि आरोपियों को पकड़ा नहीं जा सका है। एसपी से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

शहर के मोहल्ला वशीर खां के निवासी शेरा पुत्र छोटेलाल ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि उसके पुत्र रोहित की हत्या कर दी गई थी। जिसकी रिपोर्ट सुनगढ़ी थाने में गैर इरादतन हत्या की धाराओं में सुनगढ़ी थाने में दर्ज है। उनका कहना है कि पुत्र की साजिशन बुलाकर नशे में सिर में गंभीर चोट मारकर हत्या कर दी गई थी। उनका कहना है कि नामजद मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अभी तक पुलिस ने किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने दर्ज किए गए मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाने और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की।

दो सफाई कर्मचारियों को किया निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● प्राइवेटकर्मी से करा रहे थे सफाई, गिरी गाज

अमृत विचार: ग्राम पंचायतों में प्राइवेट व्यक्ति से सफाई कराना दो सफाईकर्मियों को महंगा पड़ गया। खास बात यह है कि जिला पंचायत राज अधिकारी के निरीक्षण के दौरान भी दोनों सफाईकर्मी गैरहाजिर मिले। इस पर उन्होंने दोनो सफाई कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

जनपद की ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। ग्राम पंचायतों में अकसर इन सफाई कर्मियों के न पहुंचने या फिर स्वयं सफाई न कर प्राइवेट व्यक्ति से सफाई कराने समेत अन्य शिकायतें प्रकाश में आते रहते है। इसको लेकर पूर्व में कार्रवाईयां भी की गई है। मगर, सफाई कर्मियों द्वारा लापरवाही बरतने के मामले अब भी सामने आ रहे हैं। ऐसा ही मामला पूरनपुर ब्लाक का सामने आया है। दरअसल बीती 22 जनवरी को जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती पूरनपुर ब्लाक क्षेत्र में एक जनप्रतिनिधि के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने पूरनपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत कढेरचौरा ताल्लुके गजरौला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत कढेरचौरा ताल्लुके गजरौला में सफाई कर्मी इकबाल के स्थान पर शिवम नाम का व्यक्ति सफाई करते मिला। वहीं ग्राम पंचायत के मजरा रुरिया ताल्लुके गजरौला में सफाईकर्मी अरविंद कुमार नदारद मिले और उनके स्थान पर सचिन नाम का प्राइवेट व्यक्ति सफाई कार्य करते पाया गया। इस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से खासी नाराजगी भी जताई। इधर बगैर अवकाश स्वीकृत कराए अनुपस्थित रहने, नियमित साफ-सफाई न करने, अपने स्थान पर दूसरे प्राइवेट व्यक्ति से सफाई कार्य कराने एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने पर जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने सफाई कर्मी इकबाल और अरविंद कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबित सफाई कर्मियों में एक सफाईकर्मी को एडीओ पंचायत कार्यालय बरखेड़ा, जबकि दूसरे सफाईकर्मी को एडीओ पंचायत कार्यालय मरौरी से सम्बद्ध किया गया है।

झोलाछाप की गलत दवा से मौत

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : गांव बबक्करपुर निवासी माया देवी ने बताया कि रविवार को उसके पति मनोज (30) की अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इस पर मनोज गांव के ही एक झोलाछाप के पास दवा लेने के लिए गया था। आरोप है कि झोलाछाप ने गलत दवा दे दी, जिससे मनोज की हालत और बिगड़ गई और उसके नाक से खून बहने लगा। बताया गया कि हालत गंभीर होने पर झोलाछाप ने मनोज को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक मनोज मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

न्यूज ब्रीफ

समाजवादी पार्टी की समीक्षा बैठक कल

बिझौली, अमृत विचार : श्री नगर विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर समाजवादी पार्टी की समीक्षा बैठक 30 जनवरी को केशवापुर में नायरा पेट्रोल पंप के पास होगी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य पटेल महेशचंद्र कनौजिया ने बताया कि बैठक का नेतृत्व पार्टी के जिला अध्यक्ष रामपाल यादव करेंगे, मुख्य अतिथि खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रामसरन होंगे। साथ में विधानसभा अध्यक्ष त्रिलोक सिंह लिलौटी, विधानसभा उपाध्यक्ष अजय शुक्ला, महासचिव कौशल किशोर गुप्ता होंगे। विधानसभा की जोन प्रभारी एक के सभी सेक्टर पर्यवेक्षक, सेक्टर प्रभारी, सह सेक्टर प्रभारी, बूथ प्रभारी, बीएलओ आदि मौजूद रहेंगे।

लखीमपुर खीरी की घायल महिला की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा क्षेत्र में एक महिला अज्ञात वाहन से टकराकर घायल हो गयी थी। घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गयी। लखीमपुर खीरी जिले के उचौलिया थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया निवासी 45 वर्षीय निर्मला तिन दिन पूर्व शाम को सामान खरीदकर पैदल घर जा रही थी। अटसलिया गांव के सामने अज्ञात वाहन ने महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। परिवार वालों ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया था। मंगलवार की रात महिला की मौत हो गयी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया।

29 को होने वाला प्रैक्टिकल स्थगित

पसगवां, अमृत विचार : केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज जंगबहादुरगंज में 29 जनवरी को होने वाली भूगोल विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा स्थगित कर दी गई है। प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र ने बताया कि भूगोल प्रैक्टिकल के लिए नियुक्त परीक्षक प्रयागराज की ज्योत्सना सिंह के स्थान पर अब नये परीक्षक की नियुक्ति की गई है, इसलिए 29 जनवरी को होने वाली प्रयोगात्मक परीक्षा स्थगित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त परीक्षक से वार्ता के उपरांत नई तिथि घोषित की जाएगी।

मृतक व्यक्ति को जारी किया नोटिस

केशवापुर, अमृत विचार : सदर तहसील के अंतर्गत श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 46 के मृतक मतदाता रामआसरे को नोटिस जारी किया गया है। महिला बीएलओ रामबेटी ने बताया कि रजौरा के मृतक मतदाता रामआसरे का ब्यौरा गणना प्रपत्र में भरकर तहसील में जमा कराया था। अधिकारियों ने फिर भी मृतक का नोटिस जारी किया है, जिसे लेकर काफी भागदौड़ करनी पड़ रही है।

बारिश और तेज हवा चलने से बढ़ी ठंड, तीन डिग्री गिरा पारा

लाही की फसल गिरी, पैदावार कम होना तय, पानी भरने से आलू की फसल खराब होने का अंदेशा, गेहूं और गन्ना की फसल के लिए बारिश से होगा फायदा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

तेज हवा और बारिश में गिरी सरसों की फसल। ● अमृत विचार

मझगईं क्षेत्र में बारिश में भीगी खेत में कटी पड़ी सरसों की फसल। ● अमृत विचार

पड़रिया तुला में भरा पानी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिले में मंगलवार की शाम से शुरू हुई छिटपुट बारिश का सिलसिला बुधवार को भी रुक-रुककर जारी रहा। बारिश के साथ चली तेज हवा ने मौसम को अचानक ठंडा कर दिया, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। बुधवार दोपहर कुछ देर के लिए बारिश थमी, जिसके बाद धूप निकली, लेकिन शाम होते-होते फिर से बादलों की आवाजाही शुरू हो गई।

बारिश के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा ने खासतौर पर किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया। कई क्षेत्रों में लाही की फसल खेतों में गिर गई, जिससे दाने झड़ने और गुणवत्ता खराब होने का खतरा बढ़ गया है। इसके साथ ही आलू की फसल, जो इस समय खुदाई के लिए तैयार थी, बारिश के पानी में भीगने से सड़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारों के अनुसार लगातार नमी बने रहने से आलू के वजन और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ेगा।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं बुधवार को हल्की बारिश और तेज हवाओं के चलते तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। बुधवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तापमान में गिरावट से ठंड में इजाफा हुआ है।

अचानक बदले मौसम के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की परेशानी बढ़ गई है। खेतों में गिरी फसलों को संभालने के लिए किसान मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं शहर और कस्बों में भी लोग फिर से गर्म कपड़ों का सहारा लेते नजर आए।

जानकारों का कहना है कि यदि अगले एक-दो दिन और बारिश हुई तो फसलों को और अधिक नुकसान हो सकता है।

खेतों में भरे पानी ने बढ़ाई किसानों की चिंता

मझगईं। सरसों और आलू की फसलें लगभग तैयार हैं। इस समय बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। अचानक मौसम के करवट लेने से खेतों में कटी फसलों को नुकसान पहुंचा है। किसान सचेत कुमार ने बताया कि उनकी सरसों खेत में कटी पड़ी थी। शाम को अचानक बारिश होने से फसल भीग गई और अब उसके सड़ने की आशंका बन गई है। वहीं एक एकड़ में खड़ी सरसों की फसल बारिश और हवा के चलते खेत में गिर गई, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की संभावना है। किसान रमाकांत ने बताया कि उनकी एक एकड़ आलू की फसल पूरी तरह तैयार हो चुकी थी और खुदाई की तैयारी चल रही थी। अचानक बारिश होने से खेतों में पानी भर गया, जिससे आलू के सड़ने और उसकी गुणवत्ता खराब होने का खतरा पैदा हो गया है। यदि जल्द पानी नहीं निकला तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता है। किसानों के अनुसार सरसों की फसल में फूल आ चुके थे और दाने भी पड़ने लगे थे, लेकिन बरसात के कारण फूल और दाने झड़ गए, जिससे पैदावार में भारी गिरावट की आशंका है। अचानक बदले मौसम से क्षेत्र के किसान खासे परेशान हैं। किसानों का कहना है कि यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसान प्रशासन और कृषि विभाग से फसलों के नुकसान का सर्वे कर मुआवजा दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

गोंधिया रोड पर जलभराव से परेशानी

बिजुआ। बारिश की वजह से पड़रिया तुला कस्बे मुख्य चौराहे के अलावा गोन्धिया रोड, डाकघर रोड के अलावा कई अन्य मार्गों पर भारी जलभराव हो गया है। बारिश के बाद बुधवार की सुबह स्कूल जा रहे छात्र-छात्राओं के अलावा जलभराव वाले मार्गों पर निकल रहे राहगीरों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। कस्बा निवासी राजू पाल, नदीम अंसारी, मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कस्बे में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव का मुख्य कारण सड़क के किनारे नाली का न बना होना है। अगर सड़क की दोनों तरफ नाली निर्माण करवा दिया जाए तो जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी। लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर दोनों तरफ नाले का निर्माण भी है लेकिन साफ सफाई के आभाव में पानी सड़कों पर भर रहा है। कस्बे में सड़क के अलावा आसपास के घरों में भी जलभराव हो गया है।

बारिश और शीतलहर से मौसम हुआ सर्द

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● **बारिश के चलते आलू और सरसों की अगेती फसलें प्रभावित**

अमृत विचार: मौसम ने एक बार फिर करवट बदली और मंगलवार शाम बारिश शुरू हो गई। रुक-रुककर हुई बारिश के साथ सर्द हवाएं चलने से ठंड बढ़ गई। वहीं रास्तों पर कीचड़ होने ने लोग परेशान रहे।

मंगलवार शाम से शुरू हुई बरसात धीरे-धीरे रात भर होती रही। बुधवार सुबह भी बूंदाबांदी होने के चलते मौसम ठंडा रहा। बुधवार सुबह हुई बारिश से स्कूल, कॉलेज व ऑफिस जाने के लिए घरों से निकले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। किसानों के अनुसार बारिश के चलते आलू और सरसों की अगेती फसलें प्रभावित हुई हैं। खेतों में खड़ी फसलें नमी के कारण झुक गई हैं, जिससे पैदावार घटने की आशंका जताई जा रही है। खासकर आलू की फसल में सड़न का खतरा बढ़ गया है। हालांकि यह बारिश गेहूं और गन्ने की फसल के लिए लाभदायक मानी जा रही है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय हुई बारिश से गेहूं की पैदावार बेहतर होगी और सिंचाई का खर्च भी बचेगा। बुधवार सुबह से ही क्षेत्र में घने बादल छाए हुए थे और रुक रुक कर बरसात हुई है। बारिश की संभावना से किसानों की चिंता और बढ़ गई है। नगर के कई मोहल्लों में बरसात के चलते कीचड़ हो गया जिससे आवाजाही में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रोशननगर। क्षेत्र मे मंगलवार को अचानक मौसम ने करवट ली। शाम को हुई बारिस से गेहूं, गन्ना, मसूर, मटर की फ़सल को लाभ मिला, वही फूली हुई सरसों, आलू की फसल को नुकसान हुआ है। बारिस से बाबरपुर, जमुनहां, रोशननगर, रामपुर, सौखिया आदि कई ऐसे गांव में खडन्जो पर फिसलन हो गई। पाइप लाइन के लिए खोदी गई सड़क पर बने गड्ढे से दोपहिया वाहन चालकों को निकलने में दिक्कत हुई।

बिलहरी। क्षेत्र में कई दिनों से हो रही भीषण धूप और गर्मी से लोगों को काफी राहत महसूस हुई है। लेकिन मंगलवार की शाम से जहां तेज हवा के साथ पानी बरसा और आकाश में बादल छाए रहे। उससे किसानों के चेहरों पर चिन्ता की लकीरे साफ नजर आ रही हैं। किसानों ने बताया कि इस असमय बारिश के चलते मटर व लाही मे लगे फूल झड़कर गिरने लगते हैं, जिससे उसमें फलियों के आने की कम सम्भावना रहती है, और फसल भी चौपट हो जाती है। आलू के लिए तो बारिश से काफी नुकसान होने की संभावना है। किसानों ने बताया कि आलू लगभग पूर्ण रूप से पककर तैयार हो गया है और कुछ ही दिनों में आलू की खुदाई होनी है।

अवर अभियंता की लापरवाही से उपभोक्ता हो रहे परेशान

संवाददाता, बिझौली

अमृत विचार: ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति को लेकर महकमे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही से व्यवस्था बद से बदतर है। कमोवेश यही हाल इन दिनों गोला से संचालित अलीगंज फीडर की बेपटरी हुई विद्युत व्यवस्था की है।

आलम यह है कि 2 सरकारी लाइनमैन, 3 संविदा और 4 प्राइवेट कर्मचारियों के बावजूद समस्या रोज की तरह बनी है। ऐसा कोई दिन नहीं जब अलीगंज फीडर ब्रेक डाउन नहीं होता है। मंगलवार शाम ब्रेकडाउन हुआ फीडर बुधवार दोपहर तक नहीं शुरू हो सका। हालांकि अधिकारियों के रटे रटाए शब्द होते हैं कि अभी दिखवाते हैं।

वसूली के चक्कर में पूरे गांव की बिजली काटी

ग्रामीणों ने बताया कि जमुनहा गांव में बिजली विभाग ने कैंप लगाया था, जिसमें कुछ लोगों ने बिल नहीं जमा किया तो विभाग के लोग ग्रामीणों को धमकाने लगे और पूरे गांव की बिजली काट दी। एसडीओ अजय यादव ने बताया कि अलीगंज फीडर ब्रेकडाउन हो गया है, दिखवाया जा रहा है।

उसके बाद भी कर्मचारियों की खामियों का दंश जनता झेल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि जब से नए जेई धर्मेंद्र चौधरी ने चार्ज लिया है तब से व्यवस्था चौपट है। वह सीयूजी फोन भी नहीं उठाते हैं।

बारिश ने खोली बिजली व्यवस्था की पोल, आधे शहर में अंधेरा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **ट्रांसफार्मर फुंकने, तार टूटने और मोबाइल ट्राली की कमी से परेशान रहे लोग**

अमृत विचार: बारिश ने शहर की बिजली व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। दिनभर जहां लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा, वहीं जलापूर्ति भी प्रभावित रही। कई इलाकों में पूरी रात बिजली गुल रहने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

शाहपुरा कोठी चौराहा पर लगा 250 केवीए का ट्रांसफार्मर फुंक जाने से इलाके की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। इसके बावजूद विभाग की ओर से यहां मोबाइल ट्रांसफार्मर ट्राली नहीं लगाई जा सकी। अवर अभियंता अमरदीप ने बताया कि फिलहाल विभाग के पास एक भी मोबाइल ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं है। बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में तार टूटने, फ्यूज उड़ने और तार जलने की घटनाएं सामने आईं, जिससे बिजली बहाल करने में काफी समय लगा। सबसे खराब हालात गढ़ी उपकेंद्र के रहे। गुलजार नगर, निघासन रोड, गढ़ी रोड सहित कई मोहल्लों में पूरी रात अंधेरा छाया रहा। सुबह कुछ देर के लिए बिजली जरूर आई, लेकिन कुछ ही समय बाद फिर गुल हो गई। पूरे दिन बिजली आंख-मिचौली का खेल खेलती रही, जिससे उपभोक्ताओं में भारी नाराज़गी देखने को मिली। गढ़ी उपकेंद्र में एक ही दिन में 100 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते केवल कुछ शिकायतों का ही निस्तारण हो सका। नई बस्ती क्षेत्र में भी बिजली व्यवस्था बदहाल रही। बहादुर नगर, महाराजनगर और रोडवेज क्षेत्र में पूरी रात बिजली गुल रही, जिससे लोगों को गर्मी और उमस में जागकर रात गुजारनी पड़ी। कई जगहों पर केबल जलने और पोल से तार टूटने की शिकायतें मिलीं। छाउछ उपकेंद्र क्षेत्र में भी ट्रांसफार्मर में खराबी और तार टूटने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित रही। शाहपुरा कोठी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर खराब होने से पूरे दिन बिजली संकट बना रहा, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। लगातार हो रही बारिश और विभागीय तैयारियों की कमी के चलते लोगों में बिजली विभाग के प्रति रोष व्याप्त है।

33केवी लाइन में फाल्ट से 18 घंटे से बिजली गुल

बिजुआ, अमृत विचार : मंगलवार रात बारिश शुरू होने के बाद रात करीब 12 बजे से बिजली सप्लाई बाधित हुई थी। उसके बाद बुधवार के दिन भी देर शाम तक इलाके के लोगों को बिजली सप्लाई नही मिल सकी थी। लगातार 18 घंटे बाद भी सप्लाई न मिलने से घरों व प्रतिष्ठानों में लगे बिजली उपकरण ठप हो गए हैं। पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली उपकेंद्र बिजुआ के अवर अभियंता रविशंकर ने बताया कि मंगलवार की रात 33केवी लाइन में फाल्ट आ गई थी, जिसे पैट्रोलिंग के बाद ढूढ़ लिया गया है। उसे ठीक किया जा रहा है, लेकिन बुधवार की देर शाम तक क्षेत्र वासियों को बिजली सप्लाई उपलब्ध नही हो सकी है।

प्रशिक्षण में नाशीजीव प्रबंधन की किसानों को दी जानकारी

कृषि महाविद्यालय में नाशीजीव प्रबंधन की जानकारी देते कृषि अधिकारी एवं मौजूद विद्यार्थी।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● **कार्यक्रम में कृषि स्नातक के 40 विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग**

अमृत विचार: जमुनाबाद कृषि महाविद्यालय में भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, वनस्पति संरक्षण, केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र अधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह के निर्देशन में बुधवार से शुरू हुए दो दिवसीय आईपीएम ओरिएंटेशन एचआरडी प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि स्नातक के 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिन्हें नाशीजीव प्रबंधन के महत्व की जानकारी दी गई।

नाशीजीव प्रबंधन केंद्र लखनऊ के अधिकारियों डॉ. आनंद कुमार पांडे, डॉ. अरुण कुमार ने छात्रों को एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन की वर्तमान प्रासंगिकता, महत्व के बारे में बताते हुए बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय कीटनाशी बोर्ड एवं पंजीकरण समिति द्वारा संस्तुत रासायनिक कीटनाशक ही अंतिम विकल्प के तौर पर उपयोग करना चाहिए। अविवेकपूर्ण रासायनिक कीटनाशक इस्तेमाल करने से कृषि निर्यात भी बाधित होता है। उन्होंने तकनीक के साथ जैविक कीटनाशकों के प्रयोग करने पर जोर दिया। सहायक निदेशक शैलेश कुमार ने कहा कि वनस्पति संरक्षण के लिए आईपीएम को बढ़ावा दें। ताकि परिणामस्वरूप कम लागत के साथ गुणवत्तायुक्त कृषि उत्पाद प्राप्त कर सकें। साथ ही गेहूं और आलू से संबंधित कीड़े, बीमारी एवं उनके प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी।

सहायक वनस्पति अधिकारी संदीप कुमार मौर्य, धर्मेंद्र कुमार, रूपेश कुमार ने राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली एप के बारे में बताया कि एप के माध्यम से कीड़े और बीमारी की पहचान एवं उनके प्रबंधन की जानकारी कर सकते हैं। प्रवीन चंद्रा, आशुतोष वर्मा ने रासायनिक कीटनाशक द्वारा मानव जीवन पर होने वाले दुष्परिणाम के बारे में बताया।

इस संबंध में लगी प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों और किसानों को विधिवत्त जानकारी दी गई। गेस्ट फैकल्टी डॉ. राजकुमार, डॉ. हिमांशु मिश्रा, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. सतेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बरखेरवा में एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी बुधवार सुबह परिजनों को हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बरखेरवा मोहल्ला निवासी 24 वर्षीय आकाश वर्मा ने मंगलवार की देर रात अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों के अनुसार जब बुधवार सुबह आकाश काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकला, तो दरवाजा खोलकर देखा गया। अंदर का दृश्य देख परिजनों के होश उड़ गए। पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण मानवीय जीवन के लिए अहम

संवाददाता, पलिया कलां

मॉडल व पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि। ● अमृत विचार

● **छात्र-छात्राओं ने लगाई मॉडल व पोस्टर प्रदर्शनी**

अमृत विचार: जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में बुधवार को जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज में स्वच्छ पर्यावरण व स्वस्थ जीवन पर मॉडल व पोस्टर प्रदर्शनी लगाकर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेंद्र सिंह परिहार व विधायक प्रतिनिधि श्याम आनंद रहे।

मुख्य अतिथि ने छात्र- छात्राओं की प्रतिभा को उनके मॉडल व पोस्टरों की प्रशंसा की व स्वस्थ जीवन शैली हेतु पूर्ण प्राकृतिक तरीके से उगे कीटनाशक रहित फल, सब्जी, अनाज के उपयोग करने की सलाह दी। प्रधानाचार्य कृष्ण अवतार भाटी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर स्वस्थ जीवन व स्वच्छ पर्यावरण के टिप्स दिए। मुख्य अतिथि के अतिरिक्त विशेष रूप से आमंत्रित डीके श्रीवास्तव, सलिल अग्रवाल, बलजीत सिंह आदि ने मॉडल व पोस्टर व प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और लगभग 70 से अधिक बाल वैज्ञानिकों ने अपने नवोन्मेषी विज्ञान मॉडल व पोस्टर प्रस्तुत किए।

इन विद्यार्थियों ने पाया उत्तम स्थान

विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में गोल्डन फ्लावर स्कूल के अभय सिंह प्रथम, दून एकेडमी की स्मृति मौर्य द्वितीय व इंडियन एकेडमी की अवनी तृतीय रहीं, सांत्वना जिला पंचायत की बालिका मोनिका व बलदेव वैदिक कॉलेज के अखिल देव को मिला। पोस्टर प्रदर्शनी में प्रथम आराध्या गोल्डन फ्लावर, द्वितीय मो. अयास बलदेव वैदिक व तृतीय अवंतिका दून इंटर नेशनल रहे। मुख्य अतिथि ने विजेताओं को प्रमाणपत्र, मैडल व बैग देकर सम्मानित किया। मूल्यांकन समिति के सदस्यों शेर सिंह व मधुमिता सिंह ने विद्यार्थियों का मूल्यांकन और मार्ग दर्शन किया। कार्यक्रम में जिला विज्ञान क्लब के सुनील मिश्रा, रचना मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना ईसानगर क्षेत्र के गांव भेड़हिया निवासी राम बहादुर का 25 वर्षीय बेटा आशीष कुमार मंगलवार की शाम करीब सात बजे बाइक से सिसैया में आयोजित जागरण देखकर वापस घर लौट रहा था। मृतक के चचेरे भाई त्रिभुवन ने बताया कि जैसे ही आशीष सिसैया क्रेशर के पास पहुंचा, तभी एक लकड़ी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

15 बिजली कर्मचारियों का तबादला

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **टीजी-टू कर्मी की मौत पर विरोध पड़ा भारी, कर्मचारियों में हड़कंप**

अमृत विचार: टीजी-टू रामगोपाल की असमय मृत्यु के बाद अधीक्षण अभियंता के विरोध में उतरे बिजली कर्मियों पर प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। लखीमपुर सर्किल से जुड़े कुल 15 बिजली कर्मचारियों का गैर जनपद स्थानांतरण कर दिया गया है। अचानक हुई इस कार्रवाई से बिजली विभाग में हड़कंप मच गया है।

स्थानांतरित किए गए कर्मचारियों में अधिशासी अभियंता लखीमपुर कार्यालय में तैनात टीजी-टू कर्मी अजय कुमार अवस्थी, अनूप कुमार वर्मा और चंद्रशेखर भारती को बरेली भेजा गया है।

इसी कार्यालय के जयंत कुमार मिश्र को रायबरेली, पवन कुमार को अयोध्या तथा शुभम शुक्ला को रायबरेली स्थानांतरित किया गया है। वहीं मितौली डिविजन के संदीप कुमार वर्मा को बरेली और निघासन डिविजन के संजय कुमार को अयोध्या भेजा गया है। लखीमपुर डिविजन के कार्यकारी सहायक राजेश कुमार गुप्ता को गोंडा, पीयूषकांत श्रीवास्तव को बरेली स्थानांतरित किया गया है।इसके अलावा मितौली डिविजन के कार्यकारी सहायक अंशू कुमार गौड़ को गोंडा, ब्रजेश कुमार गिरी को अयोध्या, निघासन डिविजन के राहुल गौतम को रायबरेली, संदीप यादव को अयोध्या, तथा लखीमपुर डिविजन परीक्षण केंद्र के कार्यकारी सहायक आलोक श्रीवास्तव को रायबरेली भेजा गया है।

सूत्रों ने बताया कि लखीमपुर के बाद अब गोला सर्किल में लंबे समय से जमे बिजली कर्मचारियों के स्थानांतरण की भी सूची तैयार की जा रही है। स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू होते ही विभाग में अफरा-तफरी का माहौल है।

ग्रामीण जनहित सेवा समिति ने आशा वर्कर्स के समर्थन में मुख्यमंत्री को भेजा मांगपत्र

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: ग्रामीण जनहित सेवा समिति के पदाधिकारियों ने आशा वर्कर्स की मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है।

गोला तहसील में प्रदर्शन करतीं आशा वर्कर्स। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी को सौंपकर ग्रामीण जनहित सेवा समिति के प्रदेश महासचिव विकास शुक्ला ने कहा है कि आशा कार्यकत्रियों द्वारा पूर्व में दिये गये ज्ञापन पर शासन, प्रशासन द्वारा गम्भीरता से संज्ञान न लिया जाना बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण है। आशा कार्यकत्रियों द्वारा किये जा रहे कार्य के अनुकूल उनका मानदेय कम है, जिसमें उनका जीवन यापन होना सम्भव नहीं है। उन्होंने आशा वर्कर्स की समस्याओं को गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए उनका समाधान कराने की मांग की है। ज्ञापन देते समय प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा, आदेश कुमार मिश्रा, दिव्यांश वर्मा, शिवम मिश्रा आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

छात्रा मुस्कान ने जिले में पाया पहला स्थान

बांकेगंज, अमृत विचार : प्रदेश स्तरीय डॉ. आंबेडकर ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें कुकरा के मदरसा एसएस चिल्ड्रेन्स एकडेमी में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा मुस्कान ने जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं इसी मदरसे में पढ़ने वाले कक्षा आठ के छात्र कामरान ने भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। एमएस चिल्ड्रेन्स एकडेमी के प्रधानाचार्य आकाश कुमार व समस्त टीचर स्टाफ ने दोनों बच्चों को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कन्या भोज, भंडारे के साथ रासलीला संपन्न

रोशननगर, अमृत विचार : कस्बे के दुर्गा माता मन्दिर पर हुए नौ दिवसीय श्री शतचण्डी महायज्ञ का कन्या भोज, भंडारे के साथ रासलीला का भी समापन हो गया। मंदिर पर हुए भंडारे में गांव सहित दूर दराज से आए तमाम श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। व्यवस्था में प्रेमचन्द वर्मा, बाबूराम दिवाकर, रामकिशोर, सर्वेश गुप्ता, भागवन्त कनौजिया, विनोद पाल, विनोद शर्मा, भारत सिंह, आजाद वर्मा, तरुण वर्मा आदि लगे रहे।

शराब की दुकान के सामने से बाइक चोरी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बेलवा निवासी आलोक कुमार ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 23 जनवरी गुरुवार की शाम मोहम्मदी रोड स्थित एक शराब की दुकान पर उसने अपनी बाइक खड़ी कर कुछ काम से अंदर चला गया। थोड़ी देर बाद जब वह दुकान से बाहर आया तो बाइक वहां पर खड़ी नहीं थी। तलाश की पर बाइक का पता न चला। उसने बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जगह के विवाद में घर में घुसकर मारपीट

निघासन, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बंगलहा कुटी निवासी कुंजी लाल ने बताया कि गांव के करन, दीपक, लवकुश और सागर आए दिन जमीन को लेकर विवाद करते रहते हैं। दोपहर करीब 3 बजे सभी आरोपी लाठी-डंडे लेकर उसके घर में घुस आए और हमला कर दिया। उस समय वह घर में अकेला था। आरोपियों ने उसे पकड़कर पीटा, जिससे उसके दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि उसने जगह नहीं छोड़ी तो अगली बार जान से मार देंगे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

कला, संस्कृति और लोक जीवन के अद्भुत संगम को किया सजीव

जंगल हेरिटेज परिसर में थारू जनजाति व ग्रामीण जीवन पर आधारित कलाकृतियों का होगा सृजन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

लोक कला शिविर में पहले दिन मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा सहित अतिथि और कलाकार। ● अमृत विचार

● चार दिवसीय लोक कला शिविर का भव्य आरंभ

अमृत विचारः राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश (संस्कृति विभाग) और जंगल हेरिटेज, जगदेवपुर भीरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय लोक कला शिविर का भव्य आरंभ जंगल हेरिटेज परिसर में किया गया। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे वातावरण में आरंभ हुए इस शिविर ने कला, संस्कृति और लोक जीवन के अद्भुत संगम को सजीव कर दिया।

राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य एवं प्रख्यात कलाकार अभिनवदीप के संयोजन में आयोजित इस लोक कला शिविर के मुख्य अतिथि राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा रहे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की लोक कलाएं, जनजातीय परंपराएं और ग्रामीण जीवन हमारी सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें संरक्षित और प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। ऐसे कला शिविर कलाकारों को अपनी सृजनात्मक ऊर्जा को समाज और संस्कृति से जोड़ने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। कहा कि राज्य ललित कला अकादमी निरंतर ऐसे आयोजनों के माध्यम से कलाकारों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ लोक संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में विभाग प्रचारक अभिषेक बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। वहीं, डॉ. सुनील कुमार कुशवाहा भी मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन किया गया। पश्चात वरिष्ठ कलाकारों डॉ. कुमुद सिंह, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. ओमप्रकाश सिंह, मनोज कुमार सिंह, मो. सलीम खान एवं मानती शर्मा को कलाकारों के प्रतिनिधित्व में कैनवास प्रदान कर चित्रांकन कार्य का आरंभ कराया गया। शिविर में युवा कलाकारों में संजीव गुप्ता, अशोक कुमार, अरविंद ओझा, दीपा रघुवंशी, तारा व कृष्ण जी मिश्र पूरे उत्साह के साथ सृजन में जुटे हुए हैं।

चार दिवसीय लोक कला शिविर में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से चयनित कुल 15 कलाकार प्रतिभाग कर रहे हैं। शिविर के दौरान सभी कलाकार थारू जनजाति की जीवन शैली, लोक परंपराओं, सांस्कृतिक प्रतीकों तथा ग्रामीण परिवेश से जुड़े विषयों को अपने-अपने कैनवास पर सजीव रूप देंगे। शिविर के समापन पर इन सभी कलाकृतियों की एक आकर्षक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के आयोजन में हर्षिका, शिवम् वर्मा एवं आलोक का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन शिवा अवस्थी ने किया। जंगल हेरिटेज के प्रतिनिधि आयोजक गजेंद्र सिंह के सहयोग से कलाकारों को प्राकृतिक वातावरण में रहकर चित्रांकन करने का अनूठा अवसर प्राप्त हुआ, जिसे कलाकारों ने अत्यंत प्रेरणादायी बताया। संयोजक अभिनवदीप ने आभार जताया।

ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति का सुनाया प्रसंग

बिलहरी, अमृत विचारः तहसील गोला के गांव कैमहरा में श्रीमद्भागवत कथा में नैमिषारण्य धाम के आचार्य शिवप्रकाश मिश्रा ने सुनाया कि ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति भगवान श्री हरि की नाभि से कमल और कमल से ब्रह्माजी उत्पन्न हुए, ब्रह्मा जी ने चारों तरफ देखा तो जल ही जल दिखाई पड़ता था। तब ब्रह्मा जी ने चारों दिशाओं की तरफ देखा तो चार सिर ब्रह्मा जी के हो गए। उसी क्षण नारायण भगवान ने आकाशवाणी की कि तप करो, ब्रह्मा जी ने तप किया। तब नारायण भगवान ने सृष्टि के रचना करने का आदेश दिया। चतुर्थ श्लोकी भागवत का ज्ञान दिया। उसी के आधार पर ब्रह्मा जी ने सृष्टि के रचना की।

ब्रह्मा जी ने दक्ष को प्रजापतियों का नायक बनाया, जिससे दक्ष को अभियान आया और अभियान में आकर के दक्ष ने शंकर जी का अपमान किया, जिससे शंकर जी के गणों ने दक्ष के सिर को उखाड़ करके हवन कुंड में डाल दिया। तब शंकर जी ने दक्ष के बकरे का सिर लगा दिया। श्रीमद् भागवत कथा में आए तमाम श्रोतागण ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति का प्रसंग सुन मंत्र मुग्ध हो गए।

हाथियों ने फिर उजाड़ी चार एकड़ गन्ने की फसल

संवाददाता, मझगईं

● किसानों में दहशत और आक्रोश सुरक्षा और शीघ्र मुआवजा की मांग

अमृत विचारः चौखड़ा फार्म क्षेत्र में सोमवार रात दुधवा नेशनल पार्क से निकले हाथियों के झुंड ने जमकर तांडव मचाया। हाथियों ने खेतों में घुसकर करीब चार एकड़ में खड़ी गन्ने की फसल को रौंदते हुए पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। मंगलवार सुबह खेतों की हालत देखकर किसानों के होश उड़ गए। पीड़ित किसानों ने पार्क प्रशासन से हाथियों के कहर से सुरक्षा और शीघ्र मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

मझगईं निवासी किसान मुकेश कुमार के अनुसार सोमवार देर रात दुधवा नेशनल पार्क के जंगल से निकलकर हाथियों का एक झुंड चौखड़ा फार्म में खलला गुरुद्वारा के पास स्थित खेतों में पहुंच गया। वहां खेतों में बोई गई गन्ने की फसल में घुसकर हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान मुकेश कुमार, गंगापुरवा निवासी सतीश तथा चौखड़ा फार्म निवासी राजा सिंह की लगभग चार एकड़ लहलहाती गन्ने की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। मंगलवार सुबह जब किसान अपने खेतों में पहुंचे तो बर्बाद फसल देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

किसानों का कहना है कि जंगली हाथियों के इस तांडव ने उन्हें भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया है। उन्होंने बताया कि गन्ने की फसल ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन थी, जो अब पूरी तरह समाप्त हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि चौखड़ा फार्म क्षेत्र में जंगली जानवरों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। तीन दिन पूर्व जहां एक बाघ ने मवेशी को अपना शिकार बना लिया था, वहीं करीब एक माह पहले हाथियों ने एक मजदूर को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया था। अब एक बार फिर हाथियों के जंगल से बाहर निकल आने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

किसानों एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चौखड़ा फार्म क्षेत्र में बाघ और हाथी लगातार घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन पार्क प्रशासन इन पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। न तो जंगली जानवरों को जंगल के भीतर रोकने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं और न ही किसानों व ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था की गई है। लगातार हो रही घटनाओं से चौखड़ा फार्म क्षेत्र थर्रा उठा है। किसानों और ग्रामीणों में पार्क प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है।

श्री रुद्र महायज्ञ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आरंभ

संवाददातदा, पसगवां

अमृत विचारः श्री रुद्र महायज्ञ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आरंभ वैदिक मंत्रोच्चार और कलश यात्रा के साथ हुआ। पूजन यज्ञाचार्य पं. भोला नाथ तिवारी, पंडित पवन तिवारी, कथा व्यास आचार्य राघव कृष्ण महाराज गोवर्धन मथुरा ने कराया। मुख्य यजमान पं. आदर्श कुमार शुक्ला और पंडित रजत शुक्ला सपत्नीक रहे।

कलश यात्रा यज्ञशाला से शुरू होकर शारदा नहर तक गई। श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। शारदा नहर से कलशों में जल भरकर वापस यज्ञ मण्डप में स्थापित किया। कलश यात्रा में जगमोहन लाल, बृजमोहन शुक्ला, विनय शुक्ला, इंद्र कुमार शुक्ला, सिविल वार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक कुमार शुक्ला, अरविंद शुक्ला, प्रधान प्रतिनिधि राहुल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कलश यात्रा निकालते भक्त।

गन्ना हटाने को लेकर किसान से मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः कोतवाली सदर थाना के गांव पचकोरवा निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि शाम वह खेत से घर जा रहे थे। रास्ते में गांव के परशुराम मिल गए, जिनका गन्ना उसके खेत में पड़ा था। प्रमोद कुमार ने बताया कि वह एक महीने से कई बार गन्ना हटाने को कह चुके थे। आरोप है कि जब उन्होंने गन्ना हटाने को कहा तो परशुराम ने गालियां देते हुए लात-घूंसों से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के दौरान प्रमोद कुमार का दाहिना हाथ टूट गया और गंभीर चोटें आईं। शोर मचाने पर गांव के लोग पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराकर रिपोर्ट दर्ज की है। शहर कोतवाल राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चांदपुर में आबादी के पास खेतों में पहुंचा तेंदुआ

संवाददाता, मैलानी

अमृत विचारः वन रेंज खुटार के गांव चांदपुर स्थित गौशाला के पास खेतों में बुधवार को गन्ने के खेतों में तेंदुआ पहुंच गया। तेंदुए को भागते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

चांदपुर में गौशाला के पास स्थित खेतों में ग्रामीण बुधवार को भी आम दिनों की तरह काम कर रहे थे। इसी बीच दोपहर लगभग दो बजे एक तेंदुआ एक खेत से भागकर कल्लू त्रिवेदी के गन्ने के खेत में जाता हुआ दिखाई दिया।

यह खबर फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। तेंदुए के दिखाई देने की दहशत में किसान खेतों में जाने से कतरा रहे हैं, जिससे कृषि कार्य प्रभावित होने के साथ ही गन्ने की कटाई करने से लोग घबरा रहे हैं। सूचना पाकर वन क्षेत्राधिकारी मनोज श्रीवास्तव, वन दरोगा रोहित पांडे वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों सुधीर मिश्रा, सत्यम मिश्रा, प्रमोद कुमार, राजेंद्र त्रिवेदी, रामकिशोर शुक्ला, ध्रुव दीक्षित आदि ने तेंदुए को शीघ्र पकड़वाने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों की सुरक्षा के साथ ही कृषि कार्य भी पूर्ववत शुरू हो सकें।

चांदपुर में तेंदुआ को भागते देख मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

> चांदपुर में गोशाला के पास खेतों में तेंदुए की चहलकदमी की सूचना पर निगरानी कराई जा रही है। उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया है। अनुमति मिलते ही तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजड़ा लगाया जाएगा। ग्रामीण सतर्क रहें। जरूरी होने पर भी खेतों में अकेले न जाकर समूह में और शोरगुल करते हुए जाएं। गन्ने के खेतों में जाने से बचें।
> **-मनोज श्रीवास्तव**, वन क्षेत्राधिकारी खुटार।

● दहशत में ग्रामीण, गन्ने की कटाई हो रही प्रभावित

चांदपुर में छह माह पहले भी रही थी तेंदुए की दहशत

ग्रामीणों के मुताबिक पिछली जुलाई और अगस्त में भी एक माह तक चांदपुर इलाके के बरगदिया, प्रतापपुर, चतुरपुर, कोन्हू गाढ़ा और हरनाई गांवों में तेंदुए की दहशत रही थी। इलाके में 15 पशुओं को मौत के घाट उतारने वाले उस तेंदुए को पिछले साल 18 अगस्त को पकड़ा गया था, तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी।

सेंटर पर तौल को लेकर किसानों का हंगामा

संवाददाता, भानपुर

● अर्ली गन्ना पर्चियों पर रिजेक्ट गन्ने की तौल करने का आरोप
● गन्ना समिति अध्यक्ष व मिल अधिकारियों ने कराया शांत

अमृत विचारः भीरा थाना क्षेत्र में गुलरिया चीनी मिल के केंद्र जगदेवपुर पर बुधवार को गन्ना तौल को लेकर किसानों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि केंद्र पर अर्ली गन्ना पर्चियों पर रिजेक्ट गन्ने की तौल की जाती है।

किसानों का कहना है कि केंद्र पर तैनात बाबू और अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों द्वारा किसानों से एक से डेढ़ क्विंटल तक गन्ना लेकर तौल की जाती है, जिसके बाद रिजेक्ट गन्ने को अर्ली पर्चियों पर भी तौल दिया जाता है। इस कथित अनियमितता को लेकर किसानों में भारी नाराजगी देखी गई। विवाद बढ़ने के कारण सुबह से ही केंद्र पर गन्ना तौल ठप रही। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ किसानों का सर्वे सही तरीके से नहीं किया गया, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूचना मिलने पर भीरा गन्ना सहकारी समिति के अध्यक्ष राकेश सिंह, सचिव जगतपाल, गुलरिया चीनी मिल के केन मैनेजर आशुतोष द्विवेदी मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर मामले को शांत कराया। केन मैनेजर आशुतोष द्विवेदी ने बताया किसानों द्वारा लगाए गए सभी आरोप गलत हैं। केंद्र पर तैनात कोई भी कर्मचारी किसानों से गन्ना नहीं लेता है। किसानों द्वारा दबाव बनाया जा रहा था कि रिजेक्ट गन्ने को अर्ली पर्चियों पर तौला जाए, जिसे नियमों के अनुसार स्वीकार नहीं किया गया।

> केंद्र पर किसानों और कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ था। किसानों की मांग थी कि रिजेक्ट गन्ने की तौल अर्ली पर्चियों पर की जाए, जबकि नियमानुसार ऐसा संभव नहीं है। स्थिति को समझाकर शांत कराया गया है।
> -राकेश सिंह, अध्यक्ष, गन्ना सहकारी समिति भीरा।

जगदेवपुर सेंटर पर मिल कर्मचारी व सचिव व ग्रामीण मौजूद। ● अमृत विचार

स्किल एकेडमी के प्रशिक्षुओं को बांटी यूनिफार्म

पसगवां, अमृत विचारः डीसीएम श्रीराम स्किल एकेडमी में प्रशिक्षण ले रहे छात्रों को प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे ने यूनिफार्म वितरित कीं। उन्होंने छात्रों के कैरियर, परिचय, एफेक्टिव कम्युनेशन, सेफ्टी आन वर्कप्लेस और डिजिटल रेडनेस के गुण बताए। प्रशिक्षण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इससे न केवल उनकी तकनीकी दक्षता में वृद्धि होती है, बल्कि वे उद्योगों में बेहतर रोजगार के योग्य बनते हैं। डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन की ओर से संचालित डीसीएम श्रीराम स्किल एकेडमी में इलेक्ट्रिकल एवं सोलर तकनीक का छठा बैच शुरू हुआ है जिसमें 26 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अजबापुर शुगर यूनिट हेड पीके सिंह, एचआर हेड केएन राय, लीगल हेड सुनील कुमार सिंह स्किल एकेडमी हेड सत्यवीर सिंह रहे।

बांसगांव में तीसरे दिन भी भूख हड़ताल जारी

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचारः ब्लॉक कुम्भी की ग्राम पंचायत बांसगांव में लोक जन संघर्ष पार्टी के आंदोलन का नवां दिन तथा भूख हड़ताल का तीसरा दिन बीत चुका है। धरना स्थल पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं आया और न ही सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य निगरानी के लिए डॉक्टर पहुंचे।

भूख हड़ताल की सूचना फोन से जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल और एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी को दी है। धरने पर बैठे पार्टी महासचिव रामनिवास शुक्ल ने 26 जनवरी से भूख हड़ताल शुरू की थी। रामनिवास शुक्ल का कहना है यह लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ी जा रही है जिसे आर-पार लड़ने के लिए तैयार हैं। जान की परवाह न करते हुए भूख खड़ताल पर बैठे रहेंगे। जब तक भ्रष्टाचार उजागर नहीं होगा धरना जारी रहेगा। यह लड़ाई आधी आबादी की हिस्सेदार कही जाने वाली महिलाओं की है। महिला पंचायत सदस्य के आइजीआरएस पर गलत निस्तारण एवं अधिकारियों की जांच में लापरवाही के विरुद्ध है। एक वर्ष बीत जाने के बाद ऐसे मुद्दे पर शासन को भी ध्यान न देने से घोर लापरवाही प्रतीत हो रही है। उनकी भूख हड़ताल के समर्थन में कई ग्रामीण भी बैठे हैं।

बांसगांव में भूख हड़ताल पर बैठे रामनिवास शुक्ल और समर्थक। ● अमृत विचार

● रामनिवास के समर्थन में बैठे गांव के लोग

234 मरीजों की हुई आंखों की जांच

संवाददाता, औरंगाबाद

अमृत विचारः कस्बे में रामलीला मेला मैदान में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र शिविर का आरंभ मैगलगंज कोतवाली प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह ने फीता काटकर किया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीणों ने पहुंचकर आंखों की जांच कराई।

नेत्र शिविर में श्रॉफ चैरिटी हॉस्पिटल सहदेवा मोहम्मदी के प्रशिक्षित चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान जिन मरीजों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, उन्हें निःशुल्क ऑपरेशन के लिए हॉस्पिटल के वाहन से मोहम्मदी स्थित सहदेवा श्रॉफ चैरिटी हॉस्पिटल भेजा गया। अस्पताल प्रशासन ने बताया गया कि ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों को सुरक्षित रूप से पुनः कैंप स्थल पर वापस छोड़ा जाएगा। शिविर में कुल 234 लोगों की ओपीडी की गई, जिसमें से 74 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर में आंखों की जांच के साथ-साथ मरीजों को आंखों की देखभाल और स्वच्छता से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। नेत्र शिविर के आयोजन में प्रमुख रूप से आयोजक अंकित त्रिवेदी, डायरेक्टर गन्ना समिति मैगलगंज, धीरू दीक्षित, प्रभाकर तिवारी, सुधाकर तिवारी, संजय पंडित सहित अन्य सहयोगियों का योगदान रहा। वहीं श्रॉफ चैरिटी हॉस्पिटल की ओर से डॉ. भावना द्विवेदी, कैंप कोऑर्डिनेटर शोभित दीक्षित, समीर अली, मुस्कान, अनुष्का, देवकी, उपासना, सोनम, रचिता, चांदनी समेत बड़ी संख्या में स्टाफ और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

आंखों की जांच करता प्रशिक्षित स्टाफ। ● अमृत विचार

● 74 मोतियाबिंद रोगी ऑपरेशन के लिए भेजे गए

हादसे में घायल युवक की 13 दिन बाद मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः सदर कोतवाली क्षेत्र के गढ़ी रोड स्थित मोहल्ला शांतिनगर निवासी युवक की सड़क हादसे में घायल होने के 13 दिन बाद मौत हो गई। लखीमपुर से लेकर लखनऊ तक चले इलाज के बावजूद युवक की जान नहीं बच सकी। मोहल्ला शांतिनगर निवासी उत्कर्ष श्रीवास्तव (27) 13 जनवरी को शारदानगर जा रहा था। सनवानी पुरवा के पास उसने कार रोककर टॉयलेट के लिए गेट खोला, तभी सामने से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में उत्कर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले जिला अस्पताल लाया गया, जहां से हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया गया। 23 जनवरी को परिजन उसे घर ले आए थे। मंगलवार की देर शाम उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एनएचएआई ने आयोजित की कला प्रतियोगिता

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचारः राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बच्चों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से मैगलगंज स्थित दि इंडियन पब्लिक स्कूल में कला प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता एनएचआईटी प्रोजेक्ट हेड अंजनी कुमार सिंह के निर्देश पर हुई। कला प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा 1 से 8 तक के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा, संकेतांक, हेलमेट के प्रयोग और सुरक्षित ड्राइविंग से जुड़े स्लोगन व चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान के लिए चयनित कर एनएचआईटी की टीम ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। टोल प्लाजा मैनेजर रामू सिंह ने बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने की आवश्यकता पर जानकारी दी। वहीं सेफ्टी इंचार्ज मासूम रजा ने हेलमेट के अनिवार्य प्रयोग, सड़क संकेतों की पहचान और सुरक्षित यात्रा के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने बच्चों को यह भी प्रेरित किया कि वे अपने अभिभावकों और परिचितों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। इस अवसर पर सीनियर इंजीनियर मनसब व रोहित चंद्रा, दिलीप, दुर्गेश, अनस, ओसामा, विद्यालय के प्रधानाचार्य रवी अवस्थी, प्रबंधक अजय शुक्ला, गन्ना डायरेक्टर अनिल राठौर सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं टोल कर्मी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के मेधावियों को सम्मानित करती एनएचआईटी टीम के सदस्य। ● अमृत विचार

● सड़क सुरक्षा माह के तहत बच्चों को सिखाए यातायात के नियम
● 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया प्रतियोगिता में हिस्सा

न्यूज ब्रीफ

पशुओं से टकराई ट्रैक्टर ट्राली, चालक घायल

तिलहर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्राली के सामने अचानक छुट्टा पशुओं से टकरा गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक घायल हो गया, जिसे परिजनों की ओर से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। राजनपुर निवासी सौरभ गंगवार ने बताया कि वह मंगलवार की रात गन्ना लेकर तिलहर चीनी मिल जा रहा था। इसी दौरान गांव की पुलिया के पास अचानक छुट्टा पशुओं का झुंड सड़क पर आ गया और ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गया। जिससे वह घायल हो गया।

ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर थाना क्षेत्र के खनपुरा निवासी कंचन ने थाना पर रिपोर्ट दर्ज करायी है कि उसकी शादी छह साल पूर्व जलालाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला नौसारा के राहुल शर्मा के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मकान बनवाने के लिए मायके से पांच लाख रुपये मंगाकर दो। उसका आरोप है कि दहेज में दी गई बाइक को पति ने बेच दिया था। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने एक माह पूर्व घर से निकाल दिया। उन्होंने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज करायी है।

मकान से नगदी समेत हजारों का जेवर चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव अफतियापुर निवासी जबर सिंह अपनी पत्नी पार्वती और परिवार के साथ गंगा स्थान के लिए ढाईघाट गए थे। उन्होंने मकान में ताला बंद कर दिया था। चोर मकान में घुस गए और एक कमरे का ताला तोड़ दिया। चोर नगदी और जेवर चुराकर ले गए। वह परिवार के साथ मंगलवार की शाम घर पर लौटकर आए तो देखा कि कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। चोर 15 हजार रुपये, जेवर आदि सामान चुराकर ले गए है। उन्होंने थाना पर तहरीर दे दी है।

मंदिर से दानपात्र चोरी रिपोर्ट दर्ज

खुटार, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला पश्चिमी गढ़ी निवासी नीतीश गुप्ता ने थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनके मकान के दरवाजे के सामने मंदिर स्थित है। मंदिर में दान पात्र भी रखा हुआ था। जिसे कस्बे के ही मोहल्ला बगिया नाथ निवासी कैलाश चोरी से उठा ले गया। पुलिस ने नितेश गुप्ता की तहरीर के आधार पर कैलाश के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को मय दान पात्र के साथ ही आरोपी कैलाश को गिरफ्तार कर लिया।

किशोरी ने कमरे में फंदा लगाकर दी जान

दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराने के अगले दिन उठाया आत्मघाती कदम, रिपोर्ट दर्ज आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचारः कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म की पीड़िता 17 वर्षीय किशोरी ने बुधवार सुबह घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामला दो समुदायों के बीच का होने से गांव में तनाव व्याप्त है।

एक गांव की किशोरी मंगलवार दोपहर अपनी मां और मामा के साथ कोतवाली पहुंची थी, जहां उसने गांव के युवक महफूज के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। किशोरी का कहना था कि वह शौच के लिए जा रही थी। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठा दूसरे समुदाय के महफूज ने उसे दबोच लिया और गन्ने के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। कुछ घंटों बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया था। उसी दिन किशोरी के बयान की वीडियोग्राफी कराई गई थी और बुधवार को मेडिकल परीक्षण प्रस्तावित था, लेकिन मेडिकल से पहले ही बुधवार तड़के किशोरी ने आत्मघाती कदम उठा लिया।

मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़ व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

● **पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शुरू की जांच**

> प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आरोपी इस समय पुलिस हिरासत में है।
> **-शमशेर बहादुर सिंह,** सीओ धौरहरा।

मृतका की मां के अनुसार मंगलवार रात किशोरी, उसकी बड़ी बहन और मां एक ही कमरे में सो रही थीं। सुबह करीब पांच बजे मां बड़ी बेटी के साथ शौच के लिए बाहर गई। इसी दौरान किशोरी ने कमरे में पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जब मां-बेटी वापस आईं और दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर दरवाजा तोड़ा गया, तो किशोरी फंदे पर लटकी मिली। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होना उजागर, पिता के आने पर होगी अंत्येष्टि

धौरहरा, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा की रहने वाली दुष्कर्म पीड़िता 17 वर्षीय किशोरी की मौत हैंगिंग से हुई है। इस बात की पुष्टि देर शाम आई पोस्टमार्टम में हुई है। पोस्टमार्टम के बाद भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शव गांव ले जाया गया। शव के आते ही परिवार में कोहराम मच गया। बेटी का शव देख उसकी मां की चीत्कार अंधेरे के सन्नाटे को चीर रही थी। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा थी। उधर लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी महफूज के चाचा को भी गिरफ्तार कर लिया है। उस पर धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बनाने का आरोप है। मृतक किशोरी का पिता बंगलुरू में था, जो घर वापसी कर रहा है। परिजनों ने उसके आने पर शव के अंतिम संस्कार करने की बात कही है। गांव में एहतियात पुलिस मौजूद है।

हिंदू संगठनों का आक्रोश, रासुका लगाने की मांग

धौरहरा। किशोरी की मौत के बाद मामला गरमा गया है। बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों ने इसे लव जिहाद का मामला बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाने की मांग की। भाजपा नेता कन्हैया बाजपेई ने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोरने वाली हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप

धौरहरा। किशोरी की आत्महत्या के बाद उसकी मां और मामा ने आरोप लगाया कि दुष्कर्म के समय आरोपी महफूज का चाचा मोबीन भी कुछ दूरी पर मौजूद था। आरोप है कि इसके बाद मोबीन ने किशोरी पर धर्म परिवर्तन कर आरोपी से शादी करने का दबाव बनाया। इस आरोप के सामने आने के बाद पुलिस ने मोबीन की तलाश शुरू कर दी है।

ऐतिहासिक धरोहर को संजोये मेला धनुष यज्ञ 2 फरवरी से

संवाददाता, बिझौली

अमृत विचारः करनपुर कस्बे की साप्ताहिक बाजार में प्रतिवर्ष होने वाले ऐतिहासिक धनुष यज्ञ मेले का आयोजन दो से छह फरवरी तक किया जाएगा, जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगी।

आयोजकों ने बताया कि धनुष यज्ञ मेले में दो फरवरी को भूमि पूजन, ध्वजारोहण, शिव पार्वती विवाह, नारद मोह, तीन फरवरी को रामजन्म, ताड़का वध, चार फरवरी को सीता जन्म, फूल फुलवारी, पांच फरवरी को धनुष भंग, परशुराम लक्ष्मण संवाद छह फरवरी को श्रीराम जानकी विवाह के साथ शोभायात्रा आदि कार्यक्रम करनपुर के बाल कलाकारों द्वारा किया जाएगा। मेले में रामचरित मानस काव्य के आधार पर मंचन किया जाता है तथा मेले में उपयोग किए जाने वाली समस्त वस्तुओं की व्यवस्था मेहरोत्रा परिवार व आयोजक मनोज कुमार, बब्बू मेहरोत्रा द्वारा की जाती है।

मेले की मान्यताः यहां होने वाले धनुष यज्ञ मेले की मान्यता है कि जिस दिन धनुष भंग लीला का मंचन किया जाता है। उस दिन पुत्र की चाह रखने वाले दंपती धनुष के ऊपर नया ब्लाउज का टुकड़ा रखकर भगवान से संतान प्राप्ति की कामना करते हैं।

क्यों मनाते हैं मेला

1919 में बाबू गुरुसरन लाल रजागंज रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के पद पर तैनात थे। उनके कोई संतान नहीं थी, जिस कारण वह चिंतित रहते थे। एक दिन बाजार में उनकी मुलाकत एक महात्मा से हुई। महात्मा ने उन्हें पुत्र प्राप्ति के लिए धनुष यज्ञ मेले के आयोजन के लिए कहा। उसी वर्ष स्टेशन मास्टर गुरुसरन लाल ने धनुष यज्ञ मेले का आयोजन कराया। इसके बाद उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। तब से वह प्रतिवर्ष धनुषयज्ञ मेले का आयोजन कराते रहे। उनके निधन के बाद पुत्र व पौत्र परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

परिजन निष्ठा से करते है परंपरा का निर्वहन

स्टेशन मास्टर गुरुसरन लाल के परिजनों का मानना है कि वह पूर्वजों की परंपरा का निर्वहन निष्ठा व लगन से कर रहे हैं। 1919 से प्रतिवर्ष करनपुर रजागंज की बाजार में धनुषयज्ञ मेला लगता है। जिससे समाज को मेले से पूर्वजों, माता-पिता की सेवा को ही सबसे बड़े धर्म का संदेश दिया जा रहा है।

अभिनव हेड ब्वॉय, इप्सा बनी हेड गर्ल

गोला के सेंट जॉन्स स्कूल में छात्र नेतृत्व परिषद के चयनित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर के सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में देशभक्ति, अनुशासन और उत्साह से ओतप्रोत नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र नेतृत्व परिषद का गठन करते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। अभिनव को हेड ब्वॉय और इप्सा वर्मा को हेड गर्ल चुना गया।

नगर के पंजाबी कॉलोनी में सेंट जॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रधानाचार्य फादर अनूप टिर्की ने ध्वज फहरा कर कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान, अधिकारों एवं कर्तव्यों का बोध कराता है। छात्र नेतृत्व परिषद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सेवा भावना का विकास करती है। विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया।

● **सेंट जॉन्स स्कूल में किया छात्र नेतृत्व परिषद का गठन**

विद्यालय के हेड ब्वॉय पद पर अभिनव वर्मा तथा हेड गर्ल पद पर इप्सा वर्मा को चयनित किया गया। दोनों विद्यार्थियों ने निष्ठा, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लिया। सेंट जॉन्स हाउस के कैप्टन कृष्णा प्रताप सिंह, उप-कैप्टन अनुष्का शर्मा, सेंट जेम्स हाउस के कैप्टन जयवीर पटेल, उप-कैप्टन आरुषि भार्गव, सेंट पीटर्स हाउस के कैप्टन ऋतुराज वर्मा, उप-कैप्टन प्रज्ञा वर्मा, सेंट पॉल्स हाउस के कैप्टन केशव गुप्ता, उप-कैप्टन त्रिशा आशीष को नियुक्त किया गया। इसके अलावा अन्य पदों पर चयन किया गया। उप-प्रधानाचार्य फादर लॉयस्टन अमिथ कॉर्डेइरो, हेड मिस्ट्रेस सिस्टर स्नेहा, सिस्टर अर्शा सहित शिक्षक, शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, अभिभावक आदि मौजूद रहे।

शादी तय होने के बाद मां-बेटे को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के गांव परौरी में शादी तय होने के बाद रंजिश को लेकर युवक और उसकी मां की पिटाई कर दी। इससे मां-बेटा घायल हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

गांव मरौरी निवासी रघुबीर पुत्र रिंकू गौतम ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे गांव के ही सर्वेश, महेश, सावित्री पत्नी सर्वेश व महेश गौतम की पत्नी ने उसकी शादी तय हो जाने के बाद झूठे आरोप लगाकर शादी न होने देने की नीयत से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने मिलकर रघुबीर के साथ मारपीट की, जिससे उसके सिर में चोट आई। शोर सुनकर जब उसकी मां पंछी देवी बचाने पहुंचीं तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज तक जांट एसआई पुष्कर वर्मा को विवेचना सौंपी है। पुलिस का कहना है कि घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

राना मोटर्स में टाटा सिएरा व कई मॉडल लॉन्च

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः टाटा मोटर्स के अधिकृत कार शोरूम राना मोटर्स पर ऑटोमोबाइल जगत की बहुप्रतीक्षित कार टाटा सिएरा की भव्य लॉन्चिंग समारोहपूर्वक की गई। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा और सदर विधायक योगेश वर्मा ने उद्घाटन किया। केक काटा गया और कार खरीदने वालों को चाबी भेंट की। इस दौरान राना मोटर्स परिसर पूरी तरह उत्सव के रंग में रंगा नजर आया और बड़ी संख्या में ग्राहक, गणमान्य नागरिक व ऑटोमोबाइल प्रेमी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान टाटा सिएरा के साथ टाटा पंच फेसलिफ्ट, हैरियर ईवी, हैरियर पेट्रोल और ईवी फास्ट चार्जर का भी अनावरण किया गया। नए मॉडलों की लॉन्चिंग से जनपद में टाटा मोटर्स के ग्राहकों को आधुनिक तकनीक और पर्यावरण के अनुकूल वाहनों का बेहतर विकल्प उपलब्ध हुआ है। अतिथियों ने टाटा सिएरा, हैरियर और पंच मॉडलों को नजदीक से देखा और इनके आधुनिक फीचर्स की सराहना की। कंपनी की ओर से टाटा सिएरा के बारे में बताया गया कि यह कार अपने दमदार इंजन, शानदार लुक और अत्याधुनिक फीचर्स के कारण खास पहचान रखती है।

टाटा सिएरा की लांचिंग करते भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व विधायक योगेश वर्मा।

● **भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष व सदर विधायक के हाथों हुई लांचिंग**

टाटा सिएरा डीजल और पेट्रोल दोनों इंजन विकल्पों में उपलब्ध है। साथ ही यह ऑटोमेटिक एवं मैनुअल ट्रांसमिशन के विकल्पों के साथ ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करती है। इसके आकर्षक डिजाइन और मजबूत बॉडी को ग्राहकों ने खूब सराहा। वहीं, टाटा पंच फेसलिफ्ट में नए डिजाइन एलिमेंट्स और उन्नत सेफ्टी फीचर्स जोड़े गए हैं। संचालक मनमीत सिंह राना ने सभी अतिथियों और ग्राहकों का आभार जताया। कार्यक्रम में रविंदर सिंह राना, हरजीत सिंह राना, अमनदीप सिंह राना, राजू राना, शोरूम मैनेजर बशारत खान सहित स्टाफ मौजूद रहा।

कोचिंग के लिए गईं दो नाबालिग छात्राएं लापता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कोतवाली सदर क्षेत्र से दो नाबालिग छात्राएं रहस्यमय ढंग से लापता हो गईं। छात्राएं कोचिंग पढ़ने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं।

परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर की गढ़ी रोड निवासी एक महिला ने बताया कि 24 जनवरी को शाम करीब 4:30 बजे उनकी 15 वर्षीय पुत्री और उनके पास रहकर पढ़ाई कर रही 15 वर्षीय किशोरी कोचिंग जाने के लिए घर से निकली थीं। दोनों छात्राएं शहर के एक इंटर कॉलेज में क्रमशः कक्षा 10 व 11 की छात्रा हैं। कोचिंग समाप्त होने के बाद जब दोनों देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिजनों को चिंता हुई। दोनों के पास स्कूली बैग भी था। रिश्तेदारों और आसपास खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

● **घर न लौटने पर परिजनों में मचा हड़कंप, गुमशुदगी दर्ज**

इसके बाद परेशान परिजन कोतवाली सदर पहुंचे और पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी गई। शहर कोतवाल राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि छात्राओं की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई गई है। उनकी बरामदगी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही है और जल्द ही छात्राओं को बरामद करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

सहायक अध्यापकों का प्रशिक्षण संपन्न

बीआरसी कंजा पर प्रशिक्षण समापन पर मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः ब्लॉक संसाधन केंद्र कुंभी कंजा पर खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीराम की अध्यक्षता में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के लिए सहायक अध्यापकों के 5 दिनी प्रशिक्षण का समापन हो गया है।

शिक्षकों के प्रशिक्षण में प्रशिक्षक प्रेमपाल गंगवार, जगतपाल, सुमनलता और ओमप्रकाश ने समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की पहचान, असेसमेंट, नामांकन, शिक्षा, शिक्षण विधियां, सहायक अधिगम सामग्री, बच्चों के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र से मिलने वाली सुविधाएं, भारतीय पुनर्वास परिषद, सभी दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम, संशोधित अधिनियम के अंतर्गत दिव्यताओं की जानकारी, पाठ्यक्रम अनुकूलन, सूचना संचार प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग तथा सभी विषयों में शिक्षण, शारीरिक शिक्षा आदि की विस्तार पूर्वक चर्चा की।

● **ब्लॉक संसाधन केंद्र कुंभी कंजा में हुआ कार्यक्रम**

प्रशिक्षण में राकेश कुमार वर्मा, रामसागर वर्मा, संतोष कुमार स्वर्णकार, विजयानंद पाठक, अब्दुल मलिक, रामकुमार, मनोज त्रिवेदी, उमा वर्मा, रिंकी कनौजिया, प्रशांत कनौजिया, पल्लवी सिंह, कांती वर्मा, पूनम आंनद, स्वारिका वर्मा, राहुल निरंकारी, हरिकेश बहादुर शर्मा, अनुज कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

आबादी के नजदीक दिखे बाघ के पगचिह्न, दहशत

संवाददाता, बिजुआ

अमृत विचारः गोला रेंज की गोंधिया बीट से सटे क्षेत्र में खेतों में बाघ के पगचिह्न मिलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। आबादी के नजदीक बाघ की संभावित मौजूदगी की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने वन विभाग को मामले की जानकारी दी।

बुधवार को भीरा थाना क्षेत्र के गोंधिया गांव में आबादी के नजदीक दिखे बाघ के पगचिह्न, दहशत गांव के बाहर कमेटी गुरुद्वारा साहिब के पीछे सरदार गुरुबाज सिंह के झाले के पास जुताई किए गए खेत में किसी जंगली जानवर के स्पष्ट पगचिह्न देखे गए। पगचिह्न देखे जाने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने पगचिह्नों के आकार और बनावट के आधार पर बाघ के होने की आशंका जताई है। आबादी क्षेत्र के बेहद करीब बाघ की मौजूदगी की सूचना से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। लोगों ने बच्चों और मवेशियों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है तथा शाम के समय खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं। गोंधिया गांव गोला रेंज के घने जंगलों से बिल्कुल सटा हुआ है। जंगल के किनारे ग्रामीणों के खेत होने के कारण इस क्षेत्र में पहले भी बाघ, तेंदुआ सहित अन्य जंगली जानवरों की आवाजाही देखी जाती रही है।

खेत में बने बाघ के पग चिह्न।

कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत : बंडा। साइकिल से जा रहे बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। चालक कार छोड़कर भाग गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने सगे पुत्र प्रदीप कुमार को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रामबहादुर पुत्र श्री मिहीलाल निवासी ग्राम सहोड़ा, थाना शीशगढ़, तहसील मीरगंज, जिला बरेली**

NOTICE

I, Hav Dev Datt No. 14657158P Unit 101 FD REGT (LRW) C/o 56 APO R/o Bhatpura saidnagar Bajar patti rampur U.P. 244927. मेरे सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम (Kasturi Devi) कस्तूरी देवी दर्ज है, जबकि उनका वास्तविक नाम कस्तूरी देवी (Kastoori Devi) है। इसी प्रकार, सेवा अभिलेखों में उनकी जन्मतिथि 30.12.1985 दर्ज है, जबकि नागरिक दस्तावेजों के अनुसार उनकी वास्तविक जन्मतिथि 01.01.1987 है। Affidavit Date 20.01.2026

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्रवधु श्रीमती पूनम पत्नी स्व. राहुल माहेश्वरी को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **रवि कान्त माहेश्वरी पुत्र धर्मपाल निवासी 159, ख्वाजा कुतुब पूर्वी, बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ईमानदारी अपनाते हुए कर्मठ बनने पर जोर

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः सर्वेंट्स आफ इंडिया सोसाइटी द्वारा संचालित थारू बालिका छात्रावास मंगलवार शाम को पहुंचे बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल के यूनिट हेड ओपी चौहान ने छात्राओं को जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण टिप्स बताए।

उन्होंने छात्राओं को प्रातः जल्दी उठकर नित्य क्रियाओं से निवृत हो नियमित पढ़ाई करने, आसपास के वातावरण को साफ -सुथरा रखने, जीवन में सदैव ईमानदारी का रास्ता अपनाते हुए कर्मठ व मेहनतकश बनने पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यह पूरा संसार ईश्वर का ही बनाया हुआ है। उसी की इच्छा और निर्देश पर सारा विश्व संचालित है। हमारा जीवन भी ईश्वर प्रदत्त है। हमें कर्मयोगी बनते हुए ईश्वर को कभी नहीं भूलना चाहिए।

छात्राओं को जीवन के टिप्स देते बहिलि चीनी मिल पलिया के यूनिट हेड। ● अमृत विचार

इस मौके पर सभी छात्राओं ने पहले से कंठस्थ किया हुआ हनुमान चालीसा का सस्वर वाचन किया और भगवान श्री राम तथा बजरंगबली की जय के नारे लगाए। इससे माहौल भक्ति में हो गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष रो. विजय महेंद्रा, सर्वेंट आफ इंडिया सोसाइटी के वरिष्ठ पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, छात्रावास संचालिका गीता शर्मा मौजूद रहीं।

ब्लैकमेल कर रुपये मांगने के आरोप में तीन पर रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस को दी तहरीर में महिला ने बताया कि 23 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे उसके मोबाइल पर अजय सिंह नामक व्यक्ति ने फोन किया और कहा कि वह पत्रकार है। आरोपी ने मनगढ़त आरोप लगाते हुए महिला से कहा कि वह देह व्यापार में संलिप्त है। यदि खबरों से बचना चाहतीं है तो उसे 10 हजार रुपये प्रति माह देना होगा। आरोपी ने खुद को पुलिस का करीबी बताया। आरोपियों ने अलग अलग माध्यमों से उसका मानसिक उत्पीड़न किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी अजय सिंह, सुमित गुप्ता और मोना देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः बेसिक शिक्षा विभाग के मीना मंच से जुड़े खालसा नानकार के करीब एक दर्जन छात्र-छात्राओं ने 50 किमी की यात्रा कर रास्ते के कई कस्बों में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते हुए रामलीला गेट पर पहुंचकर बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ से संबंधित शानदार नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

विशेष शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत सशक्त बालिका- सुरक्षित भविष्य, साथ पढ़ें- साथ बढ़ें व समेकित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्र- छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक की मुख्य मार्केट वाले चौराहे से गुजरते दर्शकों ने जमकर प्रशंसा की ।इस मौके पर उन्होंने 20 सूत्रीय स्लोगन पत्र भी बांटे ।इस अवसर पर बालिका शिक्षा कार्यक्रम पलिया के नोडल अधिकारी अरुण अवस्थी , वैभव पांडे,विजय प्रकाश मौर्य ,सौरभ बारी, प्रेम प्रकाश पांडे, मिथिलेश कुमार ,परमेश्वर दयाल आदि मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते ढखेरवा नानकार विद्यालय के बच्चे। ● अमृत विचार

अलंकार बोले : पत्नी के नाम से फैलाया जा रहा झूठ

मीडिया से कहा, आवास को प्रशासन ने मिनी जेल बना दिया, एडीएम कंपाउंड के गेट पर ताला लगा दिया, बाहर नहीं निकलने दिया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कड़ी सुरक्षा में एडीएम कंपाउंड के अंदर से गेट के पास खड़े होकर बुधवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उनके आवास को मिनी जेल बना दिया है। बाहर निकलने नहीं दिया। एडीएम कंपाउंड के गेट पर ताला लगा दिया। मेरी पत्नी के नाम से झूठ फैलाया जा रहा है कि उन्होंने अपने पति की गलत मानते हुए इस्तीफा वापस लेने की बात कही है, यह सोची समझी रणनीति के तहत प्रोपेगेंडा चलाया जा रहा है, इस्तीफा देने पर उनका निर्णय अडिग है, इस्तीफे के फैसले पर पूरा परिवार साथ है।

अलंकार ने कहा कि यूजीसी बिल और ब्राह्मण का अपमान नहीं सहेंगे। इस्तीफा देने की बात परिवार के सभी लोग जानते हैं। मेरा और परिवार के सभी लोगों के साथ करीबी दोस्तों के फोन भी टेप किए जा रहे हैं। परिवार जानता है कि किस तरह से अत्याचार हो रहा है। अमर्यादित भाषा बोलने वाले अधिकारी के बारे में पूछने पर कहा कि एसआईटी गठित कर जांच होनी चाहिए, ताकि यह मालूम हो सके कि वह कौन महत्वपूर्ण व्यक्ति था। हाउस अरेस्ट कर प्रशासन यहीं पर खाना पानी सब दे रहा है। संतों के अपमान और यूजीसी बिल को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है।

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि यूजीसी बिल के विरोध को लेकर पुलिस प्रशासन, विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि समय-समय पर संपर्क कर रहे हैं। हर कोई विरोध में है। सपा, बसपा, कांग्रेस, भाजपा, आप, किसान यूनियन के संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी तीन दिन में कॉल कर यूजीसी बिल के खिलाफ मुझे समर्थन दिया है। सपा नेता माता प्रसाद पांडेय ने सोमवार को कॉल की थी, विभिन्न दलों का सपोर्ट मिल रहा है, लेकिन किसी दल में जाने का कोई विचार नहीं है। कुछ दल अंदरखाने समर्थन दे रहे हैं। पीसीएस अफसर ने कहा कि मंगलवार को दो बार डीएम से मिलने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हुई।

पीएसी लगा दें या कुछ और, लोकतंत्र की आवाज दबा नहीं सकेंगे

एडीएम कंपाउंड में सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी की है, यह निजता का हनन भी है। सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में पीएसी लगाने की बात पर बोले कि पीएसी लगा दें या कुछ और, लोकतंत्र की आवाज दबा नहीं सकेंगे। बात कहने के लिए फ्रीडम टू राइट सहित कई एक्ट हैं।

इस्तीफे का कोई अफसोस नहीं, बजरंग बली का भक्त हूं

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा है कि बजरंग बली का भक्त हूं, इस्तीफा देने का मुझे कोई अफसोस नहीं है, वह अपने फैसले पर अडिग हैं। दो दिन से इतनी पाबंदी लगा दी है, इस बारे में उच्चाधिकारियों से पूछें कि अलंकार से कानून व्यवस्था को क्या खतरा है। इस्तीफा देने के बाद शासन ने जो निलंबन किया है, उसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे, पूरी ज्यूडिशियली एक्टिव है, आप शातिर हैं तो मैं भी पढ़ा-लिखा शातिर हूं, आईआईटीएन हूं, लखनऊ यूनिवर्सिटी से एलएलबी हूं, पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे, जहां-जहां भी लोग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, वे सब हमारे टच में हैं। सवर्ण जाति के लोग भी संपर्क में हैं।

अलंकार संग कारों में बार सचिव व ब्राह्मण नेता भी गए

बरेली: अलंकार अग्निहोत्री को एडीएम कंपाउंड से कड़ी सुरक्षा में बाहर निकाला। उनकी कार के साथ दो अन्य कारें भी शामिल थीं, एक कार में बरेली बार एसोसिएशन के सचिव दीपक पांडेय और दूसरी कार में ब्राह्मण समाज के नेता पवन मिश्रा और केशव शंखधार बैठे थे। बार सचिव अलंकार अग्निहोत्री के साथ शाहजहांपुर सीमा तक गए। एसडीएम सदर प्रमोद कुमार और एक पुलिस गाड़ी भी गई थी। इसके बाद अलंकार अग्निहोत्री लखनऊ रवाना हो गए।

अलंकार बोले-प्रशासन ने जिला बदर किया, अविमुक्तेश्वरानंद से जल्द मिलेंगे

कड़ी सुरक्षा में अलंकार अग्निहोत्री बुधवार की देर शाम करीब 8.50 बजे लखनऊ में वीआईपी रोड स्थित आवास सुरक्षित पहुंच गए। बरेली से पुलिस टीम उन्हें सुरक्षा में लेकर पहुंचीं। उनके साथ तीन कारें गयी थीं। फोन पर हुई बातचीत में निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने बताया कि जिला प्रशासन ने मौखिक रूप से बरेली से जिला बदर किया है। पुलिस टीम संग आई है। हाउस अरेस्ट कर जिला बदर किया है। जल्द बरेली आने के विरोध में पीलीभीत, बदायूं में जबर्दस्त विरोध शुरू हो गया है। ब्राह्मण समाज के जनप्रतिनिधियों ने अपने समाज के लिए कुछ नहीं सोचा है। राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा के बयान पर तीखी नाराजगी जतायी। उन्होंने बताया कि डीएम कैंप कार्यालय में साजिश करते हुए निलंबित करने की प्लानिंग की गई थी, लेकिन उनकी साजिश खुल गयी। इसके बाद खिसियाहट में निलंबन किया गया। निलंबन के विरोध में हाई कोर्ट जाएंगे। एक दो दिन में इस मसले पर चर्चा कर आगे की रणनीति बनाएंगे। पहले बनारस जाएंगे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मिलेंगे। कुछ अन्य संगठन के पदाधिकारियों से मिलेंगे। वहीं, अलंकार ने अपनी फेसबुक पर पोस्ट की है कि कहां-कहां आप मुझको जिला बदर करोगे...जहां जाएंगे कारवां बढ़ता जाएगा।

अलंकार को 20 घंटे हाउस अरेस्ट रख लखनऊ भेजने को मना सका प्रशासन

बरेली, अमृत विचार : अलंकार अग्निहोत्री बार-बार मनाने के बाद भी अपने फैसले पर अडिग रहे तो पुलिस प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गयीं। राज्य सरकार के विरुद्ध अलंकार अग्निहोत्री के हमला करने से प्रशासन पर उन्हें मनाने का दबाव भी बढ़ गया। जब चीजें हाथ से निकलने लगी तब पुलिस प्रशासन ने उन्हें एडीएम कंपाउंड स्थित सिटी मजिस्ट्रेट के आवास पर अलंकार को हाउस अरेस्ट करने की योजना बनायी। बुधवार की शाम करीब 6 बजे से उन्हें एडीएम कंपाउंड से बाहर नहीं निकलने दिया गया। गेट पर ताला लगाकर कड़ी सुरक्षा बैठा दी गयी। अंदर और बाहर पीएसी तैनात कर दी। इस बीच कई बार अलंकार ने गेट के अंदर से मीडिया से बात करते हुए खुद को हाउस अरेस्ट रखने का आरोप लगाया। उन्हें एडीएम कंपाउंड से पैदल भी बाहर नहीं निकलने दिया। करीब 20 घंटे हाउस अरेस्ट रखकर प्रशासन अलंकार अग्निहोत्री को लखनऊ भेजने के लिए मना सका।

यूजीसी बिल के विरोध में शुरू किया धरना

बरेली, अमृत विचार : यूजीसी बिल वापस लेने और शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों के साथ हुई मारपीट के विरोध में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के बाद अलंकार अग्निहोत्री ब्राह्मण समाज के नेता बन गए हैं। जिला प्रशासन ने बुधवार की दोपहर उन्हें बरेली से बाहर भेज दिया। इस कार्रवाई से ब्राह्मण समाज में जबरदस्त आक्रोश है। बड़ी संख्या में लोगों ने दोपहर करीब 3 बजे सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में धरना प्रदर्शन की रणनीति बनाते हुए अलंकार की अलख को तेज करने का निर्णय लिया। बरेली पुनरुत्थान समिति के वरिष्ठ नेताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए पार्क में बड़ा टेंट लगवाया है, सर्दी से बचाव के लिए रजाई, गद्दे व तखत का इंतजाम किया है। लोगों ने कहा कि यूजीसी बिल के विरोध में तब तक धरना प्रदर्शन चलेगा जब तक यूजीसी बिल वापस नहीं हो जाता है। रणनीति यह बनायी गयी है कि सुबह से शाम तक और रात में कुछ संगठनों के लोग धरने पर बैठेंगे ताकि किसी का कार्य भी प्रभावित नहीं हो। यूजीसी के विरुद्ध आवाज उठाने में बड़ी संख्या में अधिवक्ता वर्ग का भी सपोर्ट मिला है। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता राज शर्मा, सपा नेता समर्थ मिश्रा और अविनाश मिश्रा, पंकज पाठक सहित राजन उपाध्याय आदि ने समर्थन किया है। अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर कड़ी सुरक्षा में समाज के लोगों से बिना मिलाए लखनऊ ले जाया जा रहा था तब बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध जताते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया था। जब प्रयास सफल नहीं हुआ तब लोगों ने अलंकार अग्निहोत्री की अलख को तेज करते हुए धरना प्रदर्शन जोरशोर से करने की रणनीति बनाई।

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर-खीरी (उ०प्र०)

अल्प-कालीन ई-निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा निर्धारित तिथि को सायंकाल 6:55 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा की अन्तिम तिथि
1	Repair work of vaccume filter truss and purline	रू0 60000/-	रू0 590/-	04.02.2026

उपरोक्त कार्य हेतु विस्तृत विवरण **http://etender.up.nic.in** वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। समस्त निविदा प्रक्रिया ई-निविदा के माध्यम से पूर्ण की जायेंगी आवश्यकतानुसार निगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्वसुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.
निष्पादन संख्या-34/2025
सुनील अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिटस
नोटिस

1. **आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।
2. **विटेसी एग्रो लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस-41सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली।** रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। 3. **आई.सी.एल. मल्टी ट्रेडिंग इंडिया लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली।

रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। 4. आई.सी.एल. आरगेनिक डेयरी लिमिटेड **कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 24/2024, सुनील अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. में इस आयोग के निर्णय/आदेश दिनांकित 28.02.2025 का अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 34/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 09.03.2026 नियत की गयी है।

अतः आप दिनांक 09.03.2026 को समय प्रातः 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली में स्वयं उपस्थित हों। आज दिनांक 24.01.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:- **क्र.सं. (01), खुली ई-निविदा सूचना सं. :** इज्जत/इले./ओ.टी./02/2026 दि. 20.01.2026, कार्य का नाम : इज्जतनगर मंडल के वर्तमान मंडल नियंत्रण कक्ष के सुधार, सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी लूप लाइन और शेरगंज हाल्ट स्टेशन को तीसरी लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने के संबंध में सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रू. में : 86,70,994.51, धरोहर राशि रू. में : 1,73,400.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. में: शून्य, निविदा का प्रकार : खुली निविदा, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय : 11.02.2026, 15.00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि : छः माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। ● निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जॉच करें, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/
मुजाधि/विद्युत- 267 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

मिनी स्टेडियम का 60 % कार्य पूरा

बरेली, अमृत विचार : शहर के छात्रों और खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) के परिसर में मिनी स्टेडियम का निर्माण 60 फीसदी पूरा हो चुका है। स्टेडियम आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। स्टेडियम के निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को सौंपी गई है। निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। टेबल टेनिस और शतरंज जैसे इनडोर खेलों की भी सुविधा होगी। मिनी स्टेडियम में अत्याधुनिक जिम्नास्टिक हॉल तैयार किया जा रहा है।

एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस ने लगाई चौपाल

कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करतीं वरिष्ठ कवयित्री डॉ. कमला माहेश्वरी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कांग्रेस ने दातागंज क्षेत्र के गांव सराय में एसआईआर और मनरेगा बचाओ अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों की चौपाल की।

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सुनीता सिंह, जिला प्रवक्ता उपासना चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष सोनपाल और पूर्व जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह ने ग्रामीणों को एसआईआर के बारे में बताया। मनरेगा योजना के बदलाव का विरोध किया।

वक्ताओं ने कहा कि एसआईआर जागरूकता हर मतदाता की आवश्यकता है। नई मतदाता सूची में अपने नाम का पुनरीक्षण करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग का प्रयोग कर बड़ी सोची समझी साजिश है।

जिला उपाध्यक्ष, जिला प्रवक्ता उपासना चौहान, जिला महासचिव मोरपाल प्रजापति, पंचायत राज कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश प्रजापति, ब्लॉक अध्यक्ष, पूर्व प्रधान मुकेश सिंह, दीपू सिंह, चिंटू सिंह, नवाब हुसैन, डॉ. मुनेंद्र, डॉ. इरफान हुसैन, नियामत अंसारी, गुड्डू खान, राजवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद प्रांगण स्थित सभागार में कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया गया। साहित्यकारों ने देश की आन-बान-शान, राष्ट्रीय एकता को समर्पित अपनी रचनाओं से शहीदों को याद किया। सरिता चौहान की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आरंभ हुआ। अध्यक्षता आशा राठौर ने की।

वरिष्ठ शायर मोहम्मद सगीर ने नाते पाक प्रस्तुत किया। मुजाहिद नाज ने पढ़ा कि है खौफ पाक में सिंदूर ऑपरेशन का, ये तेरे शस्त्र, तेरा हर जवान जिंदाबाद। संयोजक व साहित्यकार अशोक खुराना ने अमर शहीदों को याद करते हुए कहा कि भूल गए निज हित सभी बात रखी यह याद, एक यही बस चाह थी देश रहे आजाद। नासिर बदायूंनी ने सुनाया कि दस्तूरे हिन्द दोस्ती का देता है पयाम, दस्तूरे हिन्द इसलिए सबको अजीज है। संयुक्त संचालन सुनील समर्थ और नासिर बदायूंनी ने किया। डॉ. गीतम सिंह, वरिष्ठ कवियत्री डॉ. कमला माहेश्वरी, आकाश पाठक, जयवीर चन्द्रवंशी, हैदर अली, ललतेश, ललित, उज्जवल वशिष्ठ ने भी काव्य पाठ किया।

अक्टूबर में मिली स्वीकृति जनवरी में हुआ टेंडर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं/उझानी

अमृत विचार: हनुमान गढ़ी मंदिर का 1.22 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार होना है। गत वर्ष अक्टूबर माह में शासन से स्वीकृति मिलने के बाद भी अब तक काम शुरू नहीं हो सका। चहेती फर्म से काम कराने के चक्कर में नगर पालिका प्रशासन के द्वारा टेंडर प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं की। जिसके चलते शासन से जारी हुआ बजट डंप पड़ा हुआ है। काम शुरू न होने की वजह से मंदिर के प्रति आस्था रखने वाले लोगों में आक्रोश था। लोगों के आक्रोश को देखते हुए अब जाकर टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई है।

प्रदेश सरकार वंदन योजना के तहत मंदिरों और पौराणिक स्थलों का जीर्णोद्धार करा रही है। कस्बा उझानी स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर का भी वंदन योजना के तहत जीर्णोद्धार होना है। इसके लिए शासन की 1.22 करोड़ का बजट स्वीकृत करते हुए नगर पालिका उझानी को धनराशि उपलब्ध करा दी। मंदिर का जीर्णोद्धार कराने के लिए शासन की ओर से गत वर्ष अक्टूबर माह के दौरान स्वीकृत दिए जाने के साथ ही धनराशि मुहैया कराते हुए साल में काम पूरा कराने का आदेश भी किया था। लेकिन स्वीकृति मिलने के चार माह बाद भी नगर पालिका को मंदिर के जीर्णोद्धार कराने की सुध नहीं आई। जिसकी वजह से मंदिर के प्रति आस्था रखने वाले लोगों में आक्रोश था। बताया जा रहा है कि नगर पालिका के जिम्मेदार चहेती फर्म को निर्माण कार्य का जिम्मेदारी दिए जाने के चलते टेंडर प्रक्रिया शुरू करने में देरी करते रहे। लोगों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए अब तक नगर पालिका प्रशासन द्वारा टेंडर प्रक्रिया को शुरू किया गया। बताया जा रहा है मंदिर के सौंदर्यीकरण के काम के लिए नगर पालिका प्रशासन द्वारा अपने ठेकेदार की फर्म अग्रवाल कांट्रेक्टर को नामित किया है। फर्म नामित होने पर अब पालिका के जिम्मेदार अगले सप्ताह से कार्य शुरू कराने की बात कह रहे हैं। प्रभारी ईओ नगर पालिका उझानी विनय कुमार ने बताया कि हनुमान गढ़ी पर निर्माण कार्य और सौंदर्यीकरण का काम होना है। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। नामित फर्म के द्वारा अगले सप्ताह से कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

पत्र सं0 1043 /दूध ठेका पत्रा0/मंझरा/2025-26/ दिनांक-20.01.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी के पत्रांक सं0-964/दूध ठेका पत्रा0/ मंझरा/ 2025-26/दिनांक-02.01.2026 द्वारा पूर्व में आमंत्रित की गयी वर्ष 2026-27 के लिए प्रक्षेत्र पर उत्पादित भैंस के दूध ठेका हेतु निविदा दिनांक 30.01.2026 को दिन के 01.00 बजे तक आमंत्रित की गयी थी।

उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। उपरोक्त ठेका हेतु अब पूर्व में प्रकाशित सूचना के आधार पर कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। भविष्य में इनके सम्बन्ध में नवीन सूचना पृथक से सरकारी ई-मार्केट प्लेस (GEM) के माध्यम से की जायेगी।

भवदीय- (जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

UP -244717 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

पत्र सं0 1042/जई फसल कटाई/भूसा बनाई ठेका पत्रा0/मंझरा/2025-26/दिनांक 20.01.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी के पत्रांक सं0-963/जई फसल कटाई/भूसा बनाई ठेका पत्रा0/मंझरा/2025-26/दिनांक-02.01.2026 द्वारा पूर्व में आमंत्रित की गयी वर्ष 2025-26 में 105.00 हेक्टेयर में बोई गयी गई रबी जई बीज फसलों की कटाई-मड़ाई एवं यथा निर्दिष्ट स्थान पर आनाज पहुंचाने तथा गिराने के कार्य एवं रीपर मशीन द्वारा भूसा बनायी व सम्पूर्ण भूसा डेयरी गोदाम के अन्दर तक पहुँचाना/रखना प्रति ट्राली क्षमता 10.00 कुं0 के कार्य हेतु निविदा दिनांक 30.01.2026 को दिन के 01.00 बजे तक आमंत्रित की गयी थी।

उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। उपरोक्त कार्य हेतु अब पूर्व में प्रकाशित सूचना के आधार पर कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। भविष्य में इनके सम्बन्ध में नवीन सूचना पृथक से सरकारी ई-मार्केट प्लेस (GEM) के माध्यम से की जायेगी।

भवदीय- (जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

UP - 244716 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 507/7निविदा(पी0डी0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक 20.01.2026

ई0-निविदा आमंत्रण सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

1- महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 11.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी बिड दिनांक 11.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	बिड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
1	2	3	4	5	6	7	8
वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बदायूँ की विधानसभा दातागंज के अन्तर्गत सुकटिया से वमनपुरा वाया नरोसती देवी मंदिर मार्ग का नवनिर्माण	350.00	26.25	376.25	20.90	2714.00	12 माह	A

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP - 244718 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पब्लिक नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कृष्णा एजुकेशनल एंड पर्सोना डेवलपमेंट ट्रस्ट निदेशक पारस टंडन पुत्र मनीष टंडन ने एक किता सम्पत्ति रकबई 155.54 वर्ग मी0 बाकै ग्राम बिहारमान नगला, आकांशा एन्क्लेव खसरा नंबर 187मी, 188 और 193मी परगना, तहसील और जिला बरेली को एच0डी0एफ0सी0 बैंक लि0 में बंधक कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है, उक्त सम्पत्ति के बाबत पिछले रजिस्टर्ड मूल बैनामें जिनकी रजिस्ट्री क्रमशः दिनांक 23.01.2008 ई0 वही नं0-1 जिल्द संख्या-2242 पृष्ठ सं0-65 से 90 तक क्रमांक नं0 642 स0र0 बरेली व दिनांक 31.08.2012ई0 वही नं0-1 जिल्द संख्या - 5638 पृष्ठ सं0-41 से 58 तक क्रमांक नं0 10427 स0र0 बरेली कहीं खो गये हैं। जिसकी सूचना दिनांक 23.01.2026 को पुलिस को दी चुकी है। उक्त बैनामों के खो जाने और ऋण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्य दिवस की सामान्य कार्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुये कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जायेगा।

प्रियभाषिनी पाठक, एडवोकेट
कार्यालय :- चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट बरेली। मो. 9837339116
सूचिवद्ध अधिवक्ता एच.डी.एफ.सी.बैंक, बरेली।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.
निष्पादन संख्या-35/2025
कुमकुम बनाम आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिटस
नोटिस

1. **आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।
2. **विटेसी एग्रो लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस** - 41सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। **रजिस्टर्ड ऑफिस**-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 23/2024, कुमकुम बनाम आई.सी.एल. में इस आयोग के निर्णय/आदेश दिनांकित 28.02.2025 को अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 35/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 09.03.2026 नियत की गयी है। अतः आप दिनांक 09.03.2026 को समय प्रातः 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली में स्वयं उपस्थित हों। आज दिनांक 24.01.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 519/142 सी0 (ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक:
19.01.2026

आन-लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिंका में अंकित विवरण के अनुसार आन लाइन ई-निविदा दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 10.02.2028 की अपरान्ह 12: 00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 10.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+जी0एस0टी0)/रू0 में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	जलालाबाद समसाबाद मोहम्मदाबाद सौरिख विदुना मार्ग (एस0एच0-163) के किमी0-4 व 5 में पड़ने वाले कोलाघाट पुल की मरम्मत का कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लोनिवि शाहजहॉपुर	342.90	19.15	2725.00	12 माह	ए (सेतु कार्य)

2- निविदा दत्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लाग आन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1,
लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत,
लो0नि0वि0,

UP - 244702 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

फरीदपुर के युवक का बदायूं में संदिग्ध हालात में मिला शव

फरीदपुर, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला महादेव निवासी एक युवक का शव बदायूं जनपद के दातागंज क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते दातागंज थाने पहुंचे।

बिजनेस उर्फ बृजेश राठौर (30) पुत्र नंदकिशोर राठौर, नगर के मोहल्ला महादेव का निवासी की शादी फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिलौआ से हुआ था। उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी, सूचना मिलते ही वह भी ससुराल पहुंच गई।

बताया गया है कि मृतक की बहन की ससुराल दातागंज क्षेत्र के गीलोर में है। परिजनों के अनुसार, बिजनेस उर्फ बृजेश घर से किसी पारिवारिक विवाद/लाड़-झगड़े के बाद अपनी बहन के घर गया था। इसके बाद उसकी मौत की सूचना आई, जिससे परिवार में इसको लेकर चिंतित है घटना की जानकारी दातागंज प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश द्वारा फरीदपुर प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम को दी। फरीदपुर पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी गई।

सूचना पाकर परिजन दातागंज थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मृतक बिजनेश के छोटे भाई की भी कुछ समय पहले मृत्यु हो चुकी है, जिससे परिवार पहले ही गहरे सदमे में था। मृतक तीन भाइयों में तीसरे नंबर का था। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवक की मौत को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

एंबुलेंस ओवरटेक करके चालक को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

बरेली, अमृत विचार : ओवरटेक करने के चक्कर में कार सवार ने एंबुलेंस चालक के साथ मारपीट की। उसके बाद कार सवार आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिला शाहजहांपुर के कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज निवासी संजीव कुमार ने बताया कि 24 जनवरी को वह अपनी एंबुलेंस से शाहजहांपुर वापस जा रहे थे। जैसे ही वह बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के नवदिया झादा के पास पहुंचे तभी लाल रंग की कार ने एंबुलेंस को ओवरटेक करके रोक लिया। उसके बाद उसे गाड़ी से उतारकर गाली गलौज करने लगे। उसके बाद उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिसमें उसे काफी चोट आई।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.
निष्पादन संख्या-33/2025
मीनू अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिटस
नोटिस

1. **आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिट्सकॉर्पोरेशन लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।
2. **आई.सी.एल.मल्टी ट्रेडिंग इंडिया लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। **रजिस्टर्ड ऑफिस**-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 26/2024, मीनू अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. में इस आयोग के निर्णय/आदेश दिनांकित 28.02.2025 का अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 33/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 09.03.2026 नियत की गयी है। अतः आप दिनांक 09.03.2026 को समय प्रातः 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली में स्वयं उपस्थित हों। आज दिनांक 24.01.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एक किता दुकान सं. 216/200 क्षेत्रफल लगभग 30 वर्गगज वाकै मोहल्ला कटरा मानराय थाना कोतवाली बरेली के समस्त चैन पेपर प्रथम बैनामा मेरी माता श्रीमती रामश्री देवी ने दिनांक 18.06.1987 ई को दस्तावेज सं. 6536 से खरीदा जिसका द्वितीय बैनामा दिनांक 21.02.1990, दस्तावेज सं. 3473 व तृतीय बैनामा दिनांक 15.02.1991 दस्तावेज नम्बर 811 व चतुर्थ बैनामा दिनांक 27.08.2008, दस्तावेज नम्बर 6734 व पंचम दस्तावेज वसीयत दिनांक 10.08.2006 दस्तावेज नम्बर 315 एवं मकान स्थित 159 ख्वाजा कुतुब बरेली का दिनांक 23.12.2025 को कुतुबखाना चौराहा के पास कहीं गिर गया है तो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **रवि कान्त माहेश्वरी पुत्र स्व. धर्मपाल गुप्ता नि. 159, ख्वाजा कुतुब पूर्वी बरेली।**

युवक के साथ मारपीट

बरेली। किला थाना क्षेत्र के जसोली निवासी सलमान ने बताया कि दो कार में सवार करीब 10 लोग आ गए। इनमें से अमान इब्राहीम, वसीम गद्दी, अमन गद्दी, सुब्हान उर्फ चूरन को वह जानता है। सभी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

यूपी-जापान संबंधों को नया आयाम

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश और जापान के बीच वेलनेस टूरिज्म, बौद्ध पर्यटन, खेल पर्यटन (विशेषकर गोल्फ), व्यंजन एवं खानपान, सांस्कृतिक यात्रा तथा साहित्य और ज्ञान आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बुधवार को यामानाशी प्रांत से आए जापानी प्रतिनिधिमंडल और उप्र. सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने की। मंत्री जयवीर सिंह ने अप्रैल या मई में जापान में 'यूपी फेस्टिवल' के आयोजन की संभावना भी जताई। पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने जापान की जीवन-दर्शन परंपराओं- इकिगाई, वाबी-साबी, जेन और जाजेन का उल्लेख करते हुए वेलनेस और आध्यात्मिक पर्यटन में सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया। यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडेरा ने कहा कि दिसंबर 2024 में हुए एमओयू के बाद दोनों पक्षों के बीच सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि आगामी अगस्त में 200 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश आएगा, जिससे पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संबंध और सुदृढ़ होंगे।

उद्योग के लिए यूपी बना ड्रीम डेस्टिनेशन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार द्वारा किए गए व्यापक नियामक और प्रशासनिक सुधारों का असर अब जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। वर्षों से जटिलताओं और अनुपालनों के बोझ से जूझ रहे उद्योग-व्यापार को बड़ी राहत मिली है। 577 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने, 948 पुराने कानूनों को समाप्त करने और ट्रेड लाइसेंस जैसी अनिवार्यताओं को खत्म करने से प्रदेश उद्योगों के लिए 'ड्रीम डेस्टिनेशन' के रूप में उभर रहा है। सरकार के सुधारवादी कदमों से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल हुई हैं, बल्कि निर्णय लेने की गति भी तेज हुई है। जहां पहले परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने में वर्षों लग जाते थे, वहीं अब समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो रहा है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और निवेश प्रस्तावों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने से अनुपालनों की प्रक्रिया ऑनलाइन हुई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रशासनिक बोझ घटा। छोटे उल्लंघनों पर जेल जैसे कठोर प्रावधान हटने से कारोबारियों का भय समाप्त हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' वास्तविक अर्थों में धरातल पर उतरी है। इन सुधारों का सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई सेक्टर को मिला है। प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई संचालित हैं, जिनकी संख्या जल्द ही एक करोड़ से अधिक होने की संभावना है। नियमों की सरलता से छोटे उद्यमी औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं और अपने कारोबार का विस्तार कर पा रहे हैं।

ऑडिट में उलझीं जल संरक्षण की 51 परियोजनाएं

कृषि विभाग और परती भूमि विकास की नोडल एजेंसी में खींचतान, अब कृषि निदेशालय कराएगा ऑडिट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पहले गाइडलाइन फिर बजट और अब विभागीय ऑडिट में परती भूमि विकास विभाग की 34 जिलों में बनी 51 डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई-2.0 यानी जल संरक्षण की परियोजनाएं उलझ गई हैं। पारदर्शिता के लिए कृषि निदेशालय परियोजनाओं का विभागीय ऑडिट कराएगा। यह आदेश भी जारी कर दिया है।

इधर, परती भूमि विकास विभाग की राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी ने गाइडलाइन का हवाला दिया कि केंद्र की इस वित्त पोषित परियोजना में विभागीय ऑडिट का उल्लेख नहीं है, न ही सम्बंधित से इसकी स्वीकृति ली गई। केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार, नोडल एजेंसी स्तर से परियोजना का मूल्यांकन (मिड एवं इंड टर्म) का कार्य विशेषज्ञ सरकारी एजेंसी कर रही है। साथ ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय में इमपैनल्ड सीए फर्म की ओर से ऑडिट किया जा रहा है। इसके जवाब में कृषि निदेशालय ने शासन स्तर से गठित कमेटी और निदेशक आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय की ओर से अनुमोदन के उपरांत ही ऑडिट कराने की बात कही है। राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि किसी तरह की आपत्ति नहीं है। कृषि विभाग ने नियमों के तहत ही ऑडिट का निर्णय लिया होगा। इस मामले पर निदेशक कृषि से संपर्क नहीं हो सका।

मार्च 2026 तक पूरी करनी है परियोजनाएं

यह योजना परती भूमि विकास विभाग की है, जो कर्मियों और संसाधनों की कमी होने पर कृषि विभाग को दी गई थी और भूमि संरक्षण शाखा द्वारा कार्य कराए गए। परियोजनाओं में जल संरक्षण के साथ किसान, ग्रामीण व महिलाओं को आजीविका से जोड़ना है। वर्ष 2023 में धरातल पर कार्य शुरू हुए थे और मार्च 2026 तक इसे पूर्ण करना है। कुल बजट 581 करोड़ रुपये निर्धारित है। इसमें 50 फीसद ही बजट मिलना बताया गया। इससे शेष कार्य व भुगतान करना है।

इन 34 जिलों में परियोजनाएं

लखनऊ, बरेली, कानपुर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, कन्नौज, रामपुर, बदायूं, बिजनौर, सम्भल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा, हापुड़, कुशीनगर, देवरिया, महोबा, हमीरपुर, एटा, मथुरा, इटावा, मैनपुरी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, वाराणसी, सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, सहारनपुर व बागपत।

योजना के मुख्य कार्य

- भूजल बढ़ाने के लिए कुओं की मरम्मत व जीर्णोद्धार
- जीर्ण जल संचय बंधियां, चेकडैम, तालाब आदि का जीर्णोद्धार
- कैटिल घाट, छठ पूजन घाट का निर्माण व मरम्मत
- जरूरत के हिसाब से चबूतरा, सीढ़ी, रूफटॉप, हैंडपंप, सोखपिट
- कृषि उत्पाद समूह व महिला समूह बनाना
- खेती, बागवानी, वनीकरण के लिए बीज, सिंचाई आदि में सहायता
- ऊसर, बंजर भूमि का समतलीकरण व कटान रोकना

चालकों को बगैर प्रशिक्षण मार्ग पर न भेजा जाए: एमडी

- परिवहन निगम के सभी 20 क्षेत्रों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सभी चालक एवं परिचालक की डयूटी सॉफ्टवेयर के माध्यम से लगाना सुनिश्चित करें। चालकों को बगैर प्रशिक्षण दिलाये मार्ग पर न भेजा जाए। ड्राइवरों को यातायात एवं सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक कर उनकी नियमित काउन्सलिंग की जाए। साथ ही चालकों का ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट भी निरंतर किया जाए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौत के आंकड़ों में 50 प्रतिशत तक कमी लाई जाए। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को यह दिशा-निर्देश जारी किए।

एमडी बुधवार को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों के अफसरों से मुखातिब थे। इस दौरान सभी रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधकों/सेवा प्रबंधकों, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को जोड़ा गया था। समीक्षा के दौरान प्रबंध निदेशक ने सड़क सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन कराने के निर्देश दिये। प्रबंध निदेशक ने कहा कि गत वर्ष जनवरी में फैटल दुर्घटनाओं की कुल संख्या 23 व घायलों की संख्या 55 रही जबकि इस वर्ष माह जनवरी में 8 फैटल एवं घायलों की संख्या 27 रही।

बख्शे न जाएं भू-माफिया : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, कहा- किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

गोरखनाथ मंदिर में महिला फरियादियों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि कोई दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है, तो उसे तुरंत कब्जामुक्त कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले या कमजोरों को परेशान करने वाले भूमाफिया को कतई बख्शा नहीं जाएगा। उनका कहना था कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह बातें बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान कहीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में करीब 150 लोगों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं संतोषजनक समाधान का निर्देश दिया। जनता दर्शन में भूमि कब्जा से जुड़ी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोई दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न कर पाए।

इसके अलावा, महिलाओं द्वारा परिवारिक विवाद और ससुराल पक्ष से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर मामले का हल निकाला जाए और जरूरत पड़ने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता भी मांगने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की कमी से किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, खिलाई गुड़-रोटी

अमृत विचार : गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेका। तत्पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित गोशाला का भ्रमण किया और श्यामा, गौरी, गंगा, भोला सहित सभी गोवंश को अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाई। सीएम योगी की दिनचर्या में गोसेवा शामिल है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने हाथ से बच्चों को मिष्ठान्न दिया और दो बच्चों को गोद में लेकर अन्नप्राशन कराया।

किसानों को एक फोन पर मिलेगी पूरी जानकारी, हेल्पलाइन शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

हेल्पलाइन का उद्घाटन करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, साथ में मंत्री बलदेव सिंह औलख।

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम पहल की है। अब किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वे एक फोन कॉल के माध्यम से घर बैठे ही सभी जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए कृषि विभाग ने बुधवार को कृषि हेल्पलाइन की शुरुआत की।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ लखनऊ स्थित कृषि निदेशालय में बुधवार को हेल्पलाइन की शुरुआत की। कृषि मंत्री ने बताया कि किसान अब सोमवार से शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक हेल्पलाइन नंबर 0522-2317003 पर कॉल कर कृषि विभाग से जुड़ी अनुदान, योजनाओं और कृषि निवेश की सभी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। इस अवसर पर सचिव कृषि इंद्रविक्रम सिंह, कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी, अपर निदेशक आशुतोष मिश्र, संयुक्त निदेशक अखिलेश कुमार सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

1000 करोड़ के यूपी स्टार्टअप फंड से नवाचार को मजबूती

- सीड कैपिटल, प्रोटोटाइप और भरण-पोषण भत्ते से स्टार्टअप को मिला सहारा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. सरकार नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। इसी दिशा में एक हजार करोड़ रुपये का यूपी स्टार्टअप फंड गठित किया गया है, जिसका उद्देश्य नए विचारों को व्यवसाय में बदलने में मदद करना है। अब तक इस फंड से स्टार्टअप को सीधे 325 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा चुकी है, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को मजबूती मिली है।

प्रदेश में वर्तमान में 19,000 से अधिक स्टार्टअप को डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त है, जिनमें 9,600 से अधिक महिला नेतृत्व वाले हैं। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में यह बड़ी सफलता मानी जा रही है।

"स्टार्ट इन यूपी" योजना के तहत अब तक 3,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है, जबकि 2,100 से अधिक स्टार्टअप को इनक्यूबेशन सहायता प्राप्त हुई है। 76 मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर स्टार्टअप को तकनीकी, प्रबंधन और मेंटरशिप सहायता दे रहे हैं।

नए स्टार्टअप्स के लिए सीड कैपिटल और मार्केटिंग सहायता के तहत 376 आवेदन स्वीकृत किए गए और 26.43 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई। प्रोटोटाइप विकास के लिए 74 स्टार्टअप को 3.55 करोड़ की मदद दी गई। स्टार्टअप की शुरुआती चुनौतियों को कम करने के लिए भरण-पोषण भत्ता योजना में 2.46 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई और 566 इंसेंटिव आवेदन के तहत 32 करोड़ की सहायता दी गई। प्रदेश में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तकनीकी शोध और नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, जिन पर अब तक 27.18 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना बनी किसानों की सुरक्षा कवच

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 18,145 किसानों को दी गई 873.58 करोड़ रुपये की सहायता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ :

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरी है। योजना के तहत दुर्घटना की स्थिति में किसान परिवार को 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 18,145 किसानों या उनके परिवारों को कुल 873.58 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। योजना की शुरुआत से अब तक 1,08,098 किसानों और उनके परिवारों को लाभ मिल चुका है। वर्ष 2023-24 में योजना का दायरा बढ़ाकर भूमिहीन किसानों और खेतिहर श्रमिकों को भी शामिल किया गया था, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता सुनिश्चित हुई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जा रहा है। एनआईसी की मदद से विकसित वेब पोर्टल और सॉफ्टवेयर फरवरी 2026 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। डिजिटल पोर्टल के माध्यम से किसानों को अब बार-बार तहसील या जिला कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी।

अपर्णा और प्रतीक में हुई सुलह

- प्रतीक यादव ने फोटो के जरिए की समझौते की पुष्टि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सोशल मीडिया पर साझा की गई अपर्णा यादव व प्रतीक यादव की फोटो।

अमृत विचार : समाजवादी परिवार से जुड़े अपर्णा यादव और प्रतीक यादव के बीच चला आ रहा विवाद अब समाप्त होता दिख रहा है। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलह की बात की जा रही है। इसकी पुष्टि प्रतीक यादव ने अपनी पत्नी और अपर्णा यादव के साथ सोशल मीडिया पर एक नई तस्वीर साझा करते हुए की है।

बीते दिनों मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष व अपनी पत्नी अपर्णा यादव की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें 'स्वार्थी महिला', 'परिवार नाशक' और 'बुरी आत्मा' जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने लिखा था कि अपर्णा ने उनके पारिवारिक रिश्तों को बर्बाद कर दिया है, उनकी मानसिक स्थिति खराब की है और केवल प्रसिद्धि व प्रभाव बढ़ाने में लगी हैं। जिसके बाद दोनों के बीच पारिवारिक मतभेद को लेकर चर्चाएं चल रही थीं, जो मीडिया और राजनीतिक गलियारों में भी सुर्खियों में रही थीं। इस विवाद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि अब दोनों पक्षों की सहमति के बाद इन चर्चाओं पर विराम लग गया है।

राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अपर्णा यादव वर्तमान में भाजपा से जुड़ी हैं और प्रतीक यादव समाजवादी परिवार से संबंध रखते हैं। ऐसे में यह विवाद राजनीतिक चर्चाओं का भी विषय बना हुआ था। प्रतीक की नई पोस्ट से माना जा रहा है कि इससे अनावश्यक राजनीतिक अटकलों पर भी विराम लगेगा।

हेलमेट स्टाइल को नहीं, जीवन रक्षा के लिए पहनें : किंजल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सड़क सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करतीं परिवहन आयुक्त किंजल सिंह।

अमृत विचार : उप्र. परिवहन विभाग की परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि हेलमेट स्टाइल या लुक्स के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए पहना जाना चाहिए। बताया कि विदेशों में सड़क दुर्घटनाएं कम होने का कारण वहां का सख्त अनुशासन है, जिसे भारत में भी अपनाने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने अभिभावकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि बच्चे जो ठान लें, उसे अभिभावक नजरअंदाज नहीं कर पाते।

यह बातें उप्र.परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत लखनऊ स्थित वाहन परीक्षण केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत करने के बाद परिवहन आयुक्त बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिना हेलमेट या लाइसेंस वाहन चलाने से रोकना अभिभावकों की जिम्मेदारी है। लखनऊ के आरटीओ संजय तिवारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। कार्यक्रम में स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, संभव सेवा समिति और माउंट लिटेरा जी स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने और हेलमेट न पहनने के दुष्परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। इससे पहले परिवहन आयुक्त ने सड़क सुरक्षा पर आधारित पेंटिंग और स्लोगन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। समापन सत्र में स्काउट-गाइड और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को यातायात नियमों के पालन और प्रचार-प्रसार की शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्कूलों और संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया।

अवैध पार्किंग पर परिवहन विभाग का सख्त रुख

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा माह के तहत अवैध पार्किंग और नियम उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और प्रमुख सड़कों के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 117 होल्डिंग एरिया चिन्हित किए गए हैं। 1 से 27 जनवरी के बीच चलाए गए अभियान में कुल 4,949 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 3,488 वाहनों के खिलाफ अवैध पार्किंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान किए गए। गंभीर मामलों में 55 वाहनों को मौके पर सीज किया गया और 1,847 वाहनों को क्रेन से हटाया गया।

उपलब्धि — वैज्ञानिक अध्ययन, तकनीक और जन-जागरूकता से बना 'लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल'

मीरजापुर में लाइटनिंग अरेस्टर से मौतों में 50 प्रतिशत गिरावट

- मुख्यमंत्री योगी ने वज्रपात से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में उठाया बड़ा कदम
- लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर 80 स्थानों पर ईएसई लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। आकाशीय बिजली की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माने जाने वाले मीरजापुर जिले में वज्रपात से होने वाली मौतों में करीब 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह सफलता वैज्ञानिक अध्ययन, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और व्यापक जन-जागरूकता अभियानों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। सरकार का लक्ष्य अब इन मौतों को पूरी तरह शून्य पर लाना है।

भौगोलिक संरचना, पथरीली जमीन और बड़े पैमाने पर खनन कार्यों के कारण मीरजापुर जिला लंबे समय से वज्रपात की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। योगी सरकार का यह लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल अब देश के अन्य संवेदनशील जिलों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) मीरजापुर के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उप्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से मजबूत किया गया। मीरजापुर में लागू किया गया लाइटनिंग मिटिगेशन प्रोजेक्ट इसी का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

डीडीएमए मीरजापुर की ओर से पिछले 4-5 वर्षों के आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ के प्रोजेक्ट इवैल्यूएशन, आईआईटीएम पुणे के वज्रपात स्थलीय डेटा, आईआईटी रुड़की से जुड़े विशेषज्ञों के शोध, सीआरओपीसी की ओर से संवेदनशीलता आकलन को शामिल किया गया। पाया गया कि अधिकांश मौतें खुले खेतों, पेड़ों के नीचे, जल स्रोतों के पास और कच्चे मकानों में होती हैं। इसके आधार पर जिले का लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप तैयार किया गया। लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर पहले चरण में जिले के अत्यंत संवेदनशील इलाकों में 80 स्थानों पर अर्ली स्ट्रीमर एमिशन (ईएसई) आधारित लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए। ये उपकरण आकाशीय बिजली को सुरक्षित रूप से जमीन में प्रवाहित कर देते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में जान-माल की क्षति नहीं होती। कई अरेस्टरों में लगे इंडिकेटर यह दर्शाते हैं कि वे कई बार बिजली को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर चुके हैं।

मौतों के आंकड़ों में आई गिरावट

वर्ष 2019 में 30 मौतें, वर्ष 2020 में 28 मौतें, वर्ष 2021 में 23 मौतें, वर्ष 2022 में 30 मौतें, जबकि वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अब तक यह संख्या घटकर 14 रह गई है।

खराब प्रदर्शन पर 20 जिलों को नोटिस

- आयुष्मान कार्ड और फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने के निर्देश
- समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव एसपी गोयल ने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले 20 जिलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर निगरानी की जाए।

मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व वादों की समीक्षा में उन्होंने पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित कराने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 15 लाख नई घरौनियों के वितरण का प्रस्ताव रखते हुए जिलों को गैप आकलन कर अधिकतम घरौनी निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में बताया गया कि पीएम किसान योजना के तहत 64 प्रतिशत लाभार्थियों की फार्मर आईडी बन चुकी है। योजना का कार्य जून 2026 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जारी होगी नई ऑपरेटर आईडी

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनाने के निर्देश दिए। सभी जिलों को आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए नई ऑपरेटर आईडी जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रत्येक जिले में न्यूनतम 1000 ऑपरेटर आईडी जारी करने के निर्देश दिए गए। सीएमओ को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने को कहा गया, साथ ही लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

अमृत विचार

गुरुवार, 29 जनवरी 2026

मानव अस्तित्व का रहस्य केवल जीवित रहने में नहीं, बल्कि जीने का कोई उद्देश्य खोजने में निहित है।

-फ्योदोर दोस्तोव्स्की, रूसी लेखक

अवसरों का द्वार

जब दुनिया संरक्षणवाद, टैरिफ युद्ध और आपूर्ति श्रृंखलाओं की अनिश्चितता से जूझ रही हो, तब विश्व व्यापार के लगभग एक-तिहाई और वैश्विक जीडीपी के करीब 25 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का साथ आना स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है। दो अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करने वाली यह साझेदारी आर्थिक ही नहीं, भू-राजनीतिक समीकरणों पर भी असर करेगी। यह समझौता साफ संकेत है कि वैश्विक चुनौतियों का टिकाऊ समाधान टकराव नहीं, सहयोग है। ऐसे समय में जब अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के तहत ऊंचे टैरिफ और 'अमेरिका फर्स्ट' की सोच ने पारंपरिक व्यापारिक ढांचे को झकझोरा है, भारत-ईयू समझौता उस का संतुलित जवाब है। यह किसी के विरुद्ध गठबंधन नहीं, बल्कि नियम-आधारित, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन में एक पहल है।

अमेरिका नाराज है, क्योंकि लंबे समय से अटका यह समझौता ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब वॉशिंगटन और ब्रुसेल्स के बीच व्यापारिक मतभेद उभरे, हालांकि इससे अमेरिका-यूरोप संबंध निर्णायक रूप से नहीं बिगड़ने वाले पर वॉशिंगटन का दबदबा कुछ कम होगा। यदि भारतीय निर्यात को यूरोप में व्यापक बाजार पहुंच मिलती है तो ट्रंप टैरिफ से हुए संभावित नुकसान की भरपाई इससे आंशिक रूप से संभव है। इस डील के बाद अब अमेरिका के साथ भी संतुलित और पारस्परिक हितों पर आधारित व्यापार समझौते की संभावना बढ़ती है। यूरोपीय संघ अमेरिकी बाजार का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता, पर यह विविधीकरण का एक मजबूत स्तंभ अवश्य बन सकता है। समझौता पंचवर्षीय परिवर्तनकारी एजेंडे के देखना ठीक है, क्योंकि यह केवल टैरिफ घटाने का मामला नहीं, बल्कि मानकों, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल व्यापार और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ढांचा है। यदि जीएसपी जैसी रियायतों की बहाली या समान प्रावधान शामिल होते हैं, तो वस्त्र, परिधान, चमड़ा, हस्तशिल्प, जूते और समुद्री उत्पादों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिससे परिधान उद्योग में चीन, बांग्लादेश और वियतनाम के साथ प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति सुदृढ़ हो सकती है, बशर्ते हम गुणवत्ता और लागत दोनों में प्रतिस्पर्धी बनें। इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट और मशीनरी क्षेत्र को यूरोपीय तकनीक और मानकों से तालमेल का अवसर मिलेगा। सेवा क्षेत्र विशेषकर आईटी, फिनटेक और प्रोफेशनल सेवाएं को। यदि वीजा और मूवमेंट ऑफ प्रोफेशनल्स में लचीलापन मिलता है, तो भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। सेमीकंडक्टर तकनीक और हरित प्रौद्योगिकी में सहयोग भारत के औद्योगिक उन्नयन को गति दे सकता है।

रक्षा क्षेत्र में यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच और संयुक्त उत्पादन की संभावनाएं निजी भारतीय कंपनियों के लिए नए द्वार खोल सकती हैं। फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देशों की कंपनियों द्वारा भारत में रक्षा कॉम्प्लेक्स स्थापित करने से 'मेक इन इंडिया' को बल मिल सकता है। साथ ही इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को भी गति मिलना स्वाभाविक है। इसके लागू होने में डेढ़ बरस लग सकते हैं, पर यह समझौता अवसरों का द्वार है।

प्रसंगवश

38 फीसद भारतीय वयस्क आयली स्नैक्स के आदी

राष्ट्रीय पोषण संस्थान (ICMR-NIN) और WHO के अनुसार, लगभग 38% भारतीय वयस्क नियमित रूप से तले हुए स्नैक्स का सेवन करते हैं, जबकि केवल 28% लोग रोज़ाना फलों या सलाद जैसे स्वास्थ्यवर्धक आहार का सेवन करते हैं। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अत्यधिक मात्रा में जंक फूड का सेवन मोटापे को तेजी से बढ़ाता है। यही मोटापा आगे चलकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र, अवसाद और तनाव जैसी कई गंभीर बीमारियों की नींव बन जाता है। जंक फूड का अत्यधिक सेवन केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से एक गंभीर खतरा बन चुका है। इन्हीं समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या, जो हमारे समाज में तेजी से फैल रही है, वह है पॉलीसिस्टिक ओवरी डिजीज (PCOD)।

महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार, 38–88 प्रतिशत PCOD से पीड़ित महिलाएं अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होती हैं। यह स्पष्ट करता है कि जंक फूड, मोटापा और PCOD आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। यह समस्या प्रजनन आयु (15–49 वर्ष) की महिलाओं में सबसे आम अंतःस्त्रावी विकारों में से एक बन चुकी है और इसे एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना जा रहा है। अध्ययनों के अनुसार, विश्व-भर में प्रजनन आयु की 6–13 प्रतिशत महिलाएं PCOD से प्रभावित हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं PCOD से जूझ रही हैं। यानी हर पांच में से एक महिला इस समस्या से प्रभावित है।

डॉ. सुहैल खान

चिकित्सक

PCOD में अंडाशय (ओवरी) में छोटी-छोटी सिस्ट बन जाती हैं और हार्मोनल संतुलन बिगड़ जाता है। इसका मुख्य कारण अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान-पान, विशेषकर जंक फूड का अधिक सेवन माना जाता है। जंक फूड में मौजूद अधिक शर्करा और अस्वस्थ वसा शरीर में इंसुलिन रेज़िस्टेंस पैदा करती हैं, जिससे हार्मोनल असंतुलन और पुरुष हार्मोन (एंड्रोजन) का स्तर बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना, मुंहासे, बालों का झड़ना और बांझपन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। PCOD से पीड़ित महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग का खतरा भी अधिक होता है।

पीसीओएस से पीड़ित रोगियों में थायरॉइड रोगों की घटना दर बढ़ जाती है। डेनमार्क में 2019 में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में थायरॉइड रोग होने का खतरा, पीसीओएस से मुक्त महिलाओं की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक होता है। PCOS से पीड़ित महिलाओं में सरल जीवनशैली में बदलाव करना, जैसे जंक फूड से बचाव, संतुलित आहार, खून में शुगर (ग्लूकोज़) का स्तर कम करना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव कम करना, उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और PCOS से जुड़ी जटिलताओं को कम कर सकता है।

जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जबकि आवश्यक पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन और खनिज बहुत कम पाए जाते हैं। इनमें संतृप्त वसा ट्रांस फैट, अत्यधिक नमक, कोलेस्ट्रॉल और शर्करा (ग्लूकोज़) की अधिकता होती है। इनमें परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, अधिक सोडियम, कृत्रिम रंग और प्रिज़र्वेटिव्स भी शामिल होते हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर, इंस्टेंट नूडल्स, बिस्कुट, कैंडी, आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज़, मीठे पेय पदार्थ (कोल्ड ड्रिंक्स), पैकेज्ड स्नैक्स, परिष्कृत अनाज और हाई-फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप जैसे खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं।

बजट: ग्रीन एनर्जी को मिल सकती है नई उड़ान

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी पहली फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करने वाली हैं। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। ग्रीन एनर्जी, यानी साफ और नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सोलर, विंड और हाइड्रोजन, भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी।

सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत में सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं। अभी भारत इनमें से कई सामान आयात करता है, जो महंगा पड़ता है। भारत में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट और येमनोको लिमिटेड के प्रमुख शैलेंद्र बेबोरता ने बीते दिनों राजधानी में हुई इंटरनेशनल कॉफ्रेंस के दौरान कहा था कि बजट में नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर फिर से शुरू की जा सकती है। इससे लोकल उत्पादन बढ़ेगा और नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, टेक्नोलॉजी और उपकरण विकास पर फोकस होगा, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने। उदाहरण के लिए, सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने वाली फैक्ट्रियों को सब्सिडी या टैक्स छूट मिल सकती है। इससे ग्रीन एनर्जी सस्ती हो जाएगी और आम लोग इसे अपनाएंगे।

दूसरी बड़ी उम्मीद स्टोरेज टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। सोलर और विंड एनर्जी दिन-रात उपलब्ध नहीं रहती, इसलिए बैटरी स्टोरेज बहुत जरूरी है। बजट में पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज और बैटरी सिस्टम के लिए ज्यादा फंडिंग की उम्मीद है। देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़े सब लोगों की चाहत है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ज्यादा खर्च करे, जैसे टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर्स और यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री सहयोग। इससे नई तकनीकें विकसित होंगी और एनर्जी स्टोरेज सस्ता होगा। साथ ही, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए हाई-कैपेसिटी ट्रांसमिशन लाइंस और सब स्टेशनों पर निवेश बढ़ सकता है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि बड़ी मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड में जोड़ना पड़ता है, वरना बिजली बर्बाद हो जाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रीन हाइड्रोजन साफ पानी और रिन्यूएबल एनर्जी से बनता है और यह ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पॉवर सेक्टर में इस्तेमाल हो सकता है। शैलेंद्र बेबोरता मानते हैं कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन मिशन चला रहा है, लेकिन इसे तेज करने के लिए बजट में ज्यादा आवंटन चाहिए। इंडस्ट्री चाहती है कि उत्पादन, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सब्सिडी दी जाए। साथ ही, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए टैक्स इंसेंटिव आ सकते हैं। इससे भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा उत्पादक बन सकता है और विदेशी मुद्रा कमा सकता है।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना भी एक बड़ी उम्मीद है। घरों और इमारतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होता है और पर्यावरण बचता है। बजट में रूफटॉप सोलर के लिए ज्यादा सब्सिडी या आसान लोन स्कीम्स आ सकती हैं। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए टैक्स ब्रेक्स मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोलर एनर्जी फैलेगी और किसानों को फायदा होगा, जैसे सोलर पंप और इरिगेशन सिस्टम।

बजट से क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एनर्जी सिक्योरिटी, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस। सरकार पिछले सालों में रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस कर रही है, लेकिन अब कैपेसिटी एडिशन से आगे बढ़कर स्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रिड रिफॉर्म्स जरूरी हैं, जैसे स्मार्ट ग्रिड और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम अपग्रेड। साथ ही, क्लीन एनर्जी फंड्स बढ़ाए जा सकते हैं, जो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेंगे।

एक और महत्वपूर्ण उम्मीद है कि बजट में ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा दिया जाए। बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को ग्रीन प्रोजेक्ट्स के लिए सस्ते लोन देने के लिए इंसेंटिव्स मिल सकते हैं। साथ ही, कार्बन टैक्स या ग्रीन बॉन्ड्स जैसी स्कीम्स आ सकती हैं, जो फॉसिल फ्यूल्स से दूर जाने में मदद करेंगी। इससे विदेशी निवेश भी बढ़ेगा, क्योंकि दुनिया भर में ग्रीन इन्वेस्टमेंट ट्रेंड है। ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में लोकल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन फ्यूल्स पर ज्यादा जोर होगा। उदाहरण के लिए, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स से जुड़ी इंडस्ट्री को सपोर्ट। इससे प्रदूषण कम होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। साथ ही, R&D पर ज्यादा बजट से नई इनोवेशंस आएंगी, जैसे एडवांस्ड सोलर सेल्स या विंड टरबाइन्स।

इन सब उम्मीदों से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में तेजी आएगी, लेकिन चुनौतियां भी हैं, जैसे महंगे इक्विपमेंट और ग्रिड कनेक्टिविटी। बजट अगर इन पर फोकस करे, तो भारत रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट को आसानी से हासिल कर सकता है। साथ ही, क्लाइमेट चेंज से लड़ने में भारत लीडर बनेगा। बजट 2026 ग्रीन एनर्जी के लिए, एक टर्निंग पॉइंट हो सकता है। अगर सरकार मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज, हाइड्रोजन और ग्रिड पर निवेश करे, तो देश स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे नौकरियां बढ़ेंगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण बचेगा। सभी की नजरें अब पहलू फरवरी पर टिकी हैं।

> ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं।

आमने सामने

पाकिस्तान, बांग्लादेश के समर्थन में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हट सकता है। हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी, वही किया जाएगा। सरकार वर्ल्ड कप में न जाने को कहती है, तो हम उसका पालन करेंगे।

-मोहसिन नकवी

चेयरमैन

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

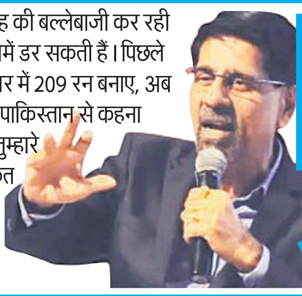

भारतीय टीम जिस तरह की बल्लेबाजी कर रही है, उसे देखकर कई टीमें डर सकती हैं। पिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 रन बनाए, अब 10 ओवर में 150 रन। पाकिस्तान से कहना चाहता हूं, मत आओ। तुम्हारे चेयरमैन खुद यही संकेत दे रहे हैं।

-श्रीकांत

पूर्व भारतीय क्रिकेटर

प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा

अमित शर्मा

हल्द्वानी

पहाड़ों पर प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा मानवीय गतिविधियों से उपज रही आपदाओं का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। पर्यावरण के दृष्टिगत विकास के मानक तय नहीं हैं और जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है, जिसका भयानक खामियाजा बादल फटना, ग्लेशियर पिघलने, बाढ़ और सूखे के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बीते वर्षों में आ चुकी कई बड़ी आपदाओं को हम समय बीतने के बाद भूल जाते हैं, लेकिन ये आपदाएं दोबारा सिर न उठाएं, इसके लिए निजी और सामूहिक तौर पर प्रयास नहीं होते। यही वजह है कि उत्तराखंड के पहाड़ों पर प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा मंडराता है।

पहाड़ों की तबाही के सिलसिलों का इतिहास बहुत पुराना भी नहीं है, बल्कि तभी से शुरू हुआ, जब विकास की गति में तेजी आई। पहाड़ों को काटना प्रकृति के साथ सबसे बड़ी भूल कही जा सकती है, जो पेड़ों को काटे बिना संभव नहीं। साथ ही, यह भूस्खलन को बढ़ावा देती है और यह किसी से छिपा भी नहीं है कि भूस्खलन की त्रासदियां हर वर्ष जानलेवा साबित होती हैं। वृक्षों की कमी से कार्बन जैसी घातक गैसों में वृद्धि स्वाभाविक है, जो वायु प्रदूषण को न्यौता देना है और प्रदूषण रोकने के प्रयास अभी तक नाकाफी साबित हुए हैं।

फलस्वरूप पीएम 2.5 जैसी जहरीली गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे विकास के चलते अंधाधुंध होटल और रिजॉर्ट की संख्या के कोई मानक नहीं हैं, जबकि इतना तो तय होना चाहिए कि किसी भी इलाके के क्षेत्रफल के हिसाब से विकास हो। साथ ही, वाहनों की आवाजाही की संख्या भी क्षेत्र की क्षमता के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए, मगर इस दिशा में कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं।

इस वजह से कई तरह की दुश्वारियों से दो-चार होना पड़ता है। बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट्स, हाईवे और सुरंग खोदा जाना प्रकृति के साथ अन्याय ही है। बांधों का निर्माण क्षेत्रीय मौसम पर बड़ा असर डालता है, जो उस क्षेत्र के साथ नजदीकी क्षेत्रों की बारिश में अनिश्चितता पैदा करता है और कृषि, आर्थिकी और सामाजिक स्तर प्रभावित होता है। मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में एक बड़ा दुष्प्रभाव हिमालय भुगत रहा है, हालांकि इसके पीछे प्रमुख जिम्मेदार वैश्विक ताप में वृद्धि है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां भी कम जिम्मेदार नहीं हैं।

पहाड़ों में नदियों के किनारे निर्माण, अत्यधिक वाहनों की आवाजाही, प्लास्टिक कचरा और बेहिसाब माइनिंग पर्यावरण पर हमले जैसा है। हिमालय से जुड़े राज्य लेह लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में अभी तक किया गया विकास आपदाओं का जन्मदाता रहा है, लिहाजा प्रदूषण बढ़ रहा है, तो नुकसान उठाने पड़ रहे हैं। इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की सख्त जरूरत है। समय रहते इस दिशा में सार्थक प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए और बड़ी योजनाओं के साथ तैयार रहना होगा।

यहां यह भी गौरतलब है कि पर्यावरण विशेषज्ञों की रिपोर्ट भी मानवीय कृत्य को जिम्मेदार मानती हैं। आर्य भट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण व वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि अनियोजित मानवीय विकास को लेकर कई रिपोर्ट आ चुकी हैं, जो प्रकृति के साथ खिलवाड़ का विरोध करती हैं। विकास का आधार वैज्ञानिक होना चाहिए और पर्यावरण के अनुरूप होना चाहिए।

भारतीय मौसम विभाग, वाडिया इंस्टीट्यूट, हिमालयन जियोलॉजी और पर्यावरण मंत्रालय समेत कई अन्य रिपोर्ट आ चुकी हैं। एरीज भी हिमालय क्षेत्र की वायुमंडलीय स्थिति पर कई शोध कर चुका है, जो बताता है कि विकास पर्यावरण संरक्षण के आधार पर होना चाहिए। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई पर्यावरण वैज्ञानिकों का शोध बताता है कि खनन से मीथेन गैस अधिक निकलती है, जो ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में अधिक जिम्मेदार मानी जाती है। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन 40 प्रतिशत अधिक वैश्विक ताप बढ़ाती है। इस दिशा में भी विचार किए जाने की सख्त जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि जब भी मौसम या ऋतुओं में खास परिवर्तन होता है, तो हिमालयी राज्यों में आपदा का खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन ने मौसम के पैटर्न को बदल दिया है, जिससे कहीं सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। पहाड़ों पर मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हो रही है। हमें साल 2013 की केदारनाथ त्रासदी को याद रखना होगा, जब बाढ़ ने हजारों लोगों की जान ले ली थी और लाखों लोगों को बेघर कर दिया था। हमें साल 2023 की जोशीमठ आपदा को भी नहीं भूलना चाहिए, जब जमीन धंसने से कई घरों को नुकसान पहुंचा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पलायन करना पड़ा।

> जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है।

सोशल फोरम

एक थीं अजीजन बाई

अजीजन बाई मूलतः पेशेवर नर्तकी थीं, जो देशभक्ति की भावना से भरपूर थीं। गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए उन्होंने घुंघरू उतार दिए थे। रसिकों की महफिलें सजाने वाली अजीजन बाई क्रांतिकारियों के साथ बैठकें कर रणनीतियां बनाने लगीं। कानपुर में नाना साहेब के आह्वान पर अजीजनबाई ने फिरंगियों से टक्कर लेने के लिए स्त्रियों का सशस्त्र दल गठित किया एवं उसकी कमान संभाली थी।

संजोग वाल्टर

ब्लॉगर

इतिहासकारों के मुताबिक अजीजन बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 को मालवा क्षेत्र के राजगढ़ में हुआ था। अजीजन बाई बचपन से रानी लक्ष्मीबाई की तरह रहना पसंद करती थीं और पुरुषों के लिबास पहनती थीं। साथ ही अपने साथ हमेशा बंदूक रखतीं और सैनिकों के साथ घोड़े की सवारी भी करती थीं।

एक जून 1857 को क्रांतिकारियों ने कानपुर में बैठक की, इसमें नाना साहब, तात्या टोपे के साथ सूबेदार टीका सिंह, शमसुद्दीन खां और अजीमुल्ला खां के अलावा अजीजन बाई ने भी हिस्सा लिया। यहां गंगाजल को साक्षी मानकर इन सबने अंग्रेजों की हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

जून 1857 में ही इन लोगों ने अंग्रेजों को जोरदार टक्कर देते हुए विजय प्राप्त की और नाना साहब को बिठूर का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। परंतु यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई। 16 अगस्त 1857 को बिठूर में अंग्रेजों के साथ पुनः भीषण युद्ध हुआ, जिसमें क्रांतिकारी परास्त हो गए। इन दोनों ही युद्धों में अजीजन बाई की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण थी। उन्होंने युवतियों की टोली बनाई, जो कि मर्दाना वेश में रहती थीं।

युद्ध के दौरान अजीजन बाई ने सिद्ध कर दिया कि वह वारांगना नहीं, अपितु वीरांगना हैं। बिठूर में हुए युद्ध में पराजित होने के बाद नाना साहब और तात्या टोपे को भागना पड़ा, लेकिन अजीजन बाई पकड़ी गईं। इतिहासकारों के अनुसार युद्ध बंदिनी के रूप में उसे जनरल हैवलाक के सामने पेश किया गया।

उनके अप्रतिम सौंदर्य पर अंग्रेज अफसर मुग्ध हो उठे। जनरल ने उसके समक्ष प्रस्ताव रखा कि यदि वह अपनी गलतियों को स्वीकार कर अंग्रेजों से क्षमा मांग ले तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा और वह पुनः रास-रंग की दुनिया सजा सकती हैं। अन्यथा कड़ी से कड़ी सजा भुगतने के लिए तैयार हो जाए। अजीजन बाई ने क्षमा याचना करने से इनकार कर दिया। अंग्रेज सैनिकों ने उनके शरीर (20 सितंबर 1857) को गोलियों से छलनी कर दिया।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

इक्विटी नियमः आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आया है। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है, लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है।

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में इक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है, क्योंकि केवल सलाह या दिशा-निर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा।)

कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कैसे हुई पेन शब्द की उत्पत्ति

पेन शब्द की उत्पत्ति भाषा, इतिहास और लेखन परंपरा के आपसी संबंध को समझने का एक रोचक उदाहरण है। आज जिसे हम साधारण-सा लेखन उपकरण मानते हैं, उसका नाम सदियों पुराने सांस्कृतिक और तकनीकी विकास की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।

'पेन' शब्द अंग्रेजी भाषा का है, जिसकी जड़ें प्राचीन लैटिन भाषा में मिलती हैं। लैटिन में Penna शब्द का अर्थ होता है-पंख। प्राचीन काल में कागज पर लिखने के लिए जिस उपकरण का उपयोग किया जाता था, वह वास्तव में पक्षियों के पंखों से बनाया जाता था। हंस, मोर या अन्य बड़े पक्षियों के पंखों की नोक को तेज कर स्याही में डुबोया जाता और फिर उससे लिखा जाता था। ऐसे लेखन उपकरण को अंग्रेजी में Quill Pen कहा जाता था।

मध्यकालीन यूरोप में विद्वान, लेखक और धार्मिक ग्रंथों के नकलनकर्ता इन्हीं पंखों से लिखते थे। उस समय लेखन एक श्रमसाध्य और कौशलपूर्ण प्रक्रिया थी। पंख से लिखने के लिए हाथ की स्थिरता और अभ्यास की आवश्यकता होती थी, क्योंकि स्याही का प्रवाह पूरी तरह लेखक के नियंत्रण पर निर्भर करता था। यही कारण है कि उस दौर में सुलेख (Calligraphy) को एक कला के रूप में देखा जाता था। समय के साथ लेखन तकनीक में परिवर्तन आया। धातु की निब का आविष्कार हुआ, फिर फाउंटेन पेन और आगे चलकर बॉल पेन अस्तित्व में आए। हालांकि लेखन उपकरण का स्वरूप पूरी तरह बदल गया, लेकिन उसका नाम नहीं बदला। 'पेन' शब्द लेखन की उस पुरानी परंपरा की स्मृति के रूप में भाषा में बना रहा। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भाषा अपने भीतर अतीत की छाप सहेज कर रखती है, भले ही समय कितना ही आगे क्यों न बढ़ जाए।

नोटिस बोर्ड

- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (एमजेपीआरयू) के बीएससी कृषि व एमएससी कृषि की परीक्षाएं दो फरवरी से शुरू होंगी। गौरतलब है कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बरेली व मुरादाबाद मंडल में नौ जिलों में 22 कृषि कॉलेज हैं, जिसमें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को जिले में ही 17 कॉलेज में ही सेंटर दिया गया है।
- बीएचयू में दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं फरवरी में शुरू होंगी। सत्र को समय से शुरू कर 60 दिन से ज्यादा कक्षाएं चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले एनईपी के तहत चल रहीं सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं समाप्त कराने का लक्ष्य रखा है, जबकि एक ही दिन 33 बहुविषयक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की 40 हजार से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र में यूजी-पीजी स्तर के 25 नए प्रोग्राम भी शुरू किए जा रहे हैं। इस बार बीटेक की कुछ सीटें सीयूईटी से भी भरी जाएंगी। गौरतलब है कि अब तक जेईई स्कोर से ही दाखिले होते थे। तीन साल की एलएलबी को भी शुरू किया गया है। सभी प्रोग्राम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय के टेस्ट सीईटी को देना होगा। अप्रैल-मई में एंट्रेंस होगा।

महाविद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के कैंपस में इस समय माहौल यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर चर्चा, बहस और पक्ष-विपक्ष के बीच बंटा हुआ नजर आ रहा है। कहा जा रहा है कि यूजीसी के नए विनियमों से उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी बनाम जनरल कैटेगरी के बीच भेदभाव और बढ़ेगा और इन विनियम का दुरुपयोग एडमिशन, नियुक्ति, प्रमोशन हर जगह होगा। इसका दुष्परिणाम यह होगा कि छात्र-छात्रों के बीच जातीय संघर्ष बढ़ने से आपसी समरसता और खत्म हो जाएगी। इसके चलते इन विनियम की सार्थकता जितनी व्यावहारिक रूप से सहज दिख रही है, वास्तविकता से ये उतने ही दूर हैं। इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके UGC विनियम, 2026 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

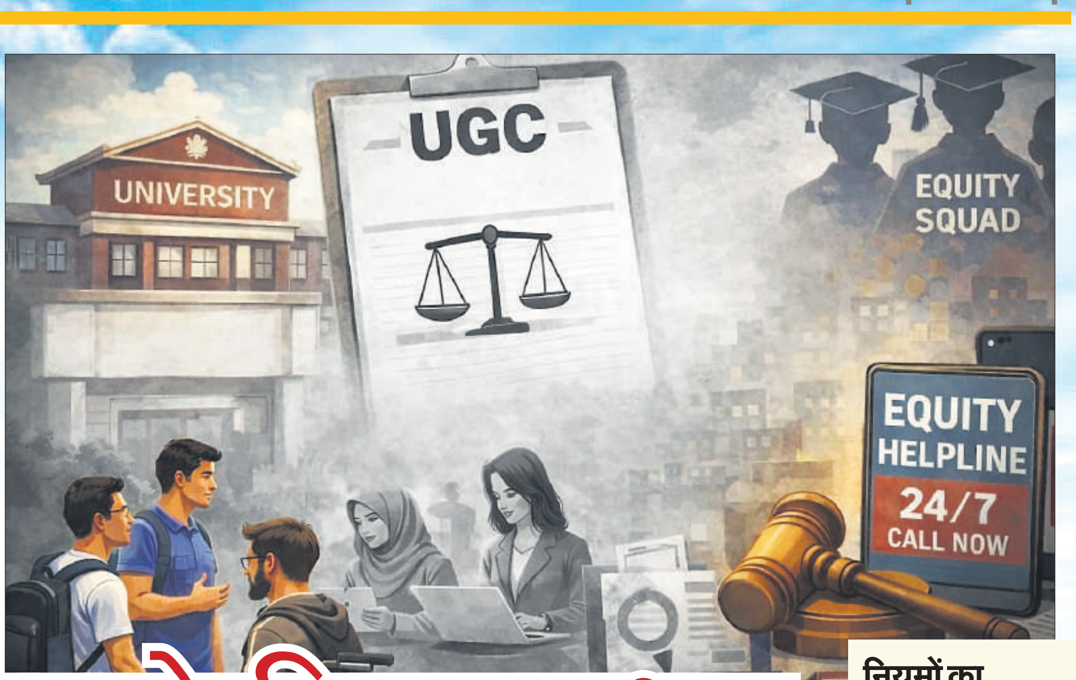

समानता के लिए समाधान

टकराव नहीं, संतुलन में है

याचिका में कहा गया है कि नए नियम यूजीसी के समानता नियम के सेक्शन 3(C) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और व्यक्तिगत आजादी जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और यूजीसी अधिनियम 1956 के भी विरुद्ध है। इससे उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के अवसर खत्म होंगे। सोशल मीडिया पर भी इस विनियम का भारी विरोध हो रहा है। इस सबके बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा न केवल प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का हथियार भी है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान अलगाववादी बने रहेंगे, तो वे राष्ट्र निर्माण का अपना मुख्य उद्देश्य कैसे पूरा कर पाएंगे। ऐसे में देश को 'शिक्षा के अधिकार' से 'समान शिक्षा के अधिकार' की तरफ आगे बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब कैंपस के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं को हतोत्साहित करने के साथ दंडित करने का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

इन कारणों से अस्तित्व में आए नए नियम

यूजीसी के अनुसार नए नियमों की जरूरत उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़ी और अनुसूचित जाति-जनजातियों के विरुद्ध बढ़ते भेदभाव के मामले रोकने और उन पर निगरानी रखने के लिए बनाए गए हैं। 2020 से 2025 के बीच जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में 100 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके अलावा इस नियम को बनाने के पीछे रोहित वेमुला और पायल ताडवी जैसे मामलों में की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। दरअसल जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 में पायल ताडवी की आत्महत्या के मामलों के बाद पीड़ित परिजनों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके जातीय भेदभाव की शिकायतों पर कठोर नियम बनाने की मांग की थी। जस्टिस सूर्यकांत मिश्रा की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यूजीसी को जातिगत भेदभाव की शिकायतों पर डेटा जुटाने और नए नियम बनाने का निर्देश जनवरी 2025 में दिया था। इसी के बाद फरवरी 2025 में नए नियमों से संबंधित ड्राफ्ट जारी किया गया था। यह भी कहा जा रहा है कि ये विनियम उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध कानूनी और संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करते हैं तथा वर्ष 2019 में आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में उठाई गईं उन गंभीर चिंता को संबोधित करते हैं, जिनमें पाया गया था कि ऐतिहासिक रूप से वंचित जातियों के 75 फीसदी छात्र परिसर में भेदभाव का सामना करते हैं।

नियमों का अनुपालन न होने पर क्या होगा

उच्च शिक्षा संस्थानों को यूजीसी की योजनाओं में भाग लेने से वंचित किया जा सकता है। उन्हें डिग्री कार्यक्रम, डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन कार्यक्रम संचालित करने से रोका जा सकता है। अनुदान रोका जा सकता है, नए कोर्स बंद हो सकते हैं। संस्थान को उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची से हटाया जा सकता है। इससे ये नियम सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि प्रवर्तनीय बन गए हैं।

नए विनियम में यह हैं प्रावधान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम-2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया है। ये विनियम साल 2012 से लागू भेदभाव-रोधी नियमों का अपडेटेड स्वरूप हैं। इनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव का उन्मूलन करना है।

- नए विनियमों में जाति आधारित भेदभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। जाति-आधारित भेदभाव को अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विरुद्ध किसी भी अनुचित या पक्षपातपूर्ण व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है। इसके साथ ही भेदभाव को किसी भी अनुचित, पक्षपाती या भिन्न व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष और यह जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या विकलांगता जैसे आधारों पर लागू होता है। इसमें ऐसे कृत्य भी शामिल हैं, जो शिक्षा में समानता के अधिकार को बाधित करें या मानव गरिमा का उल्लंघन करें।
- प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान के लिए समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुंच को बढ़ावा देना तथा परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना है।
- प्रत्येक संस्थान में समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और समावेशन सुनिश्चित करना है।
- समान अवसर केंद्र (EOC) के अंतर्गत संस्थान में एक समता कमेटी गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के प्रमुख करेंगे। इस कमेटी में ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग तथा महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा, ताकि समावेशी निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। शिकायत मिलते ही समिति बैठक करेगी और रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को देगी।
- हर संस्थान को 24 घंटे की इक्विटी हेल्पलाइन चलानी होगी। शिकायतकर्ता की पहचान मांगने पर गोपनीय रखी जाएगी।
- समान अवसर केंद्र को अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जबकि समानता कमेटी को वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करनी होगी। हर संस्थान को समान अवसर केंद्र की कार्यप्रणाली पर वार्षिक रिपोर्ट यूजीसी को प्रस्तुत करनी होगी।
- नए विनियमों में भेदभाव उन्मूलन और समानता संवर्द्धन की स्पष्ट जिम्मेदारी संस्थानों को निर्दिष्ट की गई है तथा संस्थान के प्रमुख को प्रभावी कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए सीधे उत्तरदायी बनाया गया है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) राष्ट्रीय स्तर पर एक निगरानी समिति बनाएगा, जिसमें वैधानिक पेशेवर परिषदों व आयोगों के प्रतिनिधि तथा नागरिक समाज के सदस्य शामिल होंगे। यह समिति कम से कम वर्ष में दो बार बैठक करके नियमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी, भेदभाव के मामलों की जांच करेगी और रोकथाम के उपाय सुझाएगी।
- नवीन नियमावली में संस्थानों को भेदभाव समाप्त करने, समानता को बढ़ावा देने और इसके लिए उपयुक्त उपाय करने के उत्तरदायित्व दिए गए हैं। संस्थान के प्रमुख को यह सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी होगी कि नियमों का पालन हो।

कौन से हैं वह मुख्य बिंदु, जिन पर जताई जा रही है आपत्ति

पिछले साल फरवरी माह में यूजीसी ने इन नियमों का मसौदा (ड्राफ्ट) संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में यूजीसी ने ओबीसी को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे में शामिल कर लिया है। मसौदा नियमों में भेदभाव की परिभाषा अस्पष्ट थी, जिसे अब विस्तारित करते हुए कहा गया है कि जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता के आधार पर कोई अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यवहार, जो शिक्षा में समानता को लेकर बाधा डालता है या मानव की गरिमा का उल्लंघन करता है, उसे जातिगत भेदभाव माना जाएगा। इसी तरह मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाएगा और इसके लिए जुर्माना या सस्पेंड करने का प्रावधान रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान हटा दिया है।

कैंपस में पहला दिन

सीख और स्मृतियों की यात्रा

इंटर की परीक्षा पास करते ही जीवन ने मुझे पहली बार घर की सीमाओं से बाहर निकलने का अवसर दिया। फर्रुखाबाद की परिचित गलियों और अपनेपन भरे माहौल को पीछे छोड़कर मैं पढ़ाई के लिए कानपुर आया। यह केवल शहर बदलने की यात्रा नहीं थी, बल्कि बचपन से युवावस्था की ओर बढ़ने का पहला ठोस कदम भी था। नवाबगंज स्थित वीएसएसडी कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लिया और उसी के साथ एक बिल्कुल नई दुनिया मेरे सामने खुलने लगी।

कानपुर का माहौल मेरे लिए आकर्षक भी था और थोड़ा डरावना भी। नए चेहरे, नई भाषा, नए तौर-तरीके, सब कुछ अनजान था। नए दोस्तों से मिलना और उनके बीच अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। कॉलेज को लेकर पहले से कई किस्से सुन रखे थे। यह भी पता चला था कि यहां को-एजुकेशन होती है, इसलिए मन में एक मासूम-सी उत्सुकता और खुशी भी थी। यह भ्रम जल्द ही टूट गया। बीकॉम की हमारी पूरी कक्षा में एक भी छात्रा नहीं थी। को-एजुकेशन की सारी कल्पनाएं पहले ही सेमेस्टर में दम तोड़ गईं। फिर भी कॉलेज जीवन निराशाजनक नहीं था। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक, कैंटीन की चर्चाएं और कभी-कभार इधर-उधर घूमने की योजनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन गईं। हालांकि पढ़ाई को लेकर माहौल काफी सख्त था। हमारे प्रोफेसर छात्रों की नीयत तुरंत भांप लेते थे। जरा-सी लापरवाही या बहानेबाजी उनके सामने नहीं चलती थी। अनुशासन यहां केवल नियम नहीं, बल्कि आदत बन चुका था। हमारे विभागाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. ज्ञानचंद अग्रवाल एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। उनके व्यवहार में कठोरता नहीं, बल्कि अपनापन था। उनकी सरलता, स्नेह और अनुशासन ने हम सब पर गहरा प्रभाव डाला। वे हमें सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देते थे, बल्कि जीवन जीने की समझ भी देते थे। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो महसूस होता है कि कानपुर का वह कॉलेज और वहां बिताया गया समय मेरे व्यक्तित्व की नींव बन गया। जो भी आत्मविश्वास, समझ और अभिव्यक्ति मुझमें आज दिखाई देती है, उसके पीछे मेरे कॉलेज और मेरे गुरुओं का अमिट योगदान है। वे दिन स्मृतियों में आज भी जीवित हैं- एक सीख की तरह, एक संस्कार की तरह।

आरके सफ्फड़
उद्यमी एवं समाजसेवी

करेंट अफेयर्स

- हाल ही भारत की रक्षा आधुनिकीकरण की झलक 77 वें गणतंत्र दिवस परेड में उस समय स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जब एक उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित यह हथियार उच्च-गति और सटीक युद्ध क्षमताओं में भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाता है तथा बदलते रणनीतिक वातावरण में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित करता है। हाइपरसोनिक हथियार अपनी असाधारण गति, अनिश्चित उड़ान पथ और उच्च सटीकता के कारण आधुनिक युद्ध में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में केवल कुछ ही देशों के पास परिचालन स्तर की हाइपरसोनिक क्षमताएं हैं। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति उसे उन्नत सैन्य शक्तियों के विशिष्ट समूह में स्थापित करती है और भविष्य-उन्मुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- हाल ही भारत और नामीबिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जनवरी 2026 में आयोजित उच्च-स्तरीय राजनयिक परामर्श के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल अवसंरचना जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह चर्चा संसाधन सुरक्षा, सतत विकास और उभरती वैश्विक चुनौतियों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- हाल ही में भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंधों ने 2026 में एक नया चरण शुरू किया, जब यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन ने भारत का उच्च-स्तरीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान व्यापार, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और जन-जन संपर्क से जुड़े व्यापक समझौते हुए, जो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में साझेदारी को मजबूत करने की साझा दृष्टि को दर्शाते हैं।
- हाल ही उत्तराखंड राज्य ने अपने नागरिक कानून ढांचे में एक और महत्वपूर्ण सुधार करते हुए समान नागरिक संहिता (UCC) को नए संशोधनों के माध्यम से और सुदृढ़ किया है। इस कदम का उद्देश्य कानून को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है, साथ ही राज्य में नागरिक मामलों में समानता और डिजिटल शासन को मजबूत करना है।

जॉब अलर्ट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CBI)

- पद का नाम-फॉरेन एक्सचेंज ऑफिसर (स्केल III) और मार्केटिंग ऑफिसर (स्केल I)
- कुल पद- 350
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में कहीं भी
- वेतन स्केल III : 85,920-1,05,280 और स्केल I : 48,480-85,920
- अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- परीक्षा की तिथि- फरवरी/मार्च 2026 (संभावित)
- वेबसाइट-centralbankofindia.bank.in

बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (BMC बैंक)

- पद का नाम- मैनेजिंग डायरेक्टर
- पदों की संख्या- उल्लेखित नहीं (मैनेजिंग डायरेक्टर का एक कार्यकारी पद)
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट, CAIIB, CA, MBA, बैंकिंग और फाइनेंस या कानून में योग्यता या PG डिग्री वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- आयु सीमा-उम्मीदवार की आयु 35 से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- आवेदन की अंतिम तिथि-15-02-2026 (15 फरवरी 2026 से पहले)
- वेबसाइट-www.bmc.bank.in

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (CCRH)

- पद का नाम-विभिन्न पद (जूनियर रिसर्च फेलो, सीनियर रिसर्च फेलो, रिसर्च एसोसिएट, साइंटिस्ट C, प्रोजेक्ट एसोसिएट II, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, ऑफिस असिस्टेंट, फार्मासिस्ट/कंपाउंडर/डिस्पेंसर, लैब टेक्नीशियन, प्रिंसिपल प्रोजेक्ट एसोसिएट)
- पदों की संख्या-40
- वेतन-रु. 16,000 से रु. 84,337 (एकमुश्त) + HRA (पदानुसार अलग-अलग, कुछ में वार्षिक वेतन वृद्धि)
- योग्यता-पद के अनुसार अलग-अलग
- आयु सीमा-30 से 64 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग, इंटरव्यू की तारीख के अनुसार)
- वेबसाइट- https://ccrhindia.ayush.gov.in/

कम्युनिकेशन स्किल: सफल करियर की कुंजी

कम्युनिकेशन स्किल आज के समय में कोई अतिरिक्त योग्यता नहीं रह गई है, बल्कि यह हर छात्र के व्यक्तित्व और सफलता की बुनियाद बन चुकी है। कई शोध यह साबित कर चुके हैं कि जिन विद्यार्थियों में प्रभावी संचार क्षमता होती है, वे पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं। मजबूत कम्युनिकेशन स्किल न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि आपको अपने विचारों को सही शब्दों में ढालने और दूसरों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की ताकत भी देती है। कक्षा में सवाल पूछने से लेकर इंटरव्यू में खुद को प्रस्तुत करने तक- हर जगह संचार कौशल निर्णायक भूमिका निभाता है। कॉलेज का समय इन क्षमताओं को निखारने का सबसे सही दौर होता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

सुनने की बनाएं आदत

अक्सर लोग संचार को केवल प्रभावशाली बोलने की कला मान लेते हैं, जबकि सच यह है कि संवाद की असली शुरुआत ध्यानपूर्वक सुनने से होती है। सुनना केवल शब्दों को ग्रहण करना नहीं, बल्कि सामने वाले की भावना, विचार और दृष्टिकोण को समझने की प्रक्रिया है। जब हम पूरी एकाग्रता से किसी की बात सुनते हैं, तो यह उसके प्रति सम्मान और रुचि को दर्शाता है। सुनने की क्षमता ही सही और संतुलित प्रतिक्रिया का आधार बनती है। इस तरह सुनने की आदत संवाद को सार्थक और भरोसेमंद बनाती है।

शब्दों का चयन सोच-समझकर करें

बोलना आसान है, लेकिन सही समय पर सही शब्द कहना एक कला है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि शब्दों का असर गहरा होता है। कभी-कभी एक वाक्य किसी को प्रेरित कर सकता है और वही वाक्य किसी को आहत भी कर सकता है। इसलिए अपनी बात रखने से पहले थोड़ा ठहरें, सोचें और फिर बोलें। प्रत्येक छात्र को इस आदत को विकसित करना चाहिए, क्योंकि एक बार बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। आपके शब्द सराहना से भरे भी हो सकते हैं और आलोचनात्मक भी। उनमें सामने वाले को अच्छा या बुरा महसूस कराने की शक्ति होती है। इसलिए शब्दों के महत्व को समझें और बोलने से पहले सोचें।

वाद-विवाद से आत्मविश्वास को दें उड़ान

सार्वजनिक रूप से बोलने का डर छात्रों के आत्मविश्वास में सबसे बड़ी बाधा बनता है, जिसे दूर करने में कॉलेज की वाद-विवाद प्रतियोगिताएं अहम भूमिका निभाती हैं। डिबेट में भाग लेने से विद्यार्थी विषय को गहराई से समझना सीखते हैं और अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करते हैं। बहस के दौरान अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं, जिससे सोच का दायरा व्यापक होता है और सहनशीलता भी बढ़ती है। जब छात्र पक्ष और विपक्ष दोनों की तैयारी करते हैं, तो वे किसी भी परिस्थिति में संतुलित और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में पूर्णरूप से सक्षम होते हैं। साथ ही, प्रतिद्वंद्वी के तर्कों को समझकर उनका संयमित और तथ्यात्मक तरीक से खंडन करना भी सीखते हैं, जो प्रभावी संवाद के लिए आवश्यक कौशल है।

स्पष्ट सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति

अगर विचार उलझे होंगे, तो शब्द भी उलझे ही निकलेंगे। इसलिए जरूरी है कि बोलते समय आप मुद्दे पर टिके रहें। लेखन इस दिशा में एक बेहतरीन अभ्यास है। जब आप लिखते हैं और फिर अपने लिखे को पढ़ते हैं, तो सोचने का दायरा विस्तृत होता है और विचारों में स्पष्टता आती है। बोलते समय अपनी बात स्पष्ट और मुद्दे पर केंद्रित रखें। जब आपके विचार स्पष्ट होते हैं, तभी आपकी अभिव्यक्ति में विशिष्टता आती है।

एक हुनर है प्रश्न पूछना भी

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपने सामने वाले के संदेश को सही ढंग से समझा है, प्रश्न पूछना एक आवश्यक कौशल है। यह न केवल किसी विषय को गहराई से समझने में मदद करता है, बल्कि बातचीत को शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का भी प्रभावी तरीका है। अच्छे प्रश्न पूछने वाले लोग प्रायः अच्छे श्रोता भी माने जाते हैं, क्योंकि वे अपनी राय थोपने के बजाय दूसरों को समझने पर अधिक ध्यान देते हैं। अच्छा संवाद केवल जवाब देने से नहीं, बल्कि सही प्रश्न पूछने से भी बनता है। सवाल पूछने से यह स्पष्ट होता है कि आप बातचीत में रुचि ले रहे हैं और सामने वाले को समझना चाहते हैं।

बाजार	संसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,344.68	25,342.75
बढ़त	487.20	167.35
प्रतिशत में	0.60	0.66

सोना 1,71,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार, 29 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राजश्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560 **किराना** : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000–23000, धनिया 9400–12000, अजवाइन 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, **प्रति किलो** : लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100 चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100 **दाल दलहन** : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल, 7350–9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8700, अरहर पटका मोटा 9300, अरहर कोरा मोटा 9600, अरहर पटका छोटा 11000–11500, अरहर कोरी छोटी 12500 **चीनी** : पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3200, मसूरी– 720, बासमती– 5400, परमल– 1000

दाल दलहन : काला चना– 2100, साबुत चना दाल– 1200, मूंग साबुत– 4200, राजमा– 8200–11000, दाल उड़द– 5200, साबुत मसूर दाल– 2000, मसूर दाल– 150, उड़द साबुत– 3400, काबुली चना– 7700, अरहर दाल– 10400, लोबिया/करमानी– 1600

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत पूरी तरह सक्षम : हरदीप पुरी

भारत और कनाडा ने ऊर्जा सहयोग के संयुक्त वक्तव्य पर किए हस्ताक्षर. हाजसन ने कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक ऊर्जा संवाद की नई शुरुआत

अनिल त्रिगुणायत,गोवा

अमृत विचार। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच विकासशील और विकसित राष्ट्रों ने सकारात्मक कदम उठाने की कवायद शुरू कर दी है। भारत में गोवा राज्य के ओएनजीसी परिसर में आयोजित 'भारत ऊर्जा सप्ताह, सम्मेलन इसी कड़ी का हिस्सा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस(एलएनजी),तरल पेट्रोलियम गैस(एलपीजी)कच्चे तेल तथा रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के आपसी आयात-निर्यात को लेकर भारत-कनाडा में बुधवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किया गया।

दोनों देश हरित हाइड्रोजन व सौर की उत्पादकता और वितरण के संदर्भ में भी मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई। विश्व का दूसरा सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले देश कनाडा और विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में हुआ पहल उत्तरी अटलांटिक तथा पैसिफिक--एशिया के देशों को भी एक नई दिशा प्रदान करेंगे। समझौते के पश्चात भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हमारा देश एक उभरती शक्ति बन चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना

भारत ऊर्जा सप्ताह में भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी तथा कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाजसन।

करने में भारत सक्षम है। पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन और एलएनजी की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ इसके विस्तार की स्रोतों पर भी मिलकर कार्य करेंगे। कनाडा और भारत ऊर्जा की विभिन्न आयामों को सही राह दिखाएंगे, भारी निवेश करते हुए उल्लेखनीय कार्य करेंगे। पुरी ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को लेकर भारत अपने सहयोगी देशों अर्थात ब्राजील,स्वीडन,पोलैंड,रूस, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई),ओमन तथा इंडोनेशिया के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाज़सन ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत बड़ी शक्ति बन चुका है। कनाडा अपने समुचित संसाधनों के साथ भारत सहयोग देगा और लेगा भी। हाजसन ने यह भी कहा कि करीब 140 करोड़ भारतीयों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बीड़ा उठाना कोई आसान काम नहीं। तेल शोधन और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में यूं ही अग्रणी नहीं हो गया है। दोनों देशों के मध्य मंत्रीस्तरीय ऊर्जा संवाद नई शुरुआत है। हम काफी कुछ बेहतर करेंगे। मंत्रियों ने दोनों देशों की सुरक्षा,बेहतरी,आर्थिक विकास हेतु ऊर्जा संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति की विविधता को भी रेखांकित किया। भारत व कनाडा के पेट्रोलियम मंत्रालयों ने ऊर्जा क्षेत्र के पूरक प्रकृति तथा ऊर्जा मामलों पर लगातार सहयोग से मिलने वाले पारस्परिक लाभ को भी मान्यता दी। दोनों देशों ने वैल्यू चेन में 'व्यापार से व्यापार' या 'व्यापार से सरकार' सहयोग को प्रोत्साहन देने और आपस में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत-कनाडा में यह बनी सहमति

ट्रांस माउंटेन एक्सपेंशन(टीएमएक्स) पाइपलाइन के माध्यम से कनाडा भारत को कच्चा तेल देगा। भारत कनाडा से एलएनजी,एलपीजी के अलावा अन्य संदर्भित सामग्री आयात करेगा। इसके बदले भारत कनाडा को रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों को बहुतायत में निर्यात करेगा। पहली बार भारत आए कनाडा के पेट्रोलियम मंत्री टिओमी हाजसन ने बताया कि दोनों देश नवीनीकरण ऊर्जा अर्थात हाइड्रोजन,जैव तथा संपोषित विमानन ईंधन बैटरी भंडारण,महत्वपूर्ण खनिज उत्खनन,स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा विद्युत प्रणालियों के नवाचार को आपसी सहयोग से बढ़ावा देंगे। जान लें,भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल और एलपीजी उपभोक्ता,चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक तथा चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन क्षमता वाला देश है।

भारत-ईयू के समझौते से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर : मुर्मू

राष्ट्रपति के दोनों सदनों में संयुक्त अभिभाषण से हुई बजट सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि इससे विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के अपने प्रदर्शन में और सुधार किया है जिसका सीधा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्ग को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप, नागरिकों की आय बढ़ी है, उनकी बचत में वृद्धि हुई है और उनकी क्रय शक्ति में भी सुधार हुआ है। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिसे ''सबसे बड़ा समझौता'' कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार एवं रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा भी पेश किया है।

खुशहाल किसान पहली प्राथमिकता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार के लिए खुशहाल किसान विकसित भारत की पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखकर किसान सम्मान निधि के तहत कृषकों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ उन फसलों का भी उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है जिसमें अभी तक हमारा कृषि क्षेत्र पीछे था। मुर्मू ने कहा, कृषि का महत्व समझाते हुए संत तिरुवल्लुवर ने कहा था कि समाज के लोग चाहे जिस भी काम से जुड़े हों, हर व्यक्ति का जीवन एक मेहनती किसान के परिश्रम पर निर्भर होता है। इसीलिए मेरी सरकार खुशहाल किसान को विकसित भारत की पहली प्राथमिकता के रूप में देखती है।

सुधार एक्सप्रेस, जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपये की बचत

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' के पथ पर आगे बढ़ रही है जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को लाभ हो रहा है। पिछले साल लागू किए गए ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ने नागरिकों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित की है। मुर्मू ने कहा कि सरकार ने आयकर कानून में संशोधन किया है और 12 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इन सुधारों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहे हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये पार

राष्ट्रपति ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत स्मार्टफोन उत्पादन में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। पिछले 11 वर्षों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और वैश्विक क्षमता केंद्रों में भी एक करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

खरगे ने केंद्र के विकसित भारत को बताया खोखला नारा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हमला बोलते हुए कहा है कि राष्ट्रपति का अभिभाषण एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गया है, जिसमें पुराने दावों और वादों को दोहराया जाता है लेकिन उनके क्रियान्वयन या जवाबदेही पर कोई चर्चा नहीं होती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार द्वारा दिए गए 'विकसित भारत' के नारे पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह नारा स्पष्ट लक्ष्यों, समय-सीमा और परिणामों के बिना सिर्फ राजनीतिक जुमला है। उनका आरोप है कि बिना ठोस रोडमैप के विकास की बात करना जनता को गुमराह करने के बराबर है। खरगे ने मनरेगा को लेकर भी केंद्र को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार की गारंटी देने वाले मनरेगा को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है, जिससे करोड़ों गरीब और असंगठित श्रमिकों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ काम करने का अधिकार था।

सेंसेक्स में 487 और निफ्टी में 167 अंकों का उछाल

मुंबई, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही।

- भारत-यूरोपीय संघ के एफटीए से लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी

चांदी 3.85 लाख, सोना 1.71 लाख रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए। चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

राष्ट्रीय

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में खुलकर उतरे कलराज मिश्रा

कहा- ये नियम समाज को बांटने वाले, इनसे शिक्षा जगत में फैलेगा असंतोष

नोएडा/लखनऊ, एजेंसी

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ देश भर में फैले असंतोष के बीच राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्रा भी यूजीसी के नए नियमों के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ये नियम समाज को बांटने वाले हैं और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा।

नोएडा में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी के नए नियम संविधान की मूल भावना का हनन करते हैं और यह एक जाति आधारित, एकतरफा कानून है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। कलराज मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह नियम समाज को बांटने वाला है और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा। उन्होंने मांग की कि या तो इन नियमों में व्यापक बदलाव किए जाएं या फिर इन्हें तत्काल प्रभाव से पूरी तरह वापस लिया जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत करता है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, ये नियमों में साफ नहीं है। बिना जवाबदेही तय किए ऐसे प्रावधान करना गंभीर चिंता का विषय है।

पूर्व राज्यपाल ने कहा कि शिकायत निवारण समिति में सभी वर्गों का समान और संतुलित प्रतिनिधित्व होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे और न्याय सुनिश्चित हो सके। कलराज मिश्रा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक या सामाजिक प्रयोगशाला नहीं बनाया जाना चाहिए। नियम ऐसे हों जो सभी के लिए समान हों और संविधान के अनुरूप हों।

मायावती ने कहा- विरोध उचित नहीं

बसपा प्रमुख मायावती ने यूजीसी के नए नियमों का सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा विरोध बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार–विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए यूजीसी द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है।

नई दिल्ली

रायबरेली में वकीलों का प्रदर्शन, नहीं किया काम

रायबरेली में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया, न्यायिक कार्य से विरत रहे और पैदल मार्च कर अपना विरोध दर्ज कराया, साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा। रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की ओर से प्रस्ताव पारित कर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे।

कौशांबी में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन, मार्च निकाला

कौशांबी में सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ता जिला पंचायत परिसर में इकट्ठा हो कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और यूजीसी के नए नियम को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन डीएम को दिया। उन्होंने नए नियमों को सवर्णों के हित के खिलाफ काला कानून बताया। कहा– ये नियम आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप साबित होंगे।

देवरिया में उमड़ा जनसैलाब, जमकर नारेबाजी

देवरिया में बुधवार को हजारों लोगों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रर्दशन किया और कचहरी के पास रोड पर धरना दिया। सुभाष चौक से निकले लोग सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां भी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। वकीलों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। कुछ देर के लिए

केजीएमयू में डॉक्टरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में बुधवार को यूजीसी के नए नियम के विरोध में शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कुलपति कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि यह नीति कैंपस में समानता बढ़ाने के बजाय जाति आधारित असमानता को बढ़ावा दे सकती है। प्रदर्शन में शामिल डॉ. समीर मिश्रा ने कहा कि इस बिल से यह संदेश जाता है कि सामान्य वर्ग का व्यक्ति अत्याचार करेगा ही करेगा। इसमें सभी वर्गों के लिए समान न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोगों को साथ लेकर कानून बनाया जाना चाहिए। डॉ. अमिय अग्रवाल ने कहा कि यह कानून पूर्व प्रस्तावित कम्युनल वायलेंस बिल जैसा प्रतीत होता है, जिसमें सामान्य वर्ग के व्यक्ति को नैसर्गिक न्याय का अधिकार नहीं मिलता। डॉ. नवनीत चौहान ने इसे विधि और तर्क के विपरीत बताते हुए कहा कि इसमें सामान्य वर्ग को ही दोषी मान लिया गया है, इसलिए यह कानून वापस होना चाहिए।

अखिल भारतीय संत समिति ने जताया विरोध, काशी में प्रदर्शन जारी

वाराणसी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी की नियमावली पूरी तरह भेदभावपूर्ण है। यह हिंदू समाज को कई वर्गों में बांटने वाला फैसला है। अखिल भारतीय संत समिति इसे स्वीकार नहीं करती। उन्होंने कहा, जिस समानता के अधिकार की बात की जा रही है, उसे यूजीसी खुद नहीं फॉलो कर रही। छात्र जीवन में ही छात्रों के मन में जातिगत भावना इस कदर भर दी जाएगी, तो न्याय की आशा कैसे की जा सकती है, झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान नहीं है। ऐसे में उच्च जाति में जन्मे छात्रों में अपराधबोध पैदा किया जा रहा है।

आज शब्द साथ नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

कहा- लोग यहां आध्यात्मिक शांति के लिए आते हैं, हम रिक्तता ले लौट रहे

प्रयागराज/लखनऊ, एजेंसी

माघ मेले में मौनी अमावस्या पर प्रशासन की ओर से स्नान करने से रोकने के बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को भारी मन से मेले से विदा हुए। माघ मेले से प्रस्थान से पहले उन्होंने कहा, आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं और स्वर बोझिल हैं। प्रयाग की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज

यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी।

शंकराचार्य ने कहा, प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने न केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संगम की इन लहरों में स्नान करना, अंतरात्मा की संतृप्ति का मार्ग है, लेकिन आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए संगम जा रहे थे। भीड़ का हवाला देते हुए प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें पालकी से उतरकर जाने को कहा, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अखिलेश ने कहा- ये बेहद अनिष्टकारी घटना

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए सत्तारूढ़ दल पर सदियों पुरानी सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य के स्नान किए बिना माघ मेले से चले जाने को अत्यंत अनिष्टकारी घटना बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो विमान हादसे की जांच

ममता, खरगे और अखिलेश के साथ केंद्रीय मंत्री आठवले ने भी की जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी मांग की कि यह जांच सुप्रीम कोर्टच की निगरानी में होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी विमान हादसे के मामले में जांच की मांग की है।

ममता बनर्जी ने कहा, हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने घटना पर यह संकेत देते हुए भी सवाल उठाए कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सामने आई खबरों से ऐसे कदम के संकेत मिल रहे थे। ममता ने कहा, सुबह अजित पवार की मृत्यु की खबर सुनकर वह सचमुच स्तब्ध रह गईं। इससे पता चलता है कि इस देश में राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा, आज सत्तारूढ़ वर्ग का हिस्सा रहे लोग भी सुरक्षित नहीं दिखते।

ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संसद परिसर में कहा, जांच तो होनी चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है। सभी नेता विमान से जाते हैं, कॉरपोरेट के लोग भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा, अजित पवार बड़े नेता थे, कई बार उप मुख्यमंत्री रहे, महाराष्ट्र में लोकप्रिय नेता रहे। आज के समय में हम इतना जागरूक हैं, प्रौद्योगिकी समझते हैं। ममता बनर्जी ने ठीक ही मांग की है। वीआईपी के साथ ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए। पहले भी कई वीआईपी की जान इसी तरह गई है। ऐसी जांच हो जिसमें निष्पक्ष तरीके से पता चले कि यह घटना कैसे हुई।

- ममता ने कहा- चाचा की पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे पवार

दांव पर लगा राकांपा का भविष्य

मुंबई। अजित पवार की मौत से न सिर्फ राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में खालीपन पैदा हो गया है, बल्कि राकांपा के भविष्य पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। पार्टी के अस्तित्व और संस्थापक शरद पवार के साथ उसके भविष्य के समीकरणों पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पवार के निधन के बाद राकांपा में नेतृत्व का संकट गहरा सकता है, क्योंकि पार्टी में दूसरे नंबर का कोई स्पष्ट चेहरा नहीं है। राज्यसभा सदस्य के रूप में शरद पवार का कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या राकांपा शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के साथ फिर एकजुट हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल के महीनों में दोनों गुटों के बीच संबंधों में नरमी देखी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अजित पवार के साथ जुड़े 41 विधायक शरद पवार की ओर वापस न चले जाएं। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और राजनीतिक रूप से सक्रिय रही हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। राकांपा के पास एक लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे और दो राज्यसभा सदस्य–प्रफुल्ल पटेल तथा सुनेत्रा पवार हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में राकांपा (एसपी) के संभावित विलय को लेकर अटकलें तेज थीं।

- महाराष्ट्र में 2024 में हुए विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में भाजपा के पास 132, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 57 और राकांपा के पास 41 विधायक हैं।
- वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश अकोलकर ने बताया कि राकांपा के दोनों गुट पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव में 'घड़ी' चिह्न पर एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जो प्रभावी रूप से अनौपचारिक विलय का संकेत है।

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए शुरू किया नया शोध केंद्र

लंदन, एजेंसी

● स्नातक छात्रों को मिलेंगे विवि में प्रवेश के अतिरिक्त मौके

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है।

विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बताया कि कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा कि कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है।

प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर

विश्वविद्यालय ने कैम्ब्रिज इंडिया रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना भी की है, जो एक कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से आम नागरिक, कैम्ब्रिज के पूर्व छात्र और अन्य हितधारक भारत से कैम्ब्रिज में अध्ययन करने वाले छात्रों की छात्रवृत्ति, शुल्क, अन्य खर्चों के लिए धन दे सकेंगे।

प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विवि कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

सवालों के घेरे में उड़ते महल

विमान दुर्घटना

महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित विमान में सवार सभी पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुणे के बारामती हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान निजी विमान लियरजेट 45 दुर्घटनाग्रस्त होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। विमानन क्षेत्र में तकनीक और सुरक्षा के उच्चतम मानकों के बावजूद ऐसी घटनाएं हवाई सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ी करती हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार, खराब दृश्यता और तकनीकी खराबी हादसे के संभावित कारण हो सकते हैं। इस हादसे से विमान के रखरखाव पर भी अंगुली उठ रही है। वीआईपी उड़ानों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा को भी अनिवार्य बना दिया है।

हादसे में खोईं हस्तियां

● विजय रूपाणी (12 जून 2025): अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की भी मृत्यु हुई थी।

● जनरल बिपिन रावत (8 दिसंबर 2021): तमिलनाडु के कुन्नूर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, जिसमें सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य अधिकारियों की मृत्यु हुई।

● दोर्जी खांडू (30 अप्रैल 2011): अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दुर्गम पहाड़ियों में क्रैश हो गया था। ● वाईएस राजशेखर रेड्डी (2 सितंबर 2009): हेलीकॉप्टर हादसे में आंध्र के सीएम की मृत्यु हुई थी।

हादसों के प्रमुख कारण

● मानवीय भूल: लगभग 50% से अधिक हादसों का कारण पायलट की गलती होती है। इसमें गलत निर्णय लेना, थकावट या आपातकालीन स्थिति में सही प्रतिक्रिया न दे पाना शामिल है।

● तकनीकी खराबी: विमान के इंजन में खराबी, हाइड्रोलिक सिस्टम का फेल होना या लैंडिंग गियर का न खुलना गंभीर हादसों की वजह बनता है।

● खराब मौसम: घना कोहरा, तेज हवाएं या अचानक बिजली गिरना पायलट के लिए दृश्यता और नियंत्रण की चुनौती पैदा करता है।

● एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती: एटीसी द्वारा गलत निर्देश देना या दो विमानों के बीच सुरक्षित दूरी न रख पाना हवाई टक्करों का कारण बन सकता है।

● रखरखाव में कमी: विमान के पुराने पुर्जों को समय पर न बदलना या सुरक्षा जांच में ढिलाई बरतना जानलेवा साबित होता है।

सुरक्षा के कड़े पहरेदार

● उड़ान समय सीमा: पायलटों की थकान कम करने के लिए काम के घंटों, आराम की अवधि का सख्त निर्धारण।

● सुरक्षा ऑडिट: सभी एयरलाइन और निजी चार्टर विमानों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है।

● मौसम प्रोटोकॉल: खराब दृश्यता के दौरान विमानों को टेक-ऑफ या लैंडिंग की अनुमति नहीं देना।

● विमान की स्थिति: एक निश्चित सीमा से पुराने या बार-बार तकनीकी खराबी वाले विमानों के संचालन पर प्रतिबंध।

खराब रिकॉर्ड

● बारामती में हादसाग्रस्त विमान वीएसआर वेंचर्स प्रालि का था, कंपनी का सेफ्टी रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। यह तीन साल से भी कम समय में दूसरा बड़ा विमान हादसा है। इससे पहले, 2023 में मुंबई एयरपोर्ट पर इसी कंपनी का एक और विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेनेजुएला में अमेरिकी दूतावास फिर खोलने की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने संसद को बताया है कि वह वेनेजुएला में बंद अमेरिकी दूतावास को दोबारा खोलने की दिशा में कदम उठा रहा है। इसके तहत कर्मचारियों की एक टीम वहां भेजी जाएगी, जो सीमित राजनयिक कामकाज संभालेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कर्मचारी एक अस्थायी परिसर में रहकर काम करेंगे। इस दौरान मार्च 2019 में बंद किए गए मौजूदा दूतावास परिसर को आवश्यक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी को 20 महीने की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की पत्नी किम कोन-ही को रिश्वत लेने के आरोप में 20 महीने जेल की सज़ा सुनाई गई है। सोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बुधवार को 1.28 करोड़ वॉन (लगभग 9,010 अमेरिकी डॉलर) की ज़ब्ती के साथ जेल की सज़ा सुनाई। अदालत ने कहा कि किम ने प्रथम महिला के तौर पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए किया।

नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा के साथ दो बिहारी गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने हिमालयी देश के रौताहट जिले में बिहार के दो लोगों को नकली भारतीय मुद्रा नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी 30 वर्षीय बिक्रम कुमार पासवान और 42 वर्षीय राहेश कुमार साह को मंगलवार रात दक्षिणी नेपाल में 2500 रुपये मूल्य की नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को नियमित सुरक्षा जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास 500 और 200 रुपये के नकली नोट थे।

उत्तर-पश्चिमी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

काठमांडू। उत्तर-पश्चिमी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में हुए भारी हिमपात से कई इलाकों में दो-दो फुट तक बर्फ जम गई और कुछ स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात हुई बर्फबारी से पहाड़ियां और पर्वत बर्फ से ढक गए, जबकि अधिकांश स्थानों पर बारिश भी हुई। भारी हिमपात के कारण कागबेनी-कोराला मार्ग बंद हो गया है।

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार

प्रधानमंत्री मोदी बोले-व्यापार समझौते के बाद यूरोपियन देशों में दे सकेंगे अपनी सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के बाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक अब यूरोपियन संघ के देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल अस्पताल के शताब्दी समारोह में मोदी ने कहा कि आयुष चिकित्सक भारत में हासिल की गई व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे, जिससे आयुर्वेद और योग से जुड़े युवाओं को बहुत फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईयू के साथ हाल में घोषित ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और उसके चिकित्सकों को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोप में आयुष आरोग्य केंद्र बनाने में भी मदद करेगा और इस उपलब्धि के लिए उन्होंने आयुर्वेद तथा आयुष से जुड़े सभी आगंतुकों को बधाई दी।

समझौते से भारत को ज्यादा लाभ: अमेरिका

न्यूयॉर्क। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत आगे रहा और इस समझौते से भारत को खूब लाभ होगा। ग्रीर ने मंगलवार को कहा कि मैंने अब तक इस सौदे के कुछ विवरण देखे हैं। इसमें भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उसकी यूरोपीय बाजार में पहुंच बढ़ेगी। ऐसा लगता है कि भारत को कुछ अतिरिक्त आव्रजन अधिकार मिले हैं। मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन ने भारतीय कामगारों के यूरोप में आवागमन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि भारत को इससे काफी फायदा होगा।

आयुर्वेद एक इलाके तक सीमित नहीं रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद को बचाने, सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसके संस्थापक वैद्यरत्नम पी एस वारियर के योगदान को भी याद किया। मोदी ने कहा भारत में आयुर्वेद कभी किसी एक ज़माने या इलाके तक सीमित नहीं रहा है और हर ज़माने में, इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति ने ज़िंदगी को समझने, संतुलन बनाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला 600 से ज़्यादा आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन करती है और देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके अस्पताल आयुर्वेदिक तरीकों से रोगियों का उपचार करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत सदियों से आयुर्वेद के जरिए लोगों का इलाज कर रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के अंदर और बड़े पैमाने पर विदेशों में इसकी अहमियत समझाने की कोशिशें नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण साक्ष्य आधारित अनुसंधान और शोधपत्रों की कमी रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आयुर्वेदिक पद्धतियों को विज्ञान के सिद्धांतों पर परखा जाता है, तो लोगों का भरोसा और मजबूत होता है। उन्होंने खुशी जताई कि आर्य वैद्यशाला ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थानों के साथ मिलकर आयुर्वेद को लगातार विज्ञान और अनुसंधान की कसौटी पर परखा है। मोदी ने कहा कि संस्थान ने दवा अनुसंधान, क्लिनिकल शोध और कैंसर देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया है।

अमेरिका का एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा

● ट्रंप ने सैन्य चेतावनी देने के साथ कूटनीतिक कदम भी बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सख्त रुख की ओर लौटते हुए कहा है कि एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अमेरिका के आयोवा राज्य के क्लाइव में एक चुनाव-प्रचार जैसे आयोजन में कहा, वैसे इस समय एक और अरमाडा बड़ी खूबसूरती से तैरते हुए ईरान की ओर बढ़ रहा है। हम देखेंगे। उम्मीद है कि वे हमसे समझौता कर लें। उन्हें हमसे पहले ही समझौता कर लेना चाहिए था। कम से कम देश तो बचेगा।

ट्रंप के बयान से अमेरिका की सैन्य दबाव के साथ कूटनीति की संभावना वाली दोहरी रणनीति झलकी है। इसी क्रम में एक्सियोस को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति परिवर्तनशील है और बड़े अमेरिकी सैन्य बेड़ों को क्षेत्र के और करीब तैनात किया गया है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी अधिकारी कई बार बातचीत की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि यदि ईरान तय शर्तों के तहत संपर्क करता है, तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शर्तें बतायीं, जिनमें यूरेनियम संवर्धन पर रोक, संवर्धित यूरेनियम हटाना, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पर सीमायें और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के समर्थन का अंत शामिल है। ईरान ने इन शर्तों को सिरे से खारिज किया है, हालांकि बातचीत की इच्छा भी जतायी है। ट्रंप ने जून में किए गए अमेरिकी हमलों का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि तीन प्रमुख ठिकानों पर वार कर ईरान की परमाणु क्षमताओं को 'नष्ट' कर दिया गया। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाला स्ट्राइक ग्रुप हिंद महासागर में तैनात किया गया है, जिससे वह अमेरिकी केंद्रीय कमान के परिचालन क्षेत्र और ईरान के संभावित लक्ष्य क्षेत्रों के और करीब आ गया है।

ईरान ने पश्चिमी एशिया के देशों से संपर्क साधा

दुबई। ईरान के अधिकारियों ने देश पर अमेरिकी हमले के खतरे को लेकर बुधवार को पश्चिमी एशिया के कई देशों से संपर्क साधा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने संकेत दिया है कि वे अपने हवाई क्षेत्र को किसी भी हमले के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। मिस्र के शीर्ष राजनयिक बदर अब्देलट्टी ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पश्चिमी एशिया के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से अलग-अलग बातचीत की ताकि क्षेत्र को अस्थिरता के नए दौर में जाने से बचाने के लिए शांति स्थापित करने की दिशा में काम किया जा सके। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान से फोन पर बात कर उन्हें अपनी ओर से भरोसा दिलाया।

स्पेन में करीब पांच लाख अवैध प्रवासी होंगे वैध

मैड्रिड। स्पेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब पांच लाख अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की योजना को मंजूरी दी है। आव्रजन मंत्री एलमा सैज़ ने कहा कि इस योजना के तहत नियमित किए जाने वाले प्रवासी देश के किसी भी हिस्से में, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। उन्होंने प्रवासन के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नीति मानवाधिकार, एकीकरण, सामाजिक सह-अस्तित्व और आर्थिक विकास के अनुकूल है। राष्ट्रीय प्रसारक आरटीवीई से बातचीत में सैज़ ने कहा, यह केवल अनुमान हैं, लेकिन आंकड़ा लगभग पांच लाख के आसपास हो सकता है। यह योजना उनपर लागू होगी जो पांच महीनों से स्पेन में रह रहे हैं।

पाकिस्तान जासूसी मामले में सुनाई 5 साल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

● एनआईए अदालत के समक्ष आरोपी ने कबूला जुर्म

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने सिम कार्ड के फर्जी इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग से जुड़े पाकिस्तान जासूसी षड्यंत्र मामले में एक प्रमुख आरोपी को पांच साल से अधिक की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी अल्ताफहुसैन घनचीभाई उर्फ शकील ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान जुर्म कबूल कर लिया था।

इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने 37 गवाहों से पूछताछ की थी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने मंगलवार को इस मामले में सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी को सिम कार्ड, ओटीपी और सोशल मीडिया सहित विशिष्ट पहचान सुविधाओं के दुरुपयोग का दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी पाए गए अल्ताफहुसैन को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पांच साल और छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दो साल और छह महीने के साधारण कैद की सजा और 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

रूस ने यूक्रेनी ट्रेन पर किया हमला पांच लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र में मंगलवार रात पैसेंजर ट्रेन पर हुए कथित रूसी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को आतंकवाद की करतूत बताते हुए एक छोटा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी हुई दिखायी दे रही थी। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने बाद में कहा कि आग बुझा दी गयी है। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों को मारने का कोई सैन्य औचित्य नहीं है, और न ही हो सकता है। खासकर, ट्रेन में 200 से ज़्यादा लोग थे, और 18 लोग उस डिब्बे में थे, जिस पर रूसी ड्रोन में से एक ने हमला किया था।

केरल में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी

कोच्चि, एजेंसी

● राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 20 स्थानों पर की छानबीन

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उससे जुड़े संगठनों के खिलाफ केरल के तीन जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कुल 20 स्थानों पर तलाशी ली गई।

सुबह तड़के शुरू हुई इस कार्रवाई में पीएफआई कार्यकर्ताओं और उसके सहयोगी संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े लोगों के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया। एसडीपीआई को प्रतिबंधित पीएफआई का सहयोगी संगठन माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान चावक्काड में पूर्व पीएफआई जिला नेता और वर्तमान एसडीपीआई कार्यकर्ता फामिस अबूबक्कर के आवास की भी गहन तलाशी ली गई, जहां एनआईए की टीम ने दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की। यह अभियान मुख्य रूप से एर्नाकुलम, त्रिशूर और पालक्काड जिलों में केंद्रित रहा, जहां कई टीमों ने एक साथ उन ठिकानों पर तलाशी ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा संगठन को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बावजूद उसके नेटवर्क राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय माने जा रहे हैं।

परमाणु कार्यक्रम को मजबूत करेगा उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए हथियार के परीक्षण का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के आगामी सम्मेलन में उनकी सरकार अपने परमाणु कार्यक्रम को और मजबूत करने की योजना की घोषणा करेगी। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान ने कहा था कि उन्होंने उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को किम जोंग उन की मौजूदगी में बड़े और उन्नत रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का परीक्षण किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 29 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 13.55 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

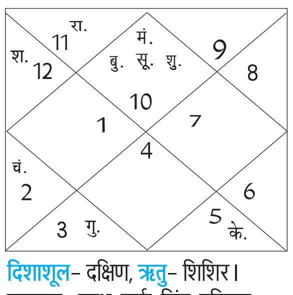

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-रोहिणी 07.31 तक तत्पश्चात मृगशिरा 30 जनवरी 05.29 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष: आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। नए विषयों के अध्ययन में रुचि ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

वृष: आज का दिन कारोबार में विस्तार करने के लिए अनुकूल है। उत्तम भोजन का आनंद लेंगे। कुछ नजदीकी लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना पर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन: आज अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कानूनी मामलों को लेकर जल्दबाजी न करें। किसी को धन उधार न दें। पुराने मामले को लेकर परेशानी हो सकती है। विद्यार्थियों की शिक्षा में थोड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कर्क: आज नई संपत्ति खरीद सकते हैं। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक लाभ हो सकता है। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। अपने खानपान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

सिंह: आज नकारात्मक विचारों से दूर रहें। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर दुविधा की स्थिति में फंस सकते हैं।

कन्या: आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। नौकरी में अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। व्यापार को लेकर कोई बड़ा सौदा हो सकता है। कारोबारी यात्राओं के दौरान आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी अत्यधिक चर्चा होगी।

तुला: आज अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं। अनावश्यक खर्च अचानक से बढ़ सकते हैं। इसके कारण आपके निजी जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है। व्यवसाय को लेकर कुछ अदूरदर्शी निर्णय लेने से बचें। थोड़ा सोच-विचार कर ही काम करें।

वृश्चिक: आज आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा धन लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने काम में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु: आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहने वाला है। आपके कष्टों का निवारण होगा। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा। सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं।

मकर: आज व्यापार में अधिक परिवर्तन न करें। भौतिक सुख-साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। बच्चों के व्यवहार से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुंभ: आज कुछ पारिवारिक शत्रु आपको परेशान कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। परिवार के किसी सदस्य को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण सिरदर्द हो सकता है। अपनी जीवनशैली को अनुशासित रखें।

मीन: आज अपने संपर्क क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करेंगे। लोगों से आपको अत्यधिक प्रेम व सम्मान मिलेगा। नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। कड़ी मेहनत के द्वारा आपके कार्य सफल होंगे।

सुडोकू-45

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2				8		
		1	5					7
	3			8		9		4
		5	2			7		8
	8						9	
2		9			6	1		
7		3		9			8	
					1	5		
		6				3		

सुडोकू - 44 का हल

5	8	9	1	4	3	6	2	7
4	2	1	9	7	6	3	8	5
6	3	7	2	5	8	1	9	4
8	6	2	4	3	7	9	5	1
7	9	4	5	8	1	2	6	3
3	1	5	6	9	2	4	7	8
2	4	3	7	6	5	8	1	9
1	7	8	3	2	9	5	4	6
9	5	6	8	1	4	7	3	2

जो भारतीय बल्लेबाज तीनों फॉर्मेट खेलते हैं, उन्हें अपने लाल गेंद की स्किल को निखारने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है और यही हाल के वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में उनकी कमजोरियों की एक बड़ी वजह है। –राहुल द्रविड़

स्टेडियम
बरेली, गुरुवार, 29 जनवरी 2026
अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन के सामने कमजोर पड़ना आश्चर्यजनक

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान स्मिथ अब भी 2024 के आखिर में भारत में न्यूजीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में 3–0 की ऐतिहासिक जीत को लेकर हैरान हैं और उनका मानना है कि हाल के दिनों में लाल गेंद की क्रिकेट में घरेलू मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष की बड़ी वजह स्पिन के खिलाफ घटती क्षमता रही है। खब्बू स्पिनर एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर भारत में उस यादगार टेस्ट सीरीज की जीत के मुख्य सूत्रधार थे। इससे परिणाम से मेजबान टीम का 12 वर्षों से चला आ रहा अजेय क्रम टूट गया।

मोईन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास वापस लिया

लाहौर। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर मोईन अली ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास का अपना फैसला वापस ले लिया है और वह आगामी टी–20 ब्लास्ट में यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे। क्लब ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मोईन अली ने 2026 सीजन के लिए केवल ब्लास्ट के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है। इसे 2027 तक भी बढ़ाया जा सकता है।

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ जीती सीरीज

कोलंबो। हैरी ब्रूक (नाबाद 136) और जो रूट (नाबाद 111) की आतिशी शतकीय पारियों और इसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में 53 रन से जीत दर्ज की और सीरीज भी अपने नाम कर ली। यह तीन साल में पहली बार है जब इंग्लैंड ने विदेश में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज जीती। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 357 का कुल स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका 304 रनों पर आलआउट हो गई।

महिला सीनियर कबड्डी शुरू

हैदराबाद। 72वीं महिला सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के पहले दिन हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। बालायोगी स्टेडियम में मंगलवार को शुरू हुई चैंपियनशिप में पहले दिन कई निर्णायक नतीजे देखने को मिले। भारत के महिला कबड्डी विश्व कप जीत के तुरंत बाद हो रही इस चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन टीम के कई सदस्य अब अपने–अपने राज्यों और संस्थागत टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक–दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी तक चलेगी।

सहजा को डब्ल्यूटीए के लिए वाइल्ड कार्ड

मुंबई। भारत की नंबर एक महिला एकल टेनिस खिलाड़ी सहजा यमलापल्ली को दो फरवरी से शुरू हो रहे मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के लिए बुधवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया है। पुणे में बिली जीन किंग कप के एशिया ओशियाना ग्रुप वन चरण में भारत के दूसरे स्थान पर रहने में सहजा की अहम भूमिका थी। वह बेंगलुरू में हुए प्लेआफ में भी टीम का हिस्सा थी।

न्यूजीलैंड चौथा टी-20 मुकाबला जीता टीम इंडिया 165 रनों पर ऑलआउट

मेहमान टीम के 216 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय पारी लड़खड़ाई

विशाखापत्तनम, एजेंसी

जीत का जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

टिम साइफर्ट (64), डेवन कॉन्वे (44) और डैरिल मिचेल (नाबाद 39) की आतिशी पारियों के बाद कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को चौथे टी-20 मुकाबले में भारत को 50 रनों से हरा दिया।

216 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही और उसने नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। अभिषेक शर्मा (शून्य) और सूर्यकुमार यादव (आठ) रन बना कर आउट हुये। इसके बाद संजू सैमसन ने रिंकू सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 46रन जोड़े। सातवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने संजू सैमसन 16 गेंदों में 24 रन को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। हार्दिक पंड्या (दो) को भी सैंटनर ने आउट किया। रिंकू सिंह 30 गेंदों में 39 रन बनाकर पांचवें विकेट के रुप में आउट हुये। इसके बाद शिवम दुबे ने हर्षित राणा के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर कुछ उम्मीद जगाई थी कि इसी दौरान 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर मैट हेनरी ने शिवम दुबे को रनआउट कर पवेलियन भेज दिया। शिवम दुबे ने 23 गेंदों में सात छक्के और तीन चौके लगाते हुए 65 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारत की ओर से तीसरा सबसे तेज टी-20 अर्धशतक लगाया। अगले ही ओवर में हर्षित राणा नौ रन बनाकर आउट हुये। अर्शदीप सिंह (शून्य) और जसप्रीत बुमराह चार रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर जैकब डफी ने कुलदीप यादव (एक) को आउटकर 165 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर अपनी टीम को 50 रनों से जीत दिला दी। न्यूजीलैंड के लिये मिचेल सैंटनर ने तीन विकेट लिये। जैकब डफी और ईश सोढी को दो-दो विकेट मिले। मैट हेनरी और जैकरी फॉक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टिम साइफर्ट और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े। नौवें ओवर में कुलदीप यादव ने डेवन कॉन्वे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। डेवन कॉन्वे ने 23 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 44 रन बनाये। अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह ने रचिन रविंद्र (दो) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। 13वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने टिम साइफर्ट को आउटकर न्यूजीलैंड के रनों की रफ्तार पर लगाम लगाने का प्रयास किया। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 62 रनों की पारी खेली। अगले ओवर में कुलदीप ने ग्लेन फिलिप्स (24) को अपना शिकार बना लिया। मार्क चैपमैन (नौ) को रवि बिश्नोई ने आउट किया। मिचेल सैंटनर (11) और जैकरी फॉक्स 13 रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 215 रनों का विशाल स्कोर बनाया। डैरिल मिचेल ने 18 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 39 रनों की पारी खेली। भारत की ओर से कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूजीलैंड

215/7 (20 ओवर)

- डेवोन कॉनवे का रिंकू बो कुलदीप 44
- टिम सिफर्ट का रिंकू बो अर्शदीप 62
- रचिन रवींद्र का एवं बो बुमराह 02
- फिलिप्स का रिंकू बो कुलदीप 24
- मार्क चैपमैन का राणा बो बिश्नोई 09
- डेरिल मिचेल नाबाद 39
- मिचेल सैंटेनर रन आउट 11
- जैक फोक्स का रिंकू बो अर्शदीप 13
- मैट हेनरी नाबाद 06

गेंदबाजी : अर्शदीप 4–0–33–2, राणा 4–0–54–0, बुमराह 4–0–38–1, बिश्नोई 4–0–49–1, कुलदीप 4–0–39–2

भारत

165/10 (18.4 ओवर)

- अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो हेनरी 00
- संजू सैमसन बो सैंटेनर 24
- सूर्यकुमार यादव का एवं बो डफी 08
- रिंकू सिंह पगबाधा फोक्स 39
- पंड्या का फोक्स बो सैंटेनर 02
- शिवम दूबे रन आउट 65
- हर्षित राणा का रवींद्र बो सोढ़ी 09
- रवि बिश्नोई नाबाद 10
- अर्शदीप का सैंटेनर बो सोढ़ी 00
- बुमराह का सोढ़ी बो सैंटेनर 04
- कुलदीप का सिफर्ट बो डफी 01

गेंदबाजी : हेनरी 3–0–24–1, डफी 3.4–0–33–1, फोक्स 3–0–29–1, सोढ़ी 4–0–46–2, सैंटेनर 4–0–26–3, फिलिप्स 1–0–7–0

महिला प्रीमियर लीग

फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

वडोदरा। तालिका में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) लगातार दो मैच में हार को पीछे छोड़कर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत दर्ज करके फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। आरसीबी (10 अंक) डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने वाली एकमात्र टीम है लेकिन वॉरियर्स के खिलाफ जीत से उसकी फाइनल में जगह भी पक्की हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए कड़ी चुनौती का सामना कर रही वॉरियर्स की टीम को अपनी शीर्ष स्कोरर फोबे लिचफील्ड (243 रन) की चोट से बड़ा झटका लगा है।

लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है और एमी जोन्स को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम पहले पांच मैच जीत कर सभी टीमों से काफी आगे निकल गई थी, लेकिन उसके बाद मिली दो हार ने निश्चित रूप से उसके अभियान को झटका लगा है। आरसीबी को दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा जब बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उसने सात विकेट से हार झेली। इसके बाद आरसीबी को मुंबई इंडियंस के हाथों भी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में एक समय उसका स्कोर पांच विकेट पर 35 रन था लेकिन ऋचा घोष की पारी ने हार के अंतर को काफी कम कर दिया।

अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

टी–20 विश्व कप
9 दिन शेष

टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे। गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा ।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप नयी गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरूआती विकेट लेता है। वह नयी गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है। शुरुआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण है और वह दोनों में मजबूत है।

उन्होंने कहा वह नई गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है। नई गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल काफी अहम है । वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है।

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की। मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई। उन्होंने कहा वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता जिसके बाद रोहित ने इस प्रारूप से विदा ले ली।

हार्दिक की भूमिका के बारे में रोहित ने कहा हार्दिक पंड्या जब भी टीम में होता है तो उसकी भूमिका बड़ी होती है। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निरंतरता से खेलता है । टीम दबाव में होती है तब उसकी बल्लेबाजी अहम होती है। अगर 15 या 16 ओवर में हमारा स्कोर 160 है और हार्दिक क्रीज पर है तो वह 210 या 220 तक ले जा सकता है । हमारे चार विकेट भी 50 रन पर गिरे हों तो वह पारी को संभाल सकता है। रोहित ने कहा कि कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती दोनों को अंतिम एकादश में रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कुलदीप और वरुण दोनों को साथ में कैसे उतारें । दो तेज गेंदबाजों को ही उतारने पर यह संभव है । वैसे मैं होता तो दोनों को टीम में रखता क्योंकि दोनों विकेट लेते हैं और बल्लेबाज उन्हें भांप नहीं पाते।

टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स

गुकेश हारे प्रज्ञानानंद की पहली जीत

विज आन ली (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में के नौवें दौर में बुधवार को यहां जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

डी. गुकेश।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंद ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। सिंदारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

खेल संघों को राष्ट्रीय प्रतीक और लोगो के अनाधिकृत उपयोग को बंद करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- खेल मंत्रालय ने निर्देशों का उल्लंघन करने पर मान्यता निलंबित करने की चेतावनी दी

खेल मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को निर्देश दिया कि वे अपनी स्टेशनरी और डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों तथा मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लोगो के अनधिकृत उपयोग से परहेज करें।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के उल्लंघन की स्थिति में मान्यता निलंबित की जा सकती है। राष्ट्रीय महासंघों की वेबसाइटों पर, खासकर होम पेज के निचले हिस्से में, संबद्धता दर्शाने के लिए साइ और मंत्रालय के लोगो दिखाई देना आम बात है। उनकी स्टेशनरी पर भी ये लोगो अंकित रहते हैं और मंत्रालय के प्रतीक में राज्य प्रतीक शामिल होता है।

मंत्रालय ने कहा यह पाया गया है कि कुछ एनएसएफ अपने लेटरहेड, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्रियों पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बनती है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा इस प्रकार का उपयोग अनधिकृत है और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशानिर्देशों तथा कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा इसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता की रोक भी शामिल है।

भारत का राज्य प्रतीक मौर्य सम्राट अशोक के सारनाथ स्थित सिंह स्तंभ से लिया गया है, जो वर्तमान में सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित है। सिंह स्तंभ की आकृति में एक आधार पर स्थापित तीन सिंह दर्शाए गए हैं, जिनके मध्य में धर्मचक्र, दाईं ओर बैल और बाईं ओर दौड़ता हुआ घोड़ा अंकित है, जबकि दोनों छोरों पर धर्मचक्र की आकृतियां हैं।इसके उपयोग से संबंधित मौजूदा कानून के अनुसार, केवल केंद्र सरकार ही उन मामलों में इसके उपयोग की अनुमति दे सकती है, जहां आधिकारिक संबद्धता का संकेत मिलता हो। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भले ही एनएसएफ को सरकार से मान्यता प्राप्त हो और वे वित्तीय सहायता के पात्र हों, लेकिन इससे उन्हें भारत सरकार, मंत्रालय या साई के नाम, प्रतीक या लोगो के उपयोग का अधिकार नहीं मिल जाता। सरकार ने कहा, "एनएसएफ केवल मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता का पाठ्य रूप में उल्लेख कर सकते हैं, लेकिन किसी भी आधिकारिक लोगो या प्रतीक का उपयोग नहीं कर सकते। एनएसएफ को जारी निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साइ के लोगो का उपयोग केवल प्रतियोगिता या आयोजन विशेष प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनज या स्मृति चिन्ह" तक सीमित रहेगा। यह अनुमति भी केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां आयोजन को वित्तीय सहायता दी गई हो या औपचारिक मान्यता प्रदान की गई हो। निर्देश दिया गया है कि वे हर जगह से अनधिकृत लोगो तत्काल हटाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार या साई के साथ उनकी संबद्धता किसी भी रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत न की जाए।

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

जोकोविच भाग्य के सहारे आगे बढ़े, महिला वर्ग में एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

यानिक सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर

मेलबर्न, एजेंसी

एलिना रिबाकिना।

जेसिका पेगुला।

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रिबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, पर फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी। उनका कहना है इस बार वे भाग्यशाली रहे।

अत्यधिक कैमरों पर स्वियातेक भी झल्लाईं

मेलबर्न। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7–5, 6–1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है।